जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

जालोर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जालोर, मंगलवार 28 जून, 2022

MARUTI SUZUKI ARENA

शानदार कार्स. दमदार ऑफ़र्स.

घर लाएँ अपनी पसंदीदा मारुति सुज़ुकी एरीना कार और पाएँ शानदार फाइनेंस विकल्प.

कम डाउन पेमेंट^

100% तक ऑन-रोड फंडिंग^

बड़ी बचत

CELERIO ₹50 100*
DZIRE ₹19 100*
SWIFT ₹30 100*
WAGONR ₹54 100*
S-PRESSO ₹14 100*

ऑफर सिर्फ़ स्टॉक रहने तक मान्य है।

CELERIO SWIFT S-PRESSO DZIRE WAGONR

E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership | For bulk orders, mail at: ankit.syal@maruti.co.in

AUTHORISED DEALERS: SIROHI: NAVNEET MOTORS: CALL: 02972-222917-18, 7665010638. **JODHPUR: AURIC MOTORS PVT LIMITED:** SARASWATI NAGAR, NEW PALI ROAD: CALL: 0291- 2722691, 9015900500. BALESAR: 7412092350. **SHRI KRISHNA AUTO SALES PVT. LTD.:** PRATAP NAGAR: CALL: 0291-2762064/65, 9929244403, 9829144436. BHINMAL: CALL: 02969-222438, 9680059999. RANIWARA: CALL: 9116124669, 9929244403. **L.M.J. SERVICES LTD:** A-11, INDUSTRIAL ESTATE, OPP. UDYOG BHAWAN, NEW POWER HOUSE ROAD: CALL: 8094011123, 8094011151, 0291- 2630478/79/80. **NAGAUR: MANGALAM MOTORS:** CALL: 9116008626, 9116008630. **PALI: L.M.J. SERVICES LTD.:** CALL: 02932 - 256177, 8094011136. **CHURU: AURIC MOTORS:** CALL: 01562-250696, 8875010502. **BIKANER: DUDI AUTOMOBILES:** CALL: 0151-2942222, 0151 -3550418, 7412075151. PADAMPUR: CALL: 7412075151. **AURIC MOTORS:** CALL: 0151-2251819, 9529251819, 9636045111. **AJMER: RELAN MOTORS:** CALL: 0145-2610106, 9214444222. **AJMER AUTO:** CALL: 0145-2425200, 9314531845, 9314391004. **JAIPUR: VIPUL MOTORS PVT. LTD.:** DAUSA: CALL: 9887851795. LALSOT: CALL: 9460654936. BANDIKUI: CALL: 9887456970. MAHWA: CALL: 9950780018. MEHANDIPUR BALAJI: CALL: 9782445691. UNIARA: CALL: 9785791929. **KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.:** PHULERA: CALL: 7412077062. SAMBHAR: CALL: 7412068410. ACHROL: CALL: 7412077078. **FORTUNE CARS:** KARAULI: CALL: 8875001175/ 8875005132. HINDAUN: CALL: 9214794314 / 8875007758. **PREM MOTORS PVT. LTD.:** BASSI: CALL: 8058794167 / 8058794137. SAWAI MADHOPUR: CALL: 07462-220029 / 8058799005 / 8058794181. GANGAPUR CITY: CALL: 8058794021. BAGRU: CALL: 8058794032. KOTPUTLI: CALL: 8058794121. JOBNER: CALL: 8058796065. RENWAL: CALL: 8058600117. RENWAL-MANJHI: CALL: 8058794042. DUDU: CALL: 8058794168. PHAGI: CALL: 8058403338. KANOTA: CALL: 8058794341. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.:** TONK: CALL: 9549651924. CHAKSU: CALL: 9549651926. SHAHPURA: CALL: 8696925275. DEOLI: CALL: 8696934957. MALPURA: CALL: 9549650513. NIWAI: CALL: 9667777114. PAOTA: CALL: 9549650495. VIRATNAGAR: CALL: 6350612446. JAMWA RAMGARH: CALL: 6350612727. **SANGA AUTOMOBILES PVT. LTD.:** CHOMU: (MORIJA ROAD): CALL: 9772210096 / 9772210906. GOVINDGARH: CALL: 9772210451. **ALWAR: MG MOTORS:** CALL: 9001795515, 9001795517, 8003692651, 8003692652, 8003090466. **SRIGANGANAGAR: AURIC MOTORS:** CALL: 0154-2466225, 8955559963. **DUDI AUTOMOBILES:** PADAMPUR: CALL: 7412075151. **SIKAR: JAMU AUTOMOBILES:** CALL: (01572) 245515 / 246219. **NEEM KA THANA: JAMU AUTOMOBILES:** CALL: 9785644715. **JHUNJHUNU: AURIC MOTORS:** CALL: 8955664400. **KOTA: BHATIA & COMPANY:** CORPORATE OFFICE: 23-24, INDUSTRIAL ESTATE: CALL: 0744-2365092, 9829035100. DAKANIYA SHOWROOM: G-11-12, AUTO MOBILE ZONE, NEAR DAKANIYA STATION: CALL: 0744-2439000, 9829799009. **SUWALKA MOTORS PVT. LTD.:** KUNHARI: CALL: 0744-2370272, 9116312345, 7300308888. SULTANPUR: CALL: 9116178527. BHAWANIMANDI: CALL: 9116178557. **UDAIPUR: NAVNEET MOTORS:** MADRI: CALL: 0294-2494454, 7230046380. CITY STATION ROAD: CALL: 0294-2415142, 7230046381. **TECHNOY MOTORS:** GOVARDHAN VILLAS: CALL: (0294) 2485158, 2485738, 9982666809. **BANSWARA: NAVNEET MOTORS:** CALL: 9414159145, 7665010632, 7412074100. **BHILWARA: LOHIA AUTOMOBILES:** CALL: 01482-264061, 264144, 09799545333, 09950512555. **CHAMPION CARS:** CALL: 01482-267135, 9602892423, 7727863720. **BHARATPUR: TM MOTORS:** CALL: 05644-220970, 226392, 9251423393, 9251423395, 8094000626. **CHITTORGARH: BHATIA & COMPANY:** CALL: 9413316092, 9413316399.

*Offer includes consumer offer, retail support, exchange offer and ISL/Rural offer (wherever applicable) on Celerio (Petrol & AGS- all variants), Swift (Petrol & AGS- all variants), S.Presso (Petrol & AGS- all variants), Dzire (Petrol & AGS- all variants), and WagonR (1.0L Petrol & AGS- all variants). ^Finance scheme details mentioned in the Advertisement are at the sole discretion of the financier and terms and conditions as specified by the financier shall apply. Credit at the sole discretion of the bank. Up to 100% on-road funding is provided by select financiers only. **Terms & Conditions apply. The terms and conditions are subject to change without any prior notice. All offers are brought to you by Maruti Suzuki dealers only. Offers may vary from variant to variant. All offers shown are valid for limited period & for limited stock only. For more details, please contact your nearest ARENA dealership. Colors shown may vary from actual body colors due to printing on paper. Images used are for illustration purposes only. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. Above offers are valid till 30th June 2022

विचार बिन्दु

चापलूस आपको हानि पहुंचा कर अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहता है। –हरिऔध

यह कैसा लोकतंत्र?

"भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है", यह वाक्य हम विश्व के लगभग सभी मंचों पर भारतीय नेताओं से सुनते रहते हैं। इसके कारण हम भारतीय, गौरव का अनुभव भी करते हैं।

स्वतंत्रता के पश्चात, देश की जनता ने इसे सही सिद्ध भी किया है। उदाहरणार्थ, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1975 में देश में आपातकाल लागू किया तो एक बार ऐसा लगा कि शायद देश में लोकतंत्र सदैव के लिए विदा हो गया है, किंतु मार्च 1977 में हुए चुनावों ने यह सिद्ध किया कि लोकतंत्र न केवल जीवित है अपितु सुदृढ भी है। जनता ने इसका परिचय सर्व शक्तिशाली इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस को हराकर, नव गठित जनता पार्टी को भारी बहुमत से जिता कर दिया।

इसके पश्चात समय-समय पर कई ऐसी घटनाएं हुई जो लोकतंत्र की मूल भावना के विपरीत थीं, जिससे यह लगा कि भारत में वास्तविक लोकतंत्र को खतरा उत्पन्न हो रहा है। सत्तर के दशक में निर्वाचित विधायकों ने हरियाणा में जिस तेजी से बार-बार दल बदले, उसे 'आया राम, गया राम' का नाम दिया गया। इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए 1985 में दलबदल विरोधी कानून बनाया गया। इसके अंतर्गत यह प्रावधान किया गया कि कोई भी निर्वाचित सदस्य दल बदलने पर अपनी सदस्यता खो देगा। यदि किसी विधायक दल के एक तिहाई सदस्यों के एक साथ दल बदलने पर उसकी सदस्यता बनी रहती थी। इससे भी जब दल बदल की प्रवृत्ति पर प्रभावी अंकुश नहीं लगा तो बाद में इसमें संशोधन कर एक तिहाई की अनिवार्यता को बढ़ाकर दो तिहाई कर दिया गया। यह लिखने की आवश्यकता नहीं है कि दल बदल किसी वैचारिक आधार पर नहीं होकर केवल मात्र पद और धन के लोभ में ही होता है।

गत सप्ताह जो घटनाक्रम महाराष्ट्र में चला, उसने तो एक बार पुनः भारतीय लोकतंत्र को उपहास का पात्र बना दिया है। ऐसा कहने का आधार क्या है यह निम्न विवेचन से स्पष्ट हो जाएगा।

2019 के विधानसभा चुनाव में महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना का चुनाव पूर्ण समझौता था। उन्होंने आपस में सीटों का बंटवारा किया था ।इन दोनों दलों को मिलाकर बहुमत से कहीं अधिक सीटें प्राप्त हुईं। जनादेश स्पष्ट रूप से भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना के गठबंधन को मिला था। चुनाव के परिणाम आने के बाद मुख्यमंत्री पद की महत्वाकांक्षा के कारण बहुत खींचतान चली। भाजपा देवेन्द्र फड़नवीस को मुख्यमंत्री बनाना चाहती थी, जबकि शिवसेना उद्धव ठाकरे को। शिवसेना का कहना था कि ऐसा आश्वासन भाजपा द्वारा उन्हें दिया गया था।

जब भाजपा ने उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाने से इन्कार कर दिया, तो उसने राष्ट्रवादी कॉंग्रेस के अजीत पवार को उपमुख्यमंत्री पद का प्रलोभन देकर, देवेन्द्र फड़नवीस को मुख्यमंत्री पद की शपथ सुबह होने से पहले ही राजभवन में दिलवा दी। ऐसी न ही चलनी थी और न ही चल पाई। यह तीन दिन में ही गिर गई और उद्धव ठाकरे ने राष्ट्रवादी कॉंग्रेस और कॉग्रोस के साथ मिलकर महा विकास संगठन बनाकर सरकार बना ली।

फलस्वरुप, शिवसेना ने भाजपा से अलग होने का निर्णय किया और कांग्रेस तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस के साथ मिलकर महा विकास अघाडी गठबंधन बनाया। यह सर्वविदित है के भाजपा और शिवसेना का गठबंधन कई वर्षों से महाराष्ट्र में बना हुआ था उन्होंने साथ ही कई चुनाव लड़कर विजय भी प्राप्त की थी। जनता ने भी इसी गठबंधन के पक्ष में जनादेश दिया था जिसे बदलते हुए एक अवसरवादी राजनीति का परिचय देते हुए महा विकास आघाडी का गठबंधन हुआ और महाराष्ट्र में सरकार बनी। निश्चित रूप से, महाराष्ट्र के मतदाताओं ने स्वयं को ठगा हुआ महसूस किया होगा।

कहा जाता है, इतिहास अपने आप को दोहराता है। यही कहावत महाराष्ट्र के मामले में सटीक बैठती है जो काम शिवसेना ने भाजपा के साथ किया था, वही काम अब भाजपा, शिवसेना के साथ कर रही है।

शिवसेना के नंबर दो के नेता एकनाथ शिंदे ने लगभग 40 शिवसेना विधायकों के साथ उद्धव ठाकरे के विरुद्ध विद्रोह करते हुए अलग गुट बना लिया। एक नाथ शिंदे गत 8 दिन से मीडिया में चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। पहले ये विधायक सूरत के एक पांच सितारा होटल में ठहरे और गत 7 दिन से गुवाहाटी के पांच सितारा होटल में ठहरे हुए हैं। इनकी एक एक गतिविधि पर मीडिया द्वारा ऐसी नजर रखी जा रही है और 24 घण्टे इनसे संबंधित समाचारों को ऐसे प्रसारित किया जा रहा है जैसे देश में इसके अलावा कोई खबर है ही नहीं।

विधायकों को अपनी प्रतिबद्धता बदलने का अवसर दल बदल कानून की कमियों के कारण मिलता है। फिलहाल यह मामला कानूनी दांवपेच में फंसा हुआ है, एक दृष्टिकोण यह है के दो तिहाई से अधिक अलग हुए विधायक तभी अयोग्यता से बच सकते हैं जब वह किसी दल में विलय हो जाएं।

लोकतंत्र, "जनता का, जनता के लिए और जनता द्वारा" किए गए शासन का नाम है, किंतु नेतागण, जिस प्रकार चुने जाने के बाद, अपनी राजनीति प्रतिबद्धता गिरगिट से भी तेज गति से बदलते हैं, उसे देखकर तो ऐसा लगता है कि लोकतंत्र केवल नाम के लिए है। अब उनका उद्देश्य केवल मात्र एक है, येन-केन-प्रकारेण सत्ता में बने रहना अथवा सत्ता प्राप्त करना। फिर चाहे, इसके लिए उसे जनता के साथ विश्वासघात ही क्यों न करना पड़े।

विधायकों को अपनी प्रतिबद्धता बदलने का अवसर दल बदल कानून की कमियों के कारण मिलता है। फिलहाल यह मामला कानूनी दांवपेच में फंसा हुआ है, एक दृष्टिकोण यह है के दो तिहाई से अधिक अलग हुए विधायक तभी अयोग्यता से बच सकते हैं जब वह किसी दल में विलय हो जाएं। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले विधायकों ने अभी तक ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया है। इसी कारण इनमें से 16 विधायकों को दल से निष्कासित करने का निर्णय शिवसेना ने लिया है। इस आधार पर विधानसभा के उपाध्यक्ष ने इन विधायकों को अयोग्य घोषित करने हेतु नोटिस दिया है। इस नोटिस को एकनाथ शिंदे के गुट द्वारा उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गई है। कानूनी रूप से तो इसका निर्णय उच्चतम न्यायालय कर देगा किंतु कुछ प्रश्न इसके बाद भी अनुत्तिरत ही रहेंगे।

पहला, विधायकों को पांच या सात सितारा होटलों में बंधक करके रखने की क्या आवश्यकता है? क्या उनके विधायक कोई वस्तु हैं, जिन्हें कोई बोली लगाकर खरीद कर ले जाएगा? विधायकों एवं दलों के आचरण से तो कुछ-कुछ ऐसा ही प्रतीत होता है कि उन्होंने स्वयं को एक प्रकार से मंडी में खड़ा कर रखा है कि कोई भी आए और अधिकतम दाम लगाकर उन्हें ले जाए। क्या राजनीतिक दलों को अपने विधायकों पर बिल्कुल विश्वास नहीं है जो उन्हें बड़े-बड़े होटलों में बंदी बनाकर रखा गया है। कुछ-कुछ इसी प्रकार का घटनाक्रम हमने राजस्थान में भी देखा था, जब सचिन पायलट ने कुछ समर्थक विधायकों के साथ मिलकर कांग्रेस सरकार को एक प्रकार से अस्थिर कर दिया था। उस समय भी, कई दिनों तक कांग्रेस विधायक एक बड़े पांच सितारा होटल में कई दिनों तक रहे थे। अब यही क्रम महाराष्ट्र के विधायकों द्वारा दोहराया जा रहा है।

दूसरा, विधायकों को आलीशान होटलों में कई दिनों तक ठहराने का खर्चा कौन उठा रहा है? क्या इसे विधायकों को प्रलोभन देना मानकर, निर्वाचन आयोग इसका संज्ञान नहीं ले सकता?

तीसरा, असमंजस की इस पूरी अवधि में जन हित के विभिन्न कार्य लंबित रहने से जनता को जो परेशानी हुई, उसका जिम्मेदार कौन है? इस अवधि में राज्य की शासन व्यवस्था ठहर सी जाती है क्योंकि कोई भी नीतिगत निर्णय मंत्रियों द्वारा नहीं लिए जाते हैं। उनका पूरा ध्यान केवल अपने विधायकों को पक्ष में बनाए रखने पर रहता है।

इसी परिप्रेक्ष्य में, शिवसेना के संजय रावत का यह बयान निंदनीय है कि गुवाहाटी से एकनाथ शिंदे के साथ वाले विधायकों की लाशें मुंबई आएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि लाखों शिव सैनिक केवल उनके इशारे की प्रतीक्षा कर रहे हैं और वह किसी भी स्थिति तक जा सकते हैं। इसी उकसाने का ही परिणाम है कि महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों पर उग्र प्रदर्शन हुए जिनमे आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएँ हुईं। दोनों पक्षों के बयानों का स्तर बहुत नीचे चला गया है। इस पूरी आपाधापी में, लोक कल्याण एवं जनता द्वारा अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों में व्यक्त किए गए विश्वास का कहीं कोई नामों निशान नहीं दिखाई देता है।

होना तो यह चाहिए कि दल बदल कानून पर एक बार इन अनुभवों के आधार पर पुनर्विचार किया जाए एवं ऐसी व्यवस्था की जाए कि किसी व्यक्ति के उस दल के अनुशासन के बाहर जाने पर उस व्यक्ति की सदस्यता स्वतः ही समाप्त हो जाए। इसमें किसी प्रकार का अपवाद नहीं रखा जाय। यदि वह दल छोड़ना चाहे तो उसे दोबारा जनता द्वारा चुनकर आना होगा। जब सदस्यों की सदस्यता समाप्त होगी, तो कोई भी निर्वाचित प्रतिनिधि विधायक दलबदल करने से पहले सौ बार सोचेगा। हाँ, किसी विषय पर गुण-अवगुण के आधार अपने दल से अलग विचार रखने पर उसे दल बदल नहीं माना जाय। इससे सदनों में सदस्य गण दल के गुलामों की तरह व्यवहार करने को बाध्य नहीं होंगे। इस हेतु आवश्यक संशोधन कानून में किया जा सकता है।

जनप्रतिनिधियों की इस विकृत मानसिकता का एक प्रमुख कारण यह भी है कि उनके लिए में आने का उद्देश्य जनता की सेवा नहीं अपितु स्वयं के लिए अकूत धन की व्यवस्था करना है ताकि पीढ़ियों तक का इन्तेजाम हो जाय।

अधिकांश जनप्रतिनिधियों के पास आय का कोई साधन न होने पर भी उनकी संपत्ति में दिन दूनी रात चौगुनी वृद्धि कैसे हुई है, इसकी जांच करना असंभव नहीं है, किंतु सामान्यतय ऐसा होता दिखाई नहीं देता। जब कभी होता भी है तो उसका उद्देश्य केवल राजनीतिक विरोधियों को प्रताड़ित या भयभीत कर अपने पक्ष में करने का होता है। हाल ही में ई डी, इनकम टैक्स और सीबीआई द्वारा की गई विभिन्न कार्यवाही से तो ऐसा ही प्रतीत होता है। आंकड़े बताते हैं कि इन एजेंसियों द्वारा गत सालों में की गई कार्रवाई में सफलता अंततः केवल 1 प्रतिशत से भी कम में मिली है।

विभिन्न राज्यों में विभिन्न राजनैतिक दलों के कार्य और व्यवहार को देखकर आम नागरिक के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है – 'यह कैसा लोकतन्त्र?'

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

वयः संधि और हिंसाः वैज्ञानिक विश्लेषण की आवश्यकता है

मानव जीवन में वय की गति के अनुसार बड़े वैयक्तिक परिवर्तन आते हैं। वयः संधि को हम शैशवावस्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था, युवावस्था, प्रौढ़ावस्था और वृद्धावस्था में बांट सकते हैं।

उम्र की एक अवस्था से दूसरी अवस्था में प्रवेश करने के बीच वाले वर्षों को वयःसंधि कहते हैं और ये चंद वर्ष हर व्यक्ति के जीवन में बड़ा परिवर्तन लाने में सक्षम होते हैं क्योंकि विभिन्न हार्मोन्स के प्रभाव से व्यक्तित्व में बहुत संभावित बदलाव होते हैं। इतिहास को देखा जाए तो समाज के कालजयी मार्गदर्शकों ने बौद्धिकता की तरफ जाने के मार्ग भी बताए हैं पर व्यवहार में देखें तो हजारों खिठा पैदा कर चुकी है नस्ल आदम की है सब तस्लीम लेकिन आदमी फिर भी भटकता है।

(खिज़्र = पथप्रदर्शक।
तस्लीम = स्वीकार)

पर बहुत सारे छद्म पथप्रदर्शक जीवन को भ्रष्ट भी करते हैं। आजकल चारों तरफ जो अर्थहीन उत्तेजना का माहौल बना हुआ है उसके पीछे कितने ही व्यक्तिगत स्वार्थ में लिप्त जनहित का चोगा पहने लोगों का ही तो हाथ है। दिशाहीनजन उत्तेजना सूखे जंगल में फैली आग जैसी होती है। वैश्विक स्तर के अध्ययन बताते हैं कि अपने कार्य स्थल पर मध्य वय के लोग ज्यादा हिंसा करते हैं। सामाजिक और राजनीतिक विष वमन भी ये लोग ही अधिक करते हैं। स्कूल में हिंसा किशोरावस्था के आखिरी और युवावस्था के प्रारंभिक समय में ज्यादा की जाती है। यही समूह आत्म हत्याओं में भी अग्रणी होता है। बाहरी हिंसा ही आंतरिक हिंसा की जननी होती है।

अमेरिका के अखबार वॉशिंगटन पोस्ट के अनुसार निर्दोष जन समूह पर गोलियों की बरसात करने वालों में 98 प्रतिशत पुरुष होते हैं जिनमें से 40 प्रतिशत 18 से 29 वर्ष के होते हैं और बाकी 30 प्रतिशत 30 से 45 वर्ष के पाए गए हैं। इनमें से अधिकतर अवसादठास्त और अकेलेपन के शिकार होते हैं और उनको समाज या राष्ट्र में अपना कोई स्थान नजर नहीं आता था इसलिए वे अपने हिसाब से दुनिया को समाप्त करने निकल पड़े थे।

मनोवैज्ञानिक पीटर लंगमन के अनुसार क्षत हुआ पुरुषत्व, असहाय होने का अहसास, शासकीय पक्षपात की अवधारणा आदि मुख्य कारण हैं जिनकी वजह से कोई व्यक्ति अनजान और निर्दोषों की हत्या करता है। इसके अलावा जिन पुरुषों के जीवन में स्त्री का साथ नहीं होता है वे इस कारण अक्सर हिंसक हो जाते हैं। कुछ लोग महज प्रसिद्धि पाने के लिए भी हत्याएं करते हैं। कभी कभी फैंटेसी की दुनियां में पहुंचे लोग भी हत्यारे हो सकते हैं या फिर व्यापक स्तर पर हिंसा फैला सकते हैं। हिंसा के द्वारा वे इतिहास में स्थान बनाना चाहते हैं। पर इतिहास तो साधारणतम लोगों को याद करता है जैसे कबीर, रहीम, सूरदास, रैदास, बाल्मीकि, चोखामेला, नामदेव आदि। बाकी ऐतिहासिक पात्रों की याद समय

डॉ. रामावतार शर्मा

समय पर जब तक सूरज चांद रहेगा टाइप नारे लगा कर दिलवाई जाती है।

सामाजिक सामंजस्य और संपर्क का अभाव, किन्ही बाहरी या अंदरूनी कारणों से बेचैनी, भविष्य का अंधकारमय होना आदि भी किसी व्यक्ति को हिंसक बनने का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा हर हिंसक हत्यारे के पीछे तकरीबन सौ ऐसे लोग होते है जो किसी की हत्या करने की सोचते तो जरूर हैं पर उनका विवेक उन्हें ऐसा करने से रोक लेता है। पर बदलते माहौल में इन सौ में से कितने लोग हिंसा को अपनाएंगे यह एक विचारणीय विषय होना चाहिए। याद रखा जाय कि हिंसा को रोकना ही एक मात्र उपाय है। प्रतिहिंसा तो हिंसा को उर्वरक प्रदान करती है।

लोग अल्पकालीन उद्देश्य पूर्ति के लिए हिंसा का सहारा लेकर आगे बढ़ जाते हैं और पीछे रह जाती हैं तबाहियों की निशानियां जैसा कि कवि दुष्यंत ने कहा था :–

तुम क्या जानो इस आंधी में, कई घरौंदे टूट गए इन असफल निर्मितियों के शव, कल पहचाने जायेंगे।

हिंसा को नियंत्रित करने में हमें विज्ञान का सहारा लेना चाहिए। अमेरिका के मनोरोग विशेषज्ञ डॉक्टर जोनाथन मेट्ज़े का मानना है कि हमें विकसित होते मानव मन का और अधिक अध्ययन करना चाहिए। एक अति महत्वपूर्ण अध्ययन में पता चला है कि हमारे मस्तिष्क का एक भाग होता है जिसे प्री फ्रंटल लोब कहा जाता है। यह हिस्सा निर्णय लेने और उसके परिणामों के बारे में विश्लेषण करता है। इस भाग को पूर्ण विकसित होने में पच्चीस वर्ष लगते हैं यानि पच्चीस साल तक किसी मनुष्य को सामान्य परिस्थितियों में न तो हथियार देना चाहिए, ना विवाह करना चाहिए, न कार और मोटरसाइकिल देनी चाहिए और ना ही वोट देने का अधिकार। उपरोक्त विषयों का गहन प्रशिक्षण तो दिया जा सकता है पर अधिकार पच्चीस साल की उम्र में ही मिलना चाहिए। देखा गया है कि सड़क दुर्घटनाओं में ज्यादातर वाहन चालक युवक ही होते हैं जिन्हे बिना किसी प्रशिक्षण के 18 से 20 वर्ष की उम्र में ड्राइविंग लाइसेंस मिल गया होता है। ध्यान रहे कि कड़े अनुशासन के बावजूद सेना भी अपने सैनिकों को शांति काल में हथियार नहीं रखने देती है।

हालांकि पच्चीस वर्ष की उम्र के बाद वाहन चलाने के अधिकार या मतदान आदि की बात पर बहुमत विरोध जताता नजर आएगा पर सड़कों पर लहराती मोटरसाइकिल, तीव्र गति से दौड़ती कारें, एक तरफा होते मतदान, वैवाहिक हिंसा आदि देखने पर उपरोक्त बातें सार्थक लगेंगी। चीन तथा पश्चिमी और खाड़ी पार के देशों में वाहन चालन का अधिकार जीवन की एक उपलब्धि है, भारत की तरह रिश्वत बटोरने का जरिया नहीं। मानव बम ज्यादातर बालक या युवक होते हैं। हिंसक लोग छोटे बच्चों को केंद्र में रख कर ही पूरी धरती को अशांत करने में लगे रहते हैं। गीली मिट्टी ही मनचाहे रूप में डाली जा सकती है। हर देश का शासक अक्सर बच्चों को संबोधित और बाल अभिमान को पोषित करता है ताकि भविष्य में अनुपालकों की संख्या में वृद्धि हो सके।

अमेरिका के हत्या कांडों के शोधकर्ता जिलियन पीटरसन और जेम्स डेंसले ने अपनी पूरी उम्र स्कूलों में होने वाली हिंसा के अध्ययन को समर्पित की है। उनके निष्कर्ष के आधार पर तरूणावस्था और युवावस्था की वयःसंधि और फिर कुछ युवावस्था का आखिरी दौर एक व्यक्ति का बड़ा महत्वपूर्ण समय होता है। समाज और सरकार यह व्यवस्था स्थापित करे कि जीवन के पहले पच्चीस साल तक शिक्षा का आधार स्वविवेक विकास होना चाहिए वरना यहां बिखरी हुई लाशें, वहां कुछ हैं मकां टूटे किन्ही की किस्मतें फूटी, कई सपने हुए झूठे।

–डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

देश के जज़्बातों की पहली किरण : अयोध्या

देश में पिछले लगभग 1000-1200 वर्षो में जो हो रहा था, इन दिनों इसके ठीक विपरीत अयोध्या में जो चल रहा है, वह ऐतिहासिक है, एक नये भारत की शुरूवात है। अयोध्या में श्री राम का मंदिर निर्माण एक सामान्य मंदिर निर्माण की घटना नहीं है। एक क्रान्तिकारी परिवर्तन है। इसमें इतिहास को पलटने की गुंज है। सोया हुआ सनातन आज चैतन्य है, जागृत है। वो वक्त कुछ अलग था, यह वक्त कुछ अलग है।

इतिहास गवाह है पिछले बारह सौ वर्षो में भारत पर ज्यादातर समय मुगल शासकों ने राज किया। जिनका धन दौलत की लूटपाट एवं जबरन धर्म परिवर्तन के साथ-साथ मंदिरों को ध्वस्त करके, वहीं पर मस्जिद बनाना उनका मुख्य एजेण्डा होता था। परिणामस्वरूप देश में मंदिर ध्वस्त होते गये, मस्जिदें बनती गयी। मुगल शासकों का कारवां तोड़-फोड़ और धर्म परिवर्तन की पटरी पर आगे बढ़ता गया। हिन्दू संस्कृति एवं आस्था के केन्द्र मुगल शासकों की ज्यादती के शिकार होते गये। अंग्रेजों के राज में मंदिरों का ध्वस्त होना जरूर बन्द हो गया था। परन्तु अपने ईसाई धर्म के प्रचार-प्रसार में पूरे लगे हुए रहे। बाहुबल के स्थान पर धनबल के आधार पर धर्म परिवर्तन का कार्य करते रहे और आज भी कर रहे है। देश का पूर्वांचल एवं जनजाति क्षेत्र इसके जीवन्त उदाहरण है। आजादी के बाद भी ईसाई मशीनरीज़ विद्यालयों के माध्यम से देश की भावी पीढ़ी को राष्ट्रीयता और राष्ट्र-प्रेम से शून्य बनाने का काम षड़यंत्र पूर्वक परन्तु सम्मानित तरीके से कर रही है।

हमारा मानना है कि कायदे से तो 1947 में धर्म के आधार पर पाकिस्तान के निर्माण के साथ ही भारत के समस्त मंदिर, मस्जिदों से मुक्त हो जाने चाहिये थे। किसी संसद एवं न्यायालय की आवश्यकता नहीं रहनी चाहिये थी। परन्तु धर्म निरपेक्षता के चोले एवं अल्पसंख्यक मतदाताओं की संख्या ने देश को अशान्ति की भट्टी में झोंक दिया।

हिन्दु बहुसंख्या के आधार पर हिन्दुस्तान बनने पर हिन्दुओं को एक राहत जरूर मिली कि मंदिरों की तोड़-फोड़ बन्द हो गयी। परन्तु दुखद पक्ष यह रहा कि देश में 70 वर्षो की आजादी के

डॉ. कैलाश सोडाणी

बाद भी एक भी ध्वस्त मंदिर के पुर्ननिर्माण का कार्य प्रारम्भ नहीं हो सका। सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के पश्चात् अयोध्या में मंदिर निर्माण के प्रथम अध्याय का शुभारम्भ हुआ। इसलिए यह सामान्य नहीं, एक ऐतिहासिक एवं गौरवशाली शुभारम्भ है। इस सम्बन्ध में दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि मंदिरों को ध्वस्त कर के मस्जिद निर्माण का निर्णय तत्कालीन राजाओं ने किया। किसी न्यायालय का निर्णय नहीं था।

आजादी के अमृत महोत्सव तक की यात्रा पूर्ण करने तक भी इस प्रकार का निर्णय करने की ताकत आज के राजा के पास नहीं है। राजनीति विज्ञान की पुस्तकों में पढ़ाया जाता है कि तलवार की नोक के बल पर बने बादशाहों से तो प्रजातांत्रिक व्यवस्था से निर्वाचित बादशाह ज्यादा ताकतवर होता है। धरातल पर इस स्थिति का देश को इन्तजार है।

अनुभव साक्षी है कि न्यायालयों के भरोसे तो मंदिरों के पुर्ननिर्माण का कार्य सैकड़ों वर्षो तक भी सम्भव नहीं है। इस तकलीफ का कारण यह है कि देश के माननीय न्यायाधीश प्रायः कानून की किताब पढ़ने के बजाय सुबह का अखबार पढ़ कर निर्णय लिखवातें है। सर्वोच्च न्यायालय को इसलिए अयोध्या में राममंदिर निर्माण के निर्णय में इतना समय लग गया। आज निर्णय होना और अब तक नहीं होना कारण स्पष्ट है। मैं अभी हाल ही में अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के प्रबन्ध मण्डल की बैठक में भाग लेने गया, उस समय अयोध्या का भी अवसर मिला। रामलला के दर्शन लाभ के साथ-साथ यह जानकर अत्यन्त हर्ष का अनुभव हुआ कि मंदिर की भव्यता के अनुरूप ही पूरी अयोध्या नगरी को आकर्षक बनाने का काम बड़े जोर-शोर से चल रहा है। रेलवे स्टेशन एवं एयरपोर्ट को सैकड़ों करोड़ रूपये के बजट से अत्याधुनिक बनाये जा रहे है। सरयू नदी के किनारों को अहमदाबाद के साबरमती के रिवर फ्रन्ट की भॉंति आकर्षक बनाया जा रहा है। भारतीय संस्कृति, इतिहास, आयुर्वेद, योगा आदि पर शोध हेतु वैदिक विश्वविद्यालय खड़ा किया जा रहा है।

कुल मिलाकर विज़न यह है कि भव्य राम मंदिर के साथ-साथ अयोध्या को देश और दुनियॉं में एक श्रेष्ठ एवं आधुनिक धार्मिक तथा पर्यटन नगरी के रूप में स्थापित किया जावें। अयोध्या के कायाकल्प से पूरे शहर में हर्ष और उल्लास का वातावरण है। नगरवासियों के चहरे के भावों से ऐसा लगता है जैसे एक लम्बे वनवास के पश्चात् साक्षात भगवान श्री राम पुनः अयोध्या पधार रहे है।

–डॉ. कैलाश सोडाणी,
पूर्व कुलपति,
महर्षि दयानन्द सरस्वती
विश्वविद्यालय, अजमेर

आबकारी-पुलिस विभाग की लापरवाही से पुरातत्व स्थल शराबियों का अड्डा बना

चौरु/उनियारा, (निसं)। उपखंड क्षेत्र का प्रसिद्ध पर्यटक स्थल हाथी भाटा आबकारी-पुलिस विभाग की मेहरबानी से सुरा प्रेमियों का अड्डा बना हुआ है। जिसके चलते हुए सुरा प्रेमी खुलेआम पर्यटन स्थल पर शराब का सेवन कर मौज कर रहे हैं। वहीं पुलिस प्रशासन एवं आबकारी विभाग की कथित अनदेखी एवं उदासीनता के कारण यहा पर सुरा प्रेमियों की मौज हो गई है तथा हाथी भाटा की प्रतिमा के पास ही शराबियों द्वारा खुलेआम शराब की पार्टियां की जा रही है। जिसके कारण पर्यटकों के सामने गंभीर समस्याओं का अंबार लगा हुआ है।

स्थल के मुख्य गेट से महज सौ फीट की दूरी पर ही शराब की दुकान संचालित।

आश्चर्य जनक बात तो यह है कि हाथी भाटा स्थल के मुख्य गेट से महज लगभग एक सौ फिट की दूरी पर ही आबकारी विभाग के अधिकारियों की मेहरबानी से शराब की दुकान संचालित है। सुरा प्रेमी शराब की दुकान से शराब लेते है और मजे से पर्यटक स्थल पर बैठकर शराब की पार्टियां खुल्लेआम करते हैं ।जिन्हें रोकने टोकने वाला कोई नहीं है। पुलिस प्रशासन भी इनके खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय हाथ पर हाथ धरे मूकदर्शक बना हुआ है। इससे पर्यटक स्थल पर आने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड रहा है। कई बार पर्यटक स्थल पर घूमने के लिए आने वाले पर्यटक शराबियों के पार्टियों को देखकर गेट के पास से ही बाहर वापस चले जाते हैं। यह बड़ी दुविधा एवं विडंबना है कि जिले का प्रसिद्ध पर्यटक स्थल आज शराबियों का अड्डा बन गया है और पर्यटकों को बढ़ावा देने के दावे करने वालों पर भी आज सवालियां निशान उठते नजर आ रहे हैं। फिर भी जिम्मेदार मौन साधे हुए हैं?

साइकिल से 26 दिन में 2500 किमी. का सफर तय कर घर लौटा विनीत

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं के एक युवा ने 26 दिनों में 2500 किलोमीटर की साइकिल यात्रा करके करीब पांच राज्यों के विद्यार्थियों को खेलों में भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने का संदेश दिया है। सोमवार सुबह यह युवा झुंझुनूं पहुंचा तो उसका स्वागत किया गया। दरअसल इंडाली गांव का रहने वाला विनीत भालोठिया ओडिसा के भूवनेश्वर की नाइजर कॉलेज में रिसर्च स्कॉलर है। साइकलिंग करना उसका शौक है।

इस बार उसने इस शौक को संदेश में बदलने के लिए तय किया कि वह अपने घर, यानि कि झुंझुनूं साइकिल से जाएगा। इसके बाद उसने एक जून को अपनी साइकिल यात्रा शुरू की। जो पांच राज्यों भूवनेश्वर, झारखंड, बिहार, यूपी और राजस्थान होते हुए आज संपन्न हुई। विनीत का झुंझुनूं पहुंचने पर छात्र नेता पंकज गुर्जर के नेतृत्व में स्वर्ण जयंती स्टेडियम में स्वागत किया गया। इस मौके पर विनीत ने बताया कि वर्तमान माहौल में खेलों को शिक्षा की बजाय कम महत्वत्ता मिल रही है। इसलिए उसने शिक्षा के साथ-साथ खेलों को महत्व मिले। इसी संदेश के साथ यह यात्रा एक जून को शुरू कर 27 जून को

विनीत के घर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया।

पूरी की है। विनीत ने बताया कि इस दौरान ना केवल राह चलते लोगों से वह मिला और खेलों की महत्वत्ता बताई। बल्कि आईआईटी भूवनेश्वर, पटना, बीएचयू, कानपुर और धनबाद में भी पढने वाले युवाओं से रूबरू होकर उन्हें जाना कि वे सबसे अलग क्यों होते है और उनमें खेलों को लेकर क्या रूझान है। जो काफी अच्छा रहा।

ढाबों पर काम करते मिले बच्चे:- विनीत ने बताया कि अब वे अगली राइड चाइल्ड लेबर को रोकने के लिए करेंगे। 2500 किलोमीटर की इस यात्रा के दौरान उसने कई ढ ाबों में बच्चों को काम करते देखा और उनसे बातचीत भी की। लगभग सभी बच्चों ने पढ ने की इच्छा जाहिर की। लेकिन किसी ना किसी मजबूरीवश वे पढ ने की उम्र में प्लेट साफ करते हुए मिले।

मौसम ने नहीं दिया साथ:- विनीत ने बताया कि मौसम ने दूसरे ही दिन अपना रंग दिखाया और साथ नहीं दिया। वह भूवनेश्वर से निकलकर भदरक ओडिसा ही पहुंचा था कि तेज बारिश आने लगी। लेकिन विनीत ने रोज 100 किमी. की राइडिंग जारी रखी।

राशिफल

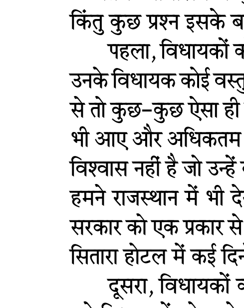

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 28 जून, 2022

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2079, मृगशिरा नक्षत्र सांय 7:05 तक, गंड योग प्रातः 7:47 तक, शकुनि करण प्रातः 5:53 तक, चन्द्रमा मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-मेष, बुध-वृष, गुरू-मीन, शुक्र-वृष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज यमघट योग सांय 7:05 से सूर्योदय तक है। आज चतुरदशी में वृद्धि हुई हैं। आज पितृकार्य अमावस्या है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:05 से 10:47 तक, लाभ-अमृत 10:47 से 2:13 तक। शुभ 3:53 से 5:37 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:39, सूर्यास्त 7:20

मेष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता यथावत बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मिथुन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। महत्वपूर्ण मामलों में परिचितों से सहयोग मिलेगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मन में असंतोष बना रहेगा। मानसिक तनाव बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। अनावश्यक धन खर्च होगा।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके हुए व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

तुला
धार्मिक-सामाजिक समारोह में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अड़चनें दूर होने लगेंगी।

वृश्चिक
शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। शुभ कार्यों को टालना पड़ सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी बनी रहेगी।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य सफल रहेंगे। नवीन कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

मकर
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा।

कुंभ
परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मीन
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 17 संख्याः 81 प्रभात जालोर, मंगलवार 28 जून, 2022 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

अग्निपथ योजना के विरोध में एवं इस योजना को वापस लेने की मांग को लेकर कांग्रेस की टोंक इकाई ने डाक बंगले में स्थानीय विधायक एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के नेतृत्व में एक दिवसीय सत्याग्रह का आयोजन किया। इस सत्याग्रह का आयोजन ए.आई.सी.सी. की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी व पूर्व अध्यक्ष राजीव गांधी के निर्देशानुसार किया गया था। सत्याग्रह में बड़ी संख्या में युवा वर्ग व कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद थे, जिन्हें सचिन पायलट ने संबोधित किया।

'उन्होंने पहले भी मुझे नाकारा और निकम्मा कहा था लेकिन मैं उसका भी बुरा नहीं मानता'

सचिन पायलट ने कहा कि राहुल गांधी ने दिल्ली में मंच से मेरे सब्र की तारीफ की थी। उनके इस बयान से किसी को भी अनावश्यक रूप से परेशान नहीं होना चाहिए और इसको पॉज़िटिव रूप में लेना चाहिए

- **उन्होने कहा कि 2013 के विधानसभा चुनावों में सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस 21 सीटों पर सिमट गई थी, अगर एक विधायक और कम रहता तो नेता प्रतिपक्ष का दर्जा भी नहीं मिलता। उसके बाद हमने विपक्ष में रहते हुए 5 साल खूब फील्ड में रगड़ाई खाई और उसी के दम पर फिर से हमारी सरकार सत्ता में लौटी।**
- **हमारा प्रयास यह है कि, जिन लोगों ने सरकार बनाने में अपना खून पसीना बहाया था उन लोगों को सत्ता और संगठन में सम्मान मिलना चाहिए।**

टोंक, 27 जून (निसं)। सचिन पायलट पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से दिए गए बयान के बाद अब पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने सीएम गहलोत के बयान पर पलटवार किया है। पायलट ने कहा कि "अशोक गहलोत मेरे लिए पिता तुल्य हैं, वे बुजुर्ग एवं अनुभवी हैं, उनकी बातों का मैं बुरा नहीं मानता हूं। उन्होंने पहले भी मुझे नाकारा और निकम्मा कहा था लेकिन मैं उसका भी बुरा नहीं मानता।"

सचिन पायलट ने आज टोंक में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि "कौन क्या कह रहा है इससे मुझे फर्क नहीं पड़ता। हमारा प्रयास यही है कि साल 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी फिर से सरकार कैसे बनाए। उन्होंने कहा कि 2013 के विधानसभा चुनाव में सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस पार्टी 21 सीटों पर सिमट गई थी अगर एक विधायक और कम रहता तो नेता प्रतिपक्ष का दर्जा भी नहीं मिलता। उसके बाद हमने विपक्ष में रहते हुए फिल्ड में 5 साल खूब रगड़ाई की और उसी के दम पर हमारी सरकार सत्ता में लौटी। हमारा प्रयास यही है कि जिन लोगों ने सरकार बनाने में अपना खून पसीना बहाया था, उन लोगों को सत्ता और संगठन में सम्मान मिलना चाहिए। राहुल गांधी ने दिल्ली में मंच से मेरे सब्र की तारीफ की थी। उनके इस बयान से किसी को भी अनावश्यक रूप से परेशान नहीं होना चाहिए और इसको एक पॉजिटिव रूप में लेना चाहिए। अगर किसी को तकलीफ हो रही है तो मैं क्या कर सकता हूं। उन्होंने कहा कि अब लोगों को परेशानी इतनी बढ़ गई है कि वह बोलते भी हैं तो इससे हमें फर्क नहीं पड़ता है।"

सचिन पायलट ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का नाम लेते हुए कहा कि "गजेंद्र सिंह शेखावत केंद्र में इसलिए मंत्री बन पाए क्योंकि हम सत्ता में होने के बावजूद उनके सामने लोकसभा का चुनाव हार गए। यह हमसे चूक हुई है अगर हम लोकसभा चुनाव में कामयाब हो जाते तो शेखावत केंद्र में मंत्री नहीं बन पाते।

पायलट ने कहा कि अगले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी जोधपुर से चुनाव जीतेगी, जो चूक हमसे पहले हो गई थी इस बार वह चूक नहीं होगी और इस बार गजेंद्र सिंह को चुनाव हराएंगे। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हाल ही में सरकार गिराने की साजिश में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और सचिन पायलट के आपस में मिले होने का आरोप लगाया था। जिला प्रवक्ता जर्रार खान ने बताया कि इस अवसर पर संगठन जिला प्रभारी महेन्द्र सिंह खेडी, विधानसभा पर्यवेक्षक राजेश चौधरी, जिलाध्यक्ष लक्ष्मण चौधरी गाता, सभापति अली

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रूस दिवालिया होने के कगार पर, 100 मिलियन डॉलर के कर्ज़ का ब्याज़ नहीं चुका पाया

भारत ने सबसे अमीर देशों के साथ मंच पर उसी दिन शिरकत की, जिस दिन वर्ष 2014 में रूस को जी-7 से निकाला गया था

- **रूस के वित्त मंत्री ने आनन फानन में स्पष्टीकरण दिया कि भुगतान में कोई चूक नहीं हुई है, देश के पास पर्याप्त रिज़र्व है, हालांकि अभी वह फ्रीज़ है।**
- **सोमवार को जब जी-7 की बैठक चल रही थी और बैठक में यूक्रेन को रूस के खिलाफ जंग में पूर्ण समर्थन का एलान किया गया, तो तिलमिलाए रूस ने यूक्रेन पर और भी जबर्दस्त हमला बोला।**

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जून। भारत दुनिया के सर्वाधिक समृद्ध देशों की जमात में शामिल हो गया है, लेकिन इसी दिन रूस अपने विदेशी ऋणों के बकाया ब्याज के भुगतानों में चूक कर गया। उल्लेखनीय है कि रूस को वर्ष 2014 में ही विश्व के सर्वाधिक समृद्ध देशों के गुट से निष्कासित कर दिया गया था।

यह दो घटनाएं विश्व की बदलती व्यवस्था को विरोधाभासी रूप से सामने लाती है। भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का कठोरता से पालन करने के बावजूद कई अन्य प्रतिस्पर्धियों पर भारी पड़ना शुरू हो गया है। कई वैश्विक व सामरिक घटनाक्रमों के बीच, सोमवार एक विलक्षण घटना का साक्षी बना।

बोल्शेविक क्रांति के बाद हुए प्रथत विश्व युद्ध के दौरान वर्ष 1918 के बाद से रूस ने अपने विदेशी ऋणों के भुगतान में पहली बार चूक की है।

रूस सौ मिलियन डॉलर ऋण के बकाया ब्याज का भुगतान करने में विफल हो गया, जो बाह्य भुगतान लेखा के आर्थिक दिवालिया होने का संकेत देता है। विदेशी ऋणों की अदायगी में अक्षमता की यह एक प्रतीकात्मक घटना है। रूस के केन्द्रीय बैंक के विदेशी विनिमय भण्डारोंमें 6 सौ बिलियन डॉलर से कम की रकम नहीं है, लेकिन उसका समूचा विदेशी मुद्रा भण्डार पश्चिमी देशों के बैंकां में और वैस्टर्न ट्रेज़री बॉण्ड्स के रूप में है, जिसे फ्रीज़ किया जा चुका है। परिणाम स्वरूप रूस की अपने ही फण्ड्स तक पहुंच नहीं है और ऋणों का ब्याज अदा ना करने को लकर उसे अपमानित होना पड़ा।

रूस के वित्त मंत्री ने तुरन्त प्रभाव से स्पष्ट कियाकि देश के पास पर्याप्त मात्रा में विदेशी मुद्रा भण्डार है, लेकिन वह सारा फ्रीज़ पड़ा है।

जर्मनी के बावेरियन जंगलों में स्थित एक भव्य किले में सर्वाधिक अमीर देशों की हुई शिखर वार्ता में इसी दिन इन देशों द्वारा भारत का सम्मान किया गया।

जर्मनी में जी-7 देशों की मीटिंग में भारत को जलवायु संरक्षण व अक्षुण्ण विकास पर आयोजित एक कॉन्फ्रैंस में संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया गया था। रूस ने एक उपेक्षापूर्ण मूड में इस दिन यूक्रेन पर जबर्दस्त बमबारी की, जबकि इस दौरान जी-7 देशों की मीटिंग चल रही थी जिसमें रूस के साथ यूक्रेन के युद्ध प्रयासों को पूरा समर्थन व्यक्त किया जा रहा था।

रूस ने बदले की कार्रवाई में कई शहरों को तबाह कर दिया और यूक्रेन की राजधानी कीव के कई अर्पाटमैन्ट्स में मिसाइलें दागीं। बताया जाता है कि इसमें कई लोग मारे गए।

जी-7 देशों ने जब तक जरूरत पड़े तब तक के लिए यूक्रेन को अत्याधुनिक हथियारों की सप्लाई सहित सैन्य और वित्तीय सहयोग का वादा किया। अमेरिका ने यूक्रेन को 40 बिलियन डॉलर की सैन्य व वित्तीय मदद को मंजूरी दी है। इसने लाँग रेंज मिसाइल्स जैसे वैपन सिस्टम शामिल हैं।

महत्वपूर्ण यह है कि क्रीमिया पर आक्रमण के बाद रूस को वर्ष 2014 में जी-7 देशों के गुट से बाहर कर दिया गया था। उसके बाद से वह दुनिया के सबसे अमीर देशों के बीच तुच्द बना हुआ है। रूस ने हमेशा से यूरोप का एक आंतरिक हिस्सा बनने का प्रयत्न किया था और जी-7 से निष्कासन ने उसके विचार को तगड़ा झटका दिया।

रूस से तेल खरीदने को लेकर जी-7 देशों से भारत के मतभेदों के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी जी-7, शिखर सम्मलेन की मेजबानी कर रहे जर्मनी के आमंत्रण पर वहां के दौरे पर हैं। सात देश, नामतः अमेरिका, यू.के., फ्रांस, इटली, जर्मनी, कैनेडा और जापान विश्व के मामलों और सतत विकास को लेकर प्रति वर्ष चर्चा करते हैं।

स्मरणीय है कि भारत ने पिछले सप्ताह ही चीन की मेजबानी में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन में भाग लिया था। ब्रिक्स ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का एक कमजोर अनौपचारिक ग्रुप है। इसकी वार्ता वर्चुअल हुई, लेकिन स्पष्ट था कि आक्रमण मुद्दे पर भारत की राय रूस और चीन की भांति जी-7 देशों के जैसी नहीं थी। भारत ने एक सार्वभौमिक राष्ट्र पर सैन्य हमले का विरोध किया था।

इस तरह से भारत को प्रतिद्वंदी कूटनीतिक एवं सामरिक गुटबंदी के बीच एक महत्वपूर्ण संतुलित भूमिका निभानी है और साथ ही अपने मुख्य राष्ट्रीय हितों का भी ध्यान रखना है।

पिता की सुप्रीम कोर्ट से गुहार

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जून। कश्मीर के मोहम्मद लतीफ माग्रे ने नवम्बर 2021 में हैदरपुरा में पुलिस मुठभेड़ में मारे गए अपने बेटे के दफन शव को निकालने की मांग सोमवार को छोड़ दी।

उन्होंने 27 मई को एकल न्यायाधीश की बैंच द्वारा दी गई अनुमति पर रोक लगाने वाली जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय की एक डिवीज़न बैंच

- **कश्मीरी पिता ने बेटे का दफन शव निकाले जाने की मांग छोड़ी, पर अंतिम संस्कार की अनुमति मांगी।**

के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

उनके वकील ने अदालत में कहा कि वह अब अपने बेटे का शव नहीं चाहते, जो उनकी पहली प्रार्थना थी, लेकिन उनकी दूसरी प्रार्थना के अनुसार उनके परिवार को अंतिम संस्कार करने की अनुमति दी जाए।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे.बी. परदीवाल की बैंच ने उनसे कहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विपक्ष के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने नामांकन भरा

नामांकन पत्र भरते समय उनके एक तरफ एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार और दूसरी तरफ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी खड़े नज़र आए

- **इस अवसर पर कई अन्य दलों के नेता भी मौजूद थे, पर दो प्रमुख विपक्षी दलों, आम आदमी पार्टी और झारखंड मुक्ति मोर्चा ने अपने प्रतिनिधि नहीं भेजे। शिव सेना का प्रतिनिधि भी नहीं था क्योंकि पार्टी महाराष्ट्र में आंतरिक संकट से जूझ रही है।**
- **सिन्हा को अंतिम क्षणों में बड़ा सहारा मिला, जब सोमवार सुबह तेलंगाना राष्ट्र समिति के प्रमुख के. चन्द्रशेखर राव ने सिन्हा को समर्थन देन की घोषणा की, हालांकि उन्होंने पूर्व में प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया और कांग्रेस के साथ मंच साझा करने पर आपत्ति जताई थी।**

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जून। विपक्ष की एकता के प्रदर्शन के अन्तर्गत, संयुक्त विपक्ष के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवन्त सिन्हा ने आज कई विपक्षी नेताओं की मौजूदगी में अपना नामांकन कर दिया। उनके एक तरफ नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार तो दूसरी बगल में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी खड़े हुये थे।

राहुल गांधी ने कहा, "हम समर्थन तो एक व्यक्ति का कर रहे हैं लेकिन वास्तविक लड़ाई दो विचारधाराओं के बीच है। एक विचारधारा आर.एस.एस. की है, जो शोध और नफरत की विचारधारा है, तथा दूसरी विपक्षी दलों की है जो एकजुट होकर खड़े हुये हैं तथा जो करूणा की विचारधारा है।

इसी भावना को अपने शब्दों में दोहराते हुये, सिन्हा ने इस राष्ट्रपति चुनाव को "निरंकुश सत्ता की विचारधारा और स्वतंत्रता की विचारधारा के बीच की लड़ाई" बताया।

जब 84-वर्षीय पूर्व केन्द्रीय मंत्री यशवन्त सिन्हा ने 14 विपक्षी दलों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चर्च

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो

नई दिल्ली, 27 जून। चर्चों और ईसाई पादरियों पर बढ़ रहे कथित हमलों के विरोध में दायर एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आदेश दिया कि उक्त याचिका को 11 जुलाई के लिए लिस्ट किया जाए। कोर्ट के ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद नियमित सुनवाई 11 जुलाई में ही शुरू होगी।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस

- **इन धार्मिक स्थलों पर आक्रमण से संबंधित याचिका को ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद पहले दिन सुनेगा सुप्रीम कोर्ट।**

जे.बी. पार्दीवाला की एक बैंच सीनियर एडवोकेट कोलिन गोन्जाल्वेस द्वारा इसका जिक्र किए जाने पर सुनवाई को सहमत हो गई। उन्होंने शिकायत की कि देश में प्रत्येक माह औसतन 45 से 50 हिंसक हमले होते हैं। मई माह में ही इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शिंदे सेना को रिलीफ मिली सुप्रीम कोर्ट से

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र संकट पर अगली सुनवाई के लिए 11 जुलाई की तारीख दी

- **जस्टिस सूर्यकांत एवं जे.बी. पारदीवाला की अवकाश बैंच ने शिव सेना के बागी विधायकों की याचिका पर डिप्टी स्पीकर नरहरि ज़िरवाल को नोटिस जारी किया।**
- **बैंच ने ज़िरवाल से कहा कि आपके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लम्बित है, इसलिए जल्दबाजी करने के अवांछित नतीजे हो सकते हैं।**
- **कोर्ट ने एकनाथ शिंदे और अन्य बागियों से कहा है कि वे 12 जुलाई को डिप्टी स्पीकर के नोटिस का जवाब दें, गौरतलब है कि डिप्टी स्पीकर ने बागियों को नोटिस जारी कर सोमवार शाम तक जवाब मांगा था।**
- **सभी पार्टियों से 5 दिन में जवाबी हलफनामा दायर करने के लिए कहा गया है और शिंदे कैम्प को इन जवाबी शपथ पत्रों पर जवाब देने के लिए तीन दिन का समय मिल गया है।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जून। शिवसेना के विद्रोही विधायकों की याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र विधानसभा के उपसभापति नरहरि जिरवाल को नोटिस जारी किया, लेकिन साथ ही यहां के राजनीतिक संकट के किसी त्वरित समाधान से भी परहेज किया। कोर्ट ने केस की अगली सुनवाई 11 जुलाई को नियत की है, जब ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद अदालती कामकाज शुरू होगा।

जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जे.बी. पार्दीवाला ने विधानसभा उपाध्यक्ष से कहा कि कि उनके खिलाफ एक अविश्वास प्रस्ताव पहले से ही लम्बित है, अतः किसी भी प्रकार की जल्दबाजी अंवाछित परिणामों को जन्म दे सकती है। उपाध्यक्ष सोमवार सायं 5.30 बजे विद्रोही विधायकों के मामलों पर निर्णय देने वाले थे।

ज़िरवाल शरद पवार की नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के नेता हैं तथा उनके पास उसी समय से विधानसभा स्पीकर अधिकार हैं, जब कांग्रेस नेता नाना पटोले, जो एम.वी.ए. गठबन्ध के सत्ता में आने के बाद विधानसभा अध्यक्ष चुने गये थे, न 2020 में कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त कर दिये जाने के बाद, उन्होने स्पीकर पद से त्याग पत्र दे दिया था। इस प्रकार, कांग्रेस ने स्पीकर पद खाली कर दिया था। ज़िरवाल 4 फरवरी, 2021 से स्पीकर नामज़द कर दिये गये हैं।

एक अन्तरिम दिशा-निर्देश देते हुये, अदालत ने एकनाथ शिन्दे तथा अन्य विद्रोही विधायकों को 12 जुलाई शाम 5.30 बजे तक की मोहलत दे दी तथा कहा कि डिप्टी स्पीकर के डिसक्वालिफिकेशन नोटिसों पर रिट याचिका में अपने अधिकारों के पूर्वाग्रह बिना "अपना जवाब उस तिथि तक प्रस्तुत कर दें। ज्ञातव्य है कि इससे एक दिन पूर्व, अदालत इस मामले की सुनवाई कर लेगी। डिप्टी स्पीकर ने उन्हें अपना प्रस्तुत करने के लिये सोमवार सायं 5.30 तक का समय दिया था।

डिप्टी स्पीकर की ओर से प्रस्तुत हुये वरिष्ठ वकील राजीव धवन ने अदालत को आश्वस्त किया कि इस प्रकरण की सुनवाई की अगली तारीख तक, विद्रोही विधायकों की डिसक्वालिफिकेशन पर कोई कार्यवाही भी की जायेगी।

सभी पक्षों को कह दिया गया है कि वे पाँच दिन के अन्दर काउन्टर ऐफिडेविड प्रस्तुत कर दें तथा शिन्दे गुट के जवाबी शपथ पत्र के जवाब देने के लिये तीन दिन का समय दिया गया है।

शीर्ष अदालत उस अर्जेन्ट याचिका की सुनवाई कर रही थी, विद्रोही नेता एकनाथ राव शम्भाजी शिन्दे ने डिप्टी स्पीकर के खिलाफ दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि उन्हें तथा 15 विद्रोही विधायकों को दलबदल-विरोधी कानून के तहत डिसक्वालिफाई करने के लिये शिवसेना द्वारा भेजे गये नोटिस पर कार्यवाही की जाये। अदालत के समक्ष एक और भी याचिका थी, जिसमें डिप्टी स्पीकर के उस निर्णय को चुनौती दी गई थी, जिसके तहत शिन्दे के स्थान पर, शिवसेना के ग्रुप लीडर के रूप में अजय चौधरी को मान्यता प्रदान कर दी हैं।

शिन्दे तथा 15 अन्य विद्रोहियों को डिसक्वालिफाई करने के लिये भेजे गये नोटिसों को चुनौती देने के लिये शिन्दे तथा विद्रोही विधायकों द्वारा दायर की गई याचिकाओं पर सेना के चीफ व्हिप सुनील प्रभु तथा विधायक दल के नेता अनिल चौधरी को भी नोटिस जारी कर दिये गये अदालत ने डिप्टी स्पीकर से यह भी कहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अम्बानी को सिक्युरिटी क्यों'

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जून। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को केन्द्र सरकार की अपील पर चर्चा होगी, जो उद्योगपति मुकेश अम्बानी और उनके परिवार को ज़ैड प्लस सुरक्षा दिए जाने को चुनौती देने वाली याचिका के विरोध में दर्ज की गई है।

त्रिपुरा हाई कोर्अ ने एक जनहित याचिका स्वीकार की है जिनमें महाराष्ट्र सरकार द्वारा अम्बानी परिवार को सुरक्षा

- **त्रिपुरा हाई कोर्ट ने इस संबंध में दायर याचिका स्वीकार की, जिसे केन्द्र ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी।**

देने को चुनौती दी गई है। केन्द्र ने त्रिपुरा हाई कोर्ट द्वारा याचिका स्वीकार किए जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की है। और कहा कि एक परिवार को सुरक्षा देना जनहित का मुद्दा नहीं है।

अपील में याचिकाकर्ता के स्थान को चुनौती दी गई है और कहा गया है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेसजनों ने 'अग्निपथ' योजना के विरोध में सत्याग्रह धरना-प्रदर्शन किया

सार्वजनिक स्थान के बजाय सार्वजनिक निर्माण विभाग के सरकारी डाक बंगले में कार्यक्रम कर नियमों की उड़ाई धज्जियां

मालपुरा, (निसं)। केन्द्र सरकार द्वारा लागू की गई 'अग्निपथ' योजना को वापस लेने की मांग को लेकर सोमवार को मालपुरा में कांग्रेसजनों ने प्रदेश में कांग्रेस की सरकार होने का दबाव बना सार्वजनिक स्थान के बजाय सार्वजनिक निर्माण विभाग के सरकारी डाक बंगले में सत्याग्रह व धरना प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित कर नियम कायदों की खुले आम धज्जियां उड़ाई। नियम कायदों की खुलेआम अवहेलना के बावजूद ना तो पीडब्ल्यूडी और ना ही स्थानीय प्रशासन द्वारा उनके विरूद्ध कानूनी कार्यवाही अमल में लाई गई।

नियमानुसार केन्द्र व राज्य सरकार के मंत्रियों, सांसद व विधायक सहित प्रशासनिक अधिकारियों के ठहरने एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों से अल्प समय में चर्चा व मीटिंग के लिए डाक बंगलों का निर्माण करवाया गया था। इनकी मॉनिटरिंग का जिम्मा पीडब्ल्यूडी को सौंपा गया। किसी भी पार्टी के बैनर तले आयोजित होने वाले धरना प्रदर्शन व सभा का आयोजन पब्लिक पैलेस पर ही किये जाने की प्रशासन द्वारा स्वीकृतियां जारी किये जाने का प्रावधान है लेकिन सोमवार को कांग्रेसजनों ने नियम कायदों को ताक में रख प्रदेश में कांग्रेस की

मालपुरा शहर के सरकारी डाक बंगले में कांग्रेस के बैनर तले धरना प्रदर्शन का आयोजन हुआ।

सरकार होने का रौब दिखा सरकारी डाक बंगले में सभा व धरना प्रदर्शन सत्याग्रह का आयोजन किया।

मामले को लेकर पीडब्ल्यूडी एक्सईएन आरडी मीणा से जानकारी चाहने पर उन्होंने डाक बंगले में धरना प्रदर्शन कार्यक्रम के आयोजन को लेकर पूर्ण अनभिज्ञता जता जेईएन पर जिम्मेदारी थोप पल्ला झाड लिया तो एईएन अमन चौधरी ने बताया कि कांग्रेस संगठन की ओर से डाक बंगले में सत्याग्रह व धरना प्रदर्शन किये जाने को लेकर कोई प्रार्थना पत्र नहीं दिया गया है और ना ही डाक बंगले में पार्टी विशेष के बैनर तले इस प्रकार के आयोजनों की स्वीकृति दी जाती है। महज विकास कार्यों पर अधिकारियों के साथ चर्चा की डाक बंगले में स्वीकृति दिये जाने का प्रावधान है। कांग्रेसजनों द्वारा आज नियमों के विपरीत जो कार्यक्रम किया उसकी जांच करवाई जायेगी।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर आयोजित सत्याग्रह कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष को भीड़ जुटाने में पसीना आने के बावजूद भीड़ नहीं जुटी तो शहर में संचालित डिफेंन्स एकेडमियों के युवाओं को कार्यक्रम स्थल पर बुलाया गया। यहां तक की सभास्थल पर मौजूद कई युवाओं से कार्यक्रम में शामिल होने को लेकर बात की गई तो उन्होंने बताया कि कार्यक्रम व धरना प्रदर्शन किस बात

- **गुटबाजी के चलते भीड़ जुटाने में आया पसीना**
- **डिफेंन्स एकेडमियों के युवाओं की भीड़ जुटा किया सत्याग्रह**

को लेकर किया जा रहा है इससे हमे सरोकार नहीं हमे तो 300 रूपये देने की बात कहकर यहां बुलाया गया है। युवाओं की इन बातों से तथा कांग्रेसियों की कार्यक्रम से बनी दूरियों से संगठन में गुटबाजी तथा जमीनी स्तर पर मालपुरा ब्लॉक में कांग्रेस संगठन की कमजोरी खुलकर सामने आई है।

यू तो स्थानीय प्रशासन किसी भी धार्मिक व सामाजिक सहित राजनैतिक कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर धारा 144 की पालना सहित कई प्रकार के नियम कायदों का हवाला दिया जाता है लेकिन सोमवार को सरकारी डाक बंगले में हुई नियमों की अनदेखी को लेकर प्रशासन की ओर से चुप्पी सादे रहना शहर मे चर्चा का विषय बना रहा।

वन विभाग के कर्मचारियों पर हमला कर अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली छुड़ाई

हमले में गंभीर घायल होने पर वनकर्मी यादराम जाट को जयपुर रैफर किया

पावटा, (निसं)। वन विभाग कोटपुतली रेंज अन्तर्गत भूरी भडाज क्षेत्र में शनिवार की सुबह गस्त के दौरान अवैध बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को नाका वन विभाग कर्मचारियों द्वारा पकड़ने पर माफिया वन विभाग कर्मचारियों पर हमला कर ट्रैक्टर ट्रॉलियों को छुड़ा कर ले गए। घटना में घायल कर्मचारी यादराम जाट को पावटा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जयपुर रैफर कर दिया गया। वहीं वन विभाग अधिकारियों द्वारा वन विभाग की टीम से झड़प करने और अवैध खनन में शामिल होने पर तीन नामजद व अन्य अज्ञात लोगों के विरुद्ध वन अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

घायल वनरक्षक यादराम।

वन विभाग कोतपुतली रेंजर सीताराम ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर बुचारा नाका प्रभारी हरदान गुर्जर, वनरक्षक खेताराम, वनरक्षक यादराम जाट, वनरक्षक भीरु सिंह जाट, पंप चालक बिहारीलाल वृक्षारोपण स्थल भूरी भडाज पहुंचे। वहां राम सिंह गुर्जर निवासी मोलाहेडा, मनोज गुर्जर निवासी मोलाहेडा, रामस्वरूप गुर्जर निवासी ढाणी इबडा वाली द्वारिकपुरा ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में बजरी भर रहे थे। उक्त व्यक्तियों के ट्रैक्टरों को पकड़कर वन विभाग की चौकी पर ले जा रहे थे।

तभी उक्त लोगों ने फोन कर 15-20 लोगों को घटनास्थल पर बुला लिया तथा सभी एक राय होकर वन विभाग कर्मचारियों पर पथराव व उनके साथ मारपीट कर ट्रैक्टर मय ट्रॉलियों को जबरदस्ती छुड़ा ले गए। वहीं वनरक्षक यादराम जाट को घसीटते हुए ले गए व एकांत में ले जाकर मारपीट की जिसमें वनरक्षक यादराम जाट गंभीर रूप से घायल हो गया। वन विभाग ड्राइवर कर्मचारियों पर हमला होते देख उनको अकेला छोड कर गाडी भगा ले गया जो कि संदेह की श्रेणी में आता है। इस दौरान वनकर्मियों ने प्रागपुरा थाने में इसकी सूचना दे दी। पुलिस को मौके पर पहुंचते ही अवैध खननकर्ता भाग गए।

कृषि उपज मंडी सचिव एवं दलाल 10 हजार रु. रिश्वत लेते गिरफ्तार

आवास एवं अन्य ठिकानों की तलाशी जारी

सचिव अमर चंद सैनी

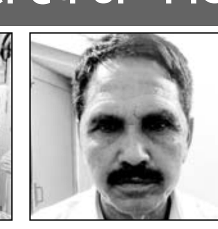

गार्ड किशोर कुमार

जयपुर, (निसं)। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर जयपुर ग्रामीण इकाई द्वारा कार्यवाही करते हुये अमर चंद सैनी सचिव, कृषि उपज मंडी समिति, चौंमू जिला जयपुर एवं दलाल किशोर कुमार खटीक सुरक्षा गार्ड ठेकाकर्मी को परिवादी से 10 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि ए.सी.बी. की जयपुर ग्रामीण इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि कृषि उपज मंडी में दुकान के व्यवसाय में पाटर्नर बनवाने की एवज में अमर चंद सैनी, सचिव, कृषि उपज मंडी समिति, चौंमू जिला जयपुर द्वारा अपने दलाल किशोर कुमार खटीक सुरक्षा गार्ड ठेकाकर्मी के माध्यम से 20 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है।

जिस पर एसीबी जयपुर ग्रामीण इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आहद खान के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर पुलिस निरीक्षक नीरज भारद्वाज एवं उनकी टीम द्वारा ट्रेप कार्यवाही करते हुये दलाल किशोर कुमार खटीक पुत्र नंदराम निवासी वार्ड नं. 39, तहसील व थाना चौंमू, जिला जयपुर हाल सुरक्षा गार्ड ठेकाकर्मी कृषि उपज मंडी समिति, चौंमू जिला जयपुर को अमर चंद सैनी पुत्र भैरूराम सैनी निवासी ग्राम थोई, श्रीमाधोपुर, जिला सीकर हाल निवासी म.नं. 69, कृष्णानगर, सिरसी रोड, जयपुर हाल सचिव, कृषि उपज मंडी समिति, चौंमू जिला जयपुर के लिये परिवादी से 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि आरोपियों द्वारा परिवादी से पूर्व में ही 32 हजार रुपये रिश्वत के रूप में वसूल कर चुके थे। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एम.एन. के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

कांस्टेबल 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार, आवास व अन्य ठिकानों की तलाश जारी

जयपुर, (निसं)। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर जयपुर नगर द्वितीय इकाई द्वारा सोमवार को अलवर में कार्यवाही करते हुये सहीराम कांस्टेबल पुलिस थाना कोतवाली, अलवर शहर को परिवादी से 25 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि ए.सी.बी. की जयपुर नगर द्वितीय इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसके पुत्रों के विरूद्ध पुलिस थाना कोतवाली अलवर में दर्ज एस.टी.एस.सी. के प्रकरण जिसकी जांच उप अधीक्षक पुलिस एस.टी./एस.सी. सैल अलवर कर रहे हैं, में एफआर लगवाने की एवज में सहीराम कांस्टेबल पुलिस थाना कोतवाली अलवर शहर द्वारा 50 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है।

कांस्टेबल सहीराम

जिस पर एसीबी जयपुर नगर द्वितीय के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजपाल गोदारा के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर उप अधीक्षक पुलिस अभिषेक पारीक एवं उनकी टीम द्वारा अलवर में ट्रेप कार्यवाही करते हुये सहीराम पुत्र शिब्बासिंह निवासी डीग जिला भरतपुर हाल कांस्टेबल पुलिस थाना कोतवाली अलवर शहर को परिवादी से 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एम.एन. के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

बरसात नहीं होने से किसान चिंतित

निवाई, (निसं)। तेज धूप एवं उमस से लोग परेशान होने के साथ ही बरसात नहीं होने से किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीरें दिखने लगी हैं। बरसात नहीं होने से किसानों को खेतों में बोई हुई फसलें नष्ट होने का भय बना हुआ है। किसान नेता मांगीलाल गुर्जर ने बताया कि एक सप्ताह पहले हुई बरसात को देखकर किसानों ने खेतों में ज्वार, बाजरा, उडद, मूंगफली, तिल, अरहड़ व मूंग सहित कई प्रकार की फसलें की बुआई कर दी। लेकिन बरसात नहीं होने से बोई हुई फसलों को नष्ट होने की संभावना होने से किसान चिंतित हैं। बरसात के लिए गांवों में किसानों द्वारा कई धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है।

सम में रिसोर्ट मालिकों को नहीं मिलता नहरी पानी

जैसलमेर, (निसं)। पर्यटन मानचित्र में विश्व प्रसिद्ध सम के धोरों में पेयजल की सरकारी व्यवस्था नहीं है। सेंड ड्यूंस में स्थित सैंकड़ों रिसोर्ट मालिकों को महंगे भाव से टैंकर का पानी मंगवाना पड़ता है। ज्ञात रहे कि जलदाय विभाग द्वारा सम गांव के ग्रामीणों को नहर का मीठा पानी उपलब्ध करवाया जा रहा है। फिर भी सेंड ड्यूंस एरिया पानी के लिए तरस रहा है।

जैसलमेर का सम सेंड ड्यूंस इलाका सैलानियों की सबसे पसंदीदा जगहों में से एक है। हर साल 5 लाख से भी ज्यादा देसी-विदेशी सैलानी इन रेतीले टीलों का रुख करते हैं। जलदाय विभाग के एसई दिनेश नागोरी ने बताया कि सम गांव में पानी के लिए पाइप लाइन है। लेकिन रिसोर्ट की तरफ नहीं है। उन्होंने बताया कि हमने रिसोर्ट संचालकों को कहा है कि वे डिमांड हमें दे ताकि हम प्लान बनाकर सरकार को भेज सकें। प्लान मंजूर हो जाता है तो इनको इंदिरा गांधी नहर योजना से जोड़ देंगे ताकि इनको मीठा पानी मिल जायेगा।

कांग्रेस के धरने में अग्निपथ स्कीम के फायदे बताने पहुंचे युवक की पिटाई

झुंझुनूं, (निसं)। जिला मुख्यालय पर कांग्रेस के प्रदर्शनों में इनदिनों सबकुछ अच्छा नहीं हो रहा। सोमवार को प्रदेशव्यापी आव्हान पर झुंझुनूं कलेक्ट्रेट पर अग्निपथ स्कीम के खिलाफ चल रहे धरने में लात-मुक्के चल गए। दरअसल कांग्रेस का धरना चल रहा था। उसी दरमियान वहां पर लोहसना के जगदीप सिंह आया और उसने भी स्कीम को लेकर अपनी बात रखने की परमिशन मांगी। कांग्रेस नेताओं ने उसे परमिशन देकर माइक संभलवा दिया। लेकिन युवक ने अग्निपथ स्कीम के फायदे बताने शुरू कर दिए। तो कांग्रेस नेता सकपका गए। इसके बाद जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री खलील बुडाना ने पहले तो युवक से माइक छीना। इसके बाद उसकी धुनाई कर दी।

युवक ने भागकर अपनी जान बचाई। आपको बता दें कि इससे पहले भी ईडी की कार्रवाई के खिलाफ जब कांग्रेस नेताओं ने कलेक्ट्रेट पर धरना दिया था। तो एक मंदबुद्धि युवक ने आकर भाजपा जिंदाबाद के नारे लगा दिए थे। जिसे भी नवलगढ़ से कांग्रेस पार्षद लोकेश जांगिड़ ने जमकर पीटा था। इस युवक ने पत्रकारों को बताया कि वह अग्निपथ योजना से खासा प्रभावित है और वह इसका समर्थन करता है। उसने धरने पर अग्निपथ लिखा देखा तो इसके फायदे में बोलना चाहता था। मैंने वहां पूछा कि मैं बोलना चाहता हूं और जैसे ही वह माइक से अग्निपथ योजना के फायदे के बारे में बोलने लगा पीछे से उसके साथ बैठे लोग आग बबूला हो गए और उसके साथ हाथापाई की। इसलिए भाग गया। इधर, खलील बुडाना ने बताया कि बच्चे के साथ किसी तरीके की मारपीट नहीं की गई। उसे पूरा मामला समझ में नहीं आया। इसलिए वह माइक पर ऐसा बोल गया। हमारा बच्चा हमारा ही है। उसे समझ में नहीं आया इसलिए यह सारा मामला हो गया। लेकिन कोई मारपीट जैसी बात नहीं हुई। फिर हमने बच्चे को समझाइश कर के वहां से दूर भेज दिया था। पर इस घटना ने राजनैतिक रंग ले लिया है और भाजपा नेता हमलावर हो गए है। भाजपा नेता व भाजपा के राष्ट्रीय परिषद सदस्य विश्वंभर पूनियां ने कहा कि झुंझुनूं में जिस तरह की घटना हुई वह कांग्रेस के बौखलाहट का कारण है। उस युवा ने सच बात बताई और सच बात कांग्रेस को पचती नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कोई भी अच्छी स्कीम कांग्रेस को अच्छी नहीं लगती है और आज भी वही हुआ। जो युवा ने सच कहा। वो धरने के दौरान कांग्रेसियों बर्दाश्त नहीं हुआ और युवा के साथ जिस तरह की मारपीट की गई है। वह निंदनीय है।

भाजपा जिलाध्यक्ष पवन मावंडिया ने कहा कि झुंझुनूं एक ऐसा जिला है। जिसने देश में सर्वाधिक फौजी और शहीद दिए हैं। यहां के युवाओं में राष्ट्रवाद की भावना कूट-कूट कर भरी हुई है। अग्निपथ योजना यहां का युवा अच्छी तरह से जानता है कि वह किस तरह से राष्ट्र को सशक्त बनाएगी। यहां का युवा नहीं चाहता कि कोई भी इस योजना का विरोध करें। जब भी ऐसी योजनाओं का विरोध किया जाता है कि तो युवाओं के मन में पीड़ा होती है। आज भी युवा इस योजना के बारे में बताने की कोशिश की। आज जिस तरह की घटना हुई वह निंदनीय है। कांग्रेस पार्टी ने हमेशा फितरत रही है कि लोकतंत्र में आवाज को कैसे दबाया जाए। आज जो कृत्य कांग्रेसियों द्वारा किया गया है। वह घोर निंदनीय है।

बस से धुआं निकलता देख शीशे तोड़कर कूदे लोग, सात घायल

अलवर, (निसं)। अलवर-बहरोड सडक मार्ग पर बर्डोद में रेवाडी मोड पर सवारियों से भरी हुई चलती लोक परिवहन बस के ऑयल बॉक्स की सील टूटने से अचानक धुआं निकलने लगा। बस में बैठी सवारियों में आग लगने की अफवाह से अफरा-तफरी मच गई। सवारियों ने बस के शीशे तोड़कर बाहर कूदना शुरू कर दिया। भगदड में शीशे चुभने और बस से नीचे गिरने पर 7 सवारियां चोटिल हो गई। जिन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। लोक परिवहन बस सवारियां लेकर अलवर से बहरोड आ रही थी। जैसे ही गांव बर्डोद में रेवाडी मोड के पास पहुंची, तो भीषण गर्मी के चलते ऑयल की सील टूट गई और ऑयल साइलेंसर में पहुंच गया। गर्म साइलेंसर में ऑयल जलने लगा ओर धुंआ निकलने लगा। सवारियों में बस में आग लगने की अफवाह फैल गई। सवारियों ने आंखों में जलन और सांस लेने में आ रही तकलीफ के बीच अपनी जान बचाने के लिए बस के शीशे तोडे और बाहर कूदना शुरू कर दिया।

इसी दौरान हरियाणा के रेवाडी जिले के गांव सालावास निवासी हंसराज खिडकी से नीचे उतरते समय फिसल गया और जमीन पर आ गिरा। यहां खिडकी से तोडे गए सीसे जमीन पर गिरे हुए थे। सिर के बल नीचे गिरा हंसराज के सिर में शीशे चुभ गए। जिससे वह अपने लहूलुहान हो गया। जिसकी हालत गंभीर बनी हुई है। सरकारी अस्पताल में प्राथमिक उपचार करवाने के बाद उसे रेफर कर दिया गया। बस में चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए दौडे और सभी सवारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। राहुल निवासी बेरोज, हंसराज निवासी सालावास (रेवाडी), धर्मपाल निवासी ढेलावास, पतराम निवासी जिंदोली, सुनीता निवासी तातारपुर ओर भानु घायल व चोटिल हो गए।

बिजली तार की चपेट में आने से पैंथर शावक की मौत

मृत पड़ा पैंथर शावक एवं मौके पर उपस्थित ग्रामीण।

मासलपुर, (निसं)। मासलपुर के निकटवर्ती खन्नपुरा गांव में बीती रात के बाद खेतों से गुजर रहे एक पैंथर शावक की खेत में टूटे पड़े बिजली तार की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना का पता सोमवार प्रातः लगा जब ग्रामीण अपने खेतों की ओर गए। ग्रामीणों ने विद्युत निगम को सूचना देकर बिजली सप्लाई बंद कराई एवं पैंथर के शावक की मौत की सूचना वन विभाग को दी। सूचना पाकर वन विभाग में खलबली सी मच गई।

क्षेत्रीय वन अधिकारी रमेश चंद मीणा के निर्देशन में वनरक्षक जीतेंद्र सिंह, दर्शन सिंह, मनोज परमार, महेश बैरवा, वृक्ष पालक नवाब खॉ, पुरुषोत्तम गोयल सहित पुलिस कार्मिक पवन कुमार मौके पर पहुंचे एवं पैंथर शावक के शव को पोस्टमार्टम के लिए करौली ले जाया गया। क्षेत्रीय वन अधिकारी रमेश चंद्र मीणा ने बताया कि उच्च अधिकारियों की मौजूदगी में चिकित्सकों की टीम से पोस्टमार्टम के बाद शावक के शव का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

अभी तो यह ट्रेलर है, राजस्थान को कई कार्यों की सौगात मिलेगी: गडकरी

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया जालोर में रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण की परियोजना का शिलान्यास

जालोर, (कासं)। भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी एवं राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जालोर में 102/00 (एन.एच. 325) पर 4-लेन रेलवे ओवर ब्रिज के निर्माण के लिए 92 करोड़ की लागत से एक कि.मी. लम्बाई की परियोजना का शिलान्यास किया।

जालोर शहर के एक निजी होटल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केन्द्रीय सड़क, परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि केन्द्र सरकार ने राजस्थान में सड़कों का जाल बिछाने का कार्य किया गया है। सड़क मार्ग के रूप में राजस्थान अग्रणी है। जालोर में आरओबी बनने से लोगों को राहत मिलेगी। वहीं उन्होंने कहा कि यह तो अभी ट्रेलर है पूरी फिल्म तो अभी बाकी है। राजस्थान के लिए कई कार्यों की सौगात दी जायेगी। भाजपा सरकार राजस्थान में राजमार्ग बनाने के लिए कटिबद्ध है।

सांसद देवजी पटेल ने भी वीसी के माध्यम से दिल्ली से सम्बोधित करते हुए कहा कि जालोर से आहोर जाने वाले मार्ग पर रेलवे क्रॉसिंग के चलते कई घंटे लोगों को इंतजार करना पड़ता था। जिसको लेकर मेरे द्वारा लगातार केन्द्र

जालोर शहर के एक निजी होटल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधि व कई लोग मौजूद रहे।

सरकार को उक्त समस्या से अवगत करने पर आरओबी के लिए बजट आवंटित होने के साथ कार्य प्रारम्भ हो रहा है। कार्य पूर्ण होने के बाद जालोर के लोगो को राहत मिलेगी। वीसी कार्यक्रम में मौजूद जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि जालोर के लिए यह बहुत बड़ा कार्य है। जालोर के पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल ने कहा कि यह आरओबी केन्द्र व राज्य सरकार के संयुक्त बजट से बन रहा है। जिससे आमजन को राहत मिलेगी। भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष मंजू सोलंकी ने कहा कि आरओबी बनना हमारे लिए खुशी की बात है। इस दौरान जिला कलेक्टर निशांत जैन, जिला प्रमुख राजेश कुमार, जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग, नगर परिषद सभापति गोविन्द टांक, पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल सहित अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

श्रीगंगानगर संवाददाता के अनुसार :- केन्द्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लगभग 753 करोड़ रूपए की सड़क परियोजनाओं का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास किया। वर्चुअल शिलान्यास कार्यक्रम में जिला कलेक्टर रूक्मणि रियार सिहाग गंगानगर से वीसी के माध्यम से शामिल हुई।

सूरतगढ़ में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम के दौरान सांसद व पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री निहालचंद ने कहा कि अब जल्द ही इन परियोजनाओं का निर्माण कार्य शुरू होकर क्षेत्र के नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि गंगानगर जिले में 753 करोड़ की परियोजना का शिलान्यास होने पर क्षेत्रावासियों के लिये एक बड़ी सौगात है। सांसद निहालचंद ने बताया कि इन परियोजनाओं के अंतर्गत श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ़ में 26.61 करोड़ रूपए की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग-62 (पुराना राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-15) के बीकानेर-सूरतगढ़ खंड में आर.ई. दीवार के साथ दोनों तरफ के एप्रोच सड़क सहित इंदिरा सर्किल पर 1.066 किलोमीटर की लम्बाई के 4 लेन फ्लाईओवर का निर्माण किया जाएगा और 56.20 करोड़ रूपए की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 62 (पुराना राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-15) के सूरतगढ़-श्रीगंगानगर खंड के किमी 173.0 से 250/900 तक लगभग 77.90 किमी. मार्ग को सुदृढ़ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एक अन्य परियोजना में श्रीगंगानगर से रायसिंहनगर तक एनएच-911 पर लगभग 670.38 करोड़ रूपए की लागत से पेव शोल्डर के साथ दो लेन राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण किया जाएगा, जिसकी लंबाई 102.076 किलोमीटर रहेगी। कार्यक्रम में लोकसभा सांसद निहालचंद, सूरतगढ़ विधायक रामप्रताप कासनिया, पूर्व विधायक राजेन्द्र भादू, अशोक नागपाल, एडीएम सूरतगढ़ अरविन्द जाखड़, आत्माराम तरड़ सहित जनप्रतिनिधि, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक तथा एनएचआई के इंजिनियर व पीडब्ल्यूडी के अधीशाषी अभियंता पवन कुमार यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

- **गडकरी ने श्रीगंगानगर जिले में 753 करोड़ रुपए की सड़क परियोजनाओं का किया शिलान्यास**

जयपुर। जयपुर सांसद रामचरण बोहरा ने राष्ट्रीय राजमार्ग जयपुर-अजमेर मार्ग पर स्वीकृत फ्लाईओवर के शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान कहा कि मेरे संसदीय क्षेत्र में भांकरोटा चौराहा, हीरापुरा नरसिंहपुरा एवं देहमी कलॉ स्थानों पर यातायात का अधिक दबाव रहने के कारण घटने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जनता की लम्बे समय से मांग की जा रही पैरवी आज पूरी हुई। सांसद बोहरा ने कार्यक्रम के दौरान जयपुर संसदीय क्षेत्र रिंग रोड के उत्तरी कोरीडोर के निर्माण कार्य करवाये जाने की मांग रखने जाने पर केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने यह कहते हुए आश्वासन देते हुए कहा कि जयपुर-दिल्ली की यात्रा जिस दिन 2 घंटे में करके जयपुर आउंगा उस दिन इस कोरीडोर का भी शिलान्यास करूंगा। सासंद बोहरा ने कहा कि मंत्री जी के इस आश्वासन से यह स्पष्ट हो गया कि जयपुर-दिल्ली एक्सप्रेस हाइवे का कार्य भी जल्द ही पूरा होगा, जिससे दिल्ली की यात्रा सुगम हो जायेगी। कार्यक्रम के दौरान अजमेर सासंद सहित विधायक गण, स्थानीय जनता उपस्थित रही।

जे.डी.ए. की महत्वपूर्ण योजनाओं का ई-नीलामी कार्यक्रम शुरू

जोधपुर, (कासं)। डॉ. इन्द्रजीत यादव आयुक्त, जोधपुर विकास प्राधिकरण द्वारा शहर के विकास के लिए मुख्यमंत्री एवं राज्य सरकार के निर्देशन में कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों एवं वित्त प्रबंधन में व्यक्तिगत रूचि लेते हुए जोधपुर के विकास में अपना अमूल्य योगदान प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में जोधपुर विकास प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं में आवासीय एवं व्यवसायिक भूखण्डों के क्रय के लिए प्राधिकरण द्वारा आयोजित भव्य ई-नीलामी कार्यक्रम सोमवार से शुरू हो चुका है। आवासीय एवं व्यवसायिक भूखण्डों के भव्य ई-नीलामी कार्यक्रम में आवेदकों द्वारा ई-नीलामी के अन्तिम दिन मंगलवार, 02 अगस्त तक ऑनलाईन बिड लगाते हुए भूखण्डों को ई-नीलामी के जरिये क्रय किया जा सकता है।

जोधपुर विकास प्राधिकरण के निदेशक वित्त अरविन्द पारीख ने बताया कि आवेदकों द्वारा नियमानुसार निर्धारित तिथि तक आवासीय एवं व्यवसायिक भूखण्ड के लिए धरोहर राशि जमा करवाते हुए ई-नीलामी में भाग लिया जा सकता है। प्रभारी अधिकारी नीलामी शाखा केवलचन्द गहलोत ने बताया कि आवेदकों द्वारा नियमानुसार भूखण्डों के आकार एवं निर्धारित न्यूनतम विक्रय मूल्य प्रति वर्गमीटर के अनुसार गंगा विहार आवासीय योजना के लिए 04 जुलाई तथा राज्य कर्मचारी आवासीय योजना मोगडा कल्ला के लिए 05 जुलाई तक धरोहर राशि जमा करवाई जा सकती है। आवेदकों द्वारा धरोहर राशि जमा करवाकर ई-नीलामी में भाग लेते हुए भूखण्ड क्रय करने के लिए ऑनलाईन बिड लगाई जा सकती है।

प्रभारी अधिकारी नीलामी शाखा केवलचन्द गहलोत ने बताया कि प्राधिकरण द्वारा आवासीय एवं व्यवसायिक भूखण्डों के भव्य ई-नीलामी कार्यक्रम के अन्तर्गत पण्डित दीनदयाल उपाध्याय विहार आवासीय योजना ग्राम आंगणवा, विवेक विहार आवासीय योजना के विभिन्न सेक्टरों में आवासीय भूखण्ड, विजयराजे नगर आवासीय योजना, मण्डलनाथ आवासीय योजना, दंतोपथ ढेगडी नगर आवासीय योजना, सुन्दरसिंह भण्डारी नगर आवासीय योजना, ब्लॉक ए ग्राम चौखा में व्यवसायिक भूखण्ड 1480.68 वर्गमीटर, व्यवसायिक परिवहन नगर आंगणवा ट्रांसपोर्ट/ऑटोमोबाईल नगर योजना के भूखण्डों की भी ई-नीलामी रखी गयी है। ई-नीलामी से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं शर्तें प्राधिकरण की वेबसाईट पर देखी जा सकती हैं।

प्राधिकरण योजनाओं में व्यवसायिक एवं आवासीय भूखण्डों हेतु जनसाधारण में अद्भूत आकर्षण रहा है। प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं में निमानुसार लम्बी चौडी सडकों के साथ-साथ आवश्यकता के अनुरूप पार्क, ओसीएफ सहित विभिन्न लोक कल्याण के कार्यों के लिए भूमि को आरक्षित करते हुए मुक्त एवं स्वच्छ वातावरण दिए जाने का भरपूर प्रयास किया जाता है। ताकि आमजन को बिजली पानी, शिक्षा, चिकित्सा, व्यवसायिक केन्द्र इत्यादि की सभी सुविधाएं प्राप्त हो सकें। प्राधिकरण की योजनाओं में भूखण्ड के लिए निवेश करने पर आवेदकों को बैंकों से क्रण सरलता से प्राप्त हो जाता है, साथ ही योजनाओं में सरकारी नियमों की पालना अक्षरक्ष किए जाने से निवेशकों को स्वामित्व संबंधी विवाद इत्यादि से मुक्ति मिलती है एवं उनके निवेश की पूंजी सुरक्षित रहती है।

ओ.सी.एफ. भूमि से अतिक्रमण हटाया

जोधपुर, (कासं)। डॉ. इन्द्रजीत यादव आयुक्त जेडीए के निर्देशानुसार जेडीए दस्ते ने अवैध निर्माणों एवं अतिक्रमणों के विरूद्ध नियमित रूप से की जा रही सख्त कार्यवाही के क्रम में सोमवार को दस्ते ने सुन्दरसिंह भण्डारी नगर आवासीय योजना में अवैध अतिक्रमण को ध्वस्त किया। जेडीए दस्ते नेअवैध कॉलोनियों, पार्किंग के इतर निर्मित बहुमंजिला इमारतों, अवैध खनन, सडक मार्गाधिकार के अतिक्रमणों तथा विभिन्न अन्य अतिक्रमणों के विरूद्ध भी सख्त कार्यवाही की।

उपायुक्त उत्तर चंचल वर्मा के निर्देशानुसार तहसीलदार उत्तर राकेश जैन के निर्देशन में प्रवर्तन अधिकारी उत्तर प्रवीण गहलोत एवं कनिष्ठ अभियन्ता उत्तर मो. आफाक मय जेडीए दस्ते द्वारा ग्राम बासनी मालियान् खसरा संख्या 289 स्थित प्राधिकरण की महत्वकांशी सुन्दरसिंह भण्डारी नगर आवासीय योजना का मौका निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान योजना के भूखण्ड संख्या 399 व 362 के पास एवं 100 फीट सडक मार्ग के समीप प्राधिकरण की ओसीएफ भूमि पर 10 गुणा 9 फीट में चबूतरी की चारदीवारी सहित लगभग 14 गुणा 6 फीट में पानी की खेली का अवैध रूप से निर्माण कर अतिक्रमण किया हुआ पाया गया। दस्ते द्वारा उक्त अवैध अतिक्रमण को जेसीबी की सहायता से ध्वस्त कर प्राधिकरण की भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया गया। दस्ते ने अतिकर्मियों को हिदायत दी कि प्राधिकरण की भूमि पर अवैध निर्माण अथवा अतिक्रमण नहीं करें।

खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच के लिए सैंपल लिए

जोधपुर, (कासं)। आमजन को शुद्ध खाद्य सामग्री मिल सके इसको लेकर निरोगी राजस्थान अभियान के तहत चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले भर में नियमित रूप से मिलावट खोरी के खिलाफ शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के अन्तर्गत शहर के मिलावटखोरी के खिलाफ पदार्थो के सैंपल लिए गए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ बलवंत मंडा ने बताया कि निरोगी राजस्थान अभियान के तहत सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा शहर के प्रतिष्ठानों पर कार्यवाही करते हुए मिलावटखोरी के खिलाफ पदार्थो के सैंपल लिए गए। उन्होंने बताया खाद्य सुरक्षा अधिकारी रजनीश शर्मा की टीम ने उदयमंदिर क्षेत्र के वार्ड 51 स्थित ईशान लक्ष्य एठाो प्रोडक्ट नामक फर्म द्वारा घर पर ही बिना बिआईएस एफएसएसआई लाइसेंस के पेकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर पैकिंग कार्य को अवैध रूप से किया जा रहा था उसे उत्पादन रोकने के लिए पाबंद किया गया। वही जोधपुर शहर के आंगनवा स्थित उम्मेद स्कूल के सामने मैंसर्स जीएच फूड्स से मिलावट के संदेह से 508 किलो सुगून ब्रांड देशी घी जप्त किया गया है। उक्त पदार्थो के सैंपल जांच के लिए खाद्य सुरक्षा प्रयोगशाला में भेजे जाएंगे। जांच यदि मिलावटी खाद्य पदार्थ पाए जाएंगे तो खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

मेहरानगढ़ दुर्ग में वस्त्र संरक्षण कार्यशाला हुई

मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट एवं इंटैक जोधपुर चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में चोखेलाव महल में वस्त्र संरक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

जोधपुर, (कासं)। मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट एवं इंटैक जोधपुर चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को मेहरानगढ दुर्ग स्थित चोखेलाव महल में वस्त्र संरक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला में मेहरानगढ आर्ट कंजर्वेशन सेंटर तथा टाटा ट्रस्टस के कंजर्वेटर्स ने महिलाओं को विभिन्न प्रकार के टेक्सटाइल मैटेरियल के बारे में बताया तथा क्या कारणों से वह खराब हो सकते हैं उस बारे में विस्तृत रूप से बताया। उसमें प्रमुख रूप से कीडे, फंगस, गलत रौशनी का चयन, जल वायु इत्यादि टेक्सटाइल मैटेरियल को खराब कर सकते हैं। इस कार्यशाला में टेक्सटाइल को किस तरीके से सहेज कर रखना चाहिए उस बारे में विस्तृत में बताया गया। कुछ तथ्य जैसे नीम, तंबाकू के पत्ते, लॉन्ग आदि के प्रयोग, तथा मलमल के कपडे के माध्यम से रख रखाव पर विस्तार से बताया गया। कंजर्वेटर्स ने साथ ही उनके रख रखाव के तरीकों को प्रैक्टिकली करके भी दिखाया। साथ ही उन्हें डेमो के माध्यम से कई तरह की सिलाई, कढाई के बारे में बताया गया तथा रेशे, धागे व ऑब्जेक्ट अनुसार कपडे का चयन के बारे में भी बताया गया।इससे प्रतिभागियों को समझने में आसानी हुई। कार्यशाला में डाई में रंगो का उपयोग तथा पहले किस प्रकार प्राकृतिक रंग तथा प्राकृतिक चीजों का प्रयोग होता था उस बारे में बताया गया।

महिला प्रतिभागियों ने मेहरानगढ आर्ट कंजर्वेशन सेंटर का दौरा भी किया जिसके माध्यम से उन्हें टेक्सटाइल, पेपर, स्टोन, मेटल, फोटोग्राफ, पेंटिंग इत्यादि संरक्षण कार्य के बारे में कंजर्वेटर्स द्वारा बताया गया। कंजर्वेशन सेंटर के निदेशक डॉ सुनील लघाटे, तथा कंजर्वेटर्स सुरेंद्र सिंह, अजय व्यास, साहित्य राजा, रजत जांगिड, धारिणी कुमार, अशफाक द्वारा प्रतिभागियों को विभिन्न जानकारी प्रदान की गई। डॉ महेंद्र सिंह तंवर द्वारा प्रतिभागियों को ऐतिहासिक अमूल्य वस्तुओं की महत्वता के बारे में बताया गया।

प्रतिभागियों ने कंजर्वेटर्स से कुछ पहलुओं पर चर्चा की तथा वस्त्रों को घरों में सही देख रेख के बारे में जाना। प्रतिभागियों ने टेक्सटाइल सैंपल दिखाए तथा कंजर्वेटर्स से राय ली। यह कार्यशाला कल्पना चंपावत इंटैक जोधपुर चैप्टर के हैरिटेज एजुकेशन एंड अवेयरनेस कमिटी की कोर्डिनेटर के निर्देशन में संचालित की गई।

केंद्र की भाजपा सरकार व अग्निपथ योजना के विरोध में सत्याग्रह किया

आहोर, (निसं)। विधान सभा क्षेत्र आहोर के ब्लॉक कांग्रेस आहोर व भाद्राजून कि ओर से सोमवार को दस बजे से एक बजे तक उपखंड कार्यालय आहोर के सामने केंद्र की भाजपा सरकार व अग्निपथ योजना के विरोध में सत्याग्रह का आयोजन किया गया।

सत्याग्रह में उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए जन अभाव अभियोग निराकरण समिति के अध्यक्ष पुखराज पाराशर ने कहा की अग्निपथ योजना से देश की सुरक्षा को खतरा है बिना ट्रेनिंग किया युवा यूद में ज्यादा उपयोगी नहीं होते , चार साल बाद फिर बेरोजगार हो जायेंगे, जिनको छोटी मोटी नोकरिया ढूँढनी पडेगी, ओबीसी वित व विकास आयोग के अध्यक्ष पवन गोदारा ने कहा कि केंद्र ने जल्दबाजी में तीन किसान बिल लाए थे जो देश विरोधी थे वापस लेने पडें , अग्निपथ योजना भी युवा व देश विरोधी है वापस लेनी होगी , कांग्रेस नेता सवाराम पटेल ने अग्निपथ योजना की जानकारी देते हुए कहा कि जल, थल व वायु सेना में सैनिक चार साल बाद सडक पर आ जायेंगे मात्र 25प्रतिशत सैनिक ही आगे नोकरी कर पायेंगे।

पीसीसी सचिव भूराराम सिरवी ने कहाँ मोदी सरकार देश विरोधी है सारी सरकारी कम्पनीओ को बेच कर देश को दिवालिया बना रही है विधान सभा समन्वयक दिग्विजयसिंह दहिया , पीसीसी सदस्य उमसिह राठौड, आयोजना कमेटी सदस्य विरेन्द्र जोशी,पूर्व प्रधान भँवरलाल मेघवाल , उप प्रधान अमृत प्रजापत, पूर्व जिला परिषद सदस्य सरोज चौधरी,लीला राजपुरोहित , जिला परिषद सदस्य लक्ष्मी मीना, पंचायत समिति सदस्य मांगीलाल चौधरी, गजेन्द्रसिंह डोडियाली,आमसिह परिहार , प्रेमसिह मिठडी, पीरसिंह मालपुरा, दलपतसिह तरवाडा,भरत राजपुरोहित,भारमलसिह कोटडा ,पोकरमल मेघवाल ने भी सम्बोधित किया।

कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य मांगीलाल प्रजापत, पूर्व उप प्रधान मनोहर कँवर, ब्लॉक यूवा कांग्रेस अध्यक्ष समीर खान, जोगेंद्रसिंह, छोगाराम भोरडा, जुंजाराम चौधरी , पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि वि मसिंह पचानवा, मुकेश बोस, कानाराम सिंघल , रूपाराम चौधरी , हस्तिमल सुथार , चंदन रावल , सोनाराम गोदन , वस्तिमल चौहान ,पुखराज सरपंच निम्बला, वागाराम मालगढ, ईश्वर पचानवा, कालूराम मेघवाल , विक्रमसिंह रावणा राजपूत, हंससिंह, गेनाराम रायथल, ललित धुनिया, गेनाराम बोस सहित कई कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश विरोधी बताते हुए पुतला फूंककर शोक सभा रखी।

प्रशिक्षण दिया

गुड़ामालानी, (निसं)। कृषि विज्ञान केंद्र गुड़ामालानी की ओर से सगरानियों की बेरी, गांव में बाजरे फसल की बायोफोर्टीफाइड एचएचबी 299 किस्म के प्रथम पंक्ति प्रदर्शन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का सोमवार को आयोजन किया गया।

जिसमें केवीके के पौध संरक्षण विशेषज्ञ डॉ. बाबूलाल जाट ने बोलते हुए कहा कि इसके बाकी किस्मो की तुलना में सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे आयरन 73 पीपीएम होता है एवं जिंक 41 पीपीएम तक होता है।

बिजोवा में अध्यापकों को प्रशिक्षण दिया

रानी, (निसं)। रानी मुख्य ब्लाक शिक्षा अधिकारी, समग्र शिक्षा रानी के तत्वावधान में बिजोवा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सभा भवन में सोमवार को रानी उपखंड की 30 ग्राम पंचायतों के प्राथमिक विद्यालय के कक्षा 1 से 5 तक पढ़ाने वाले शिक्षकों को बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान आधारित एफ एन एल प्रशिक्षण दिया।

वरिष्ठ प्रवक्ता ताज मौहम्मद पठान ने बताया कि शिविर प्रभारी मुकनाराम बावल के नेतृत्व में दक्ष प्रशिक्षक संदर्भ व्यक्ति जितेंद्र सिंह राजपुरोहित, लकमाराम चौधरी भबूता राम चौधरी, राहुल आसेरी से इस गैर आवासीय छह दिवसीय शिविर में दो समूह में प्रशिक्षण दिया । जिसमें 95 सभागी प्रशिक्षणार्थी उपस्थित हुए।

अग्निपथ योजना का विरोध किया

रानी, (नि.सं.) । केंद्र सरकार की ओर से भारतीय सेना के गौरव व युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड कर लाई गई अग्निपथ योजना के विरोध में आज मारवाड जंक्शनविधान सभा क्षेत्र का केंद्र के विरोध में सत्याग्रह कार्यक्रम का आयोजन उपखण्ड कार्यालय रानी के बाहर मारवाड जंक्शन के नेता जसाराम के राठौड की अध्यक्षता में एवं प्रदेश कांग्रेस से नियुक्त को आर्डिनेटर देशराज मेहरा की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

वक्ताओं ने अग्निपथ योजना को तुरन्त वापस लेने की मांग का। वक्ताओं में पूर्व जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष बशीरुद्दीन चढ़वाह , पार्षद सुनिल बैरवा , एडवोकेट राजेश सोलंकी , एड गिधारीलाल खारडा , एड राजेन्द्रसिंह पुनाडिया , माधोसिंह जीवन्द खुर्द , दलाराम रांगी , मुन्नालाल आदरा देवली पाबूजी, हरजीराम खारडा , एस बी सी अध्यक्ष कमलकिशोर राईका , नगर कांग्रेस महिला अध्यक्ष हुसेना बानो ने केंद्र सरकार की गलत नीतियों के विरुद्ध जम कर प्रहार किया।

इस अवसर पर कार्यकर्ताओं द्वारा नारे लगाए गए कि , अग्निपथ एक झांसा है, युवाओं को फांसा है । उनके हाथ मे डंडा है मेरे हाथ में झंडा है । अंत मे नगर कांग्रेस निवर्तमान् अध्यक्ष मोहम्मद इलियास चढ़वाह ने सभी का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद अर्पित किया।

एड. सुभाषचन्द पुरोहित, प्रेमचंद बुनकर , मांगीलाल मेवाडा रानी गांव, एड मनोज रांगी , एड दिनेश पारंगी, एड दिनेश आदिवाल , हस्तीमल थांवलेचा, सुरेंद्र सिसोदिया, हरिसिंह चौहान, उमेशचन्द भंडारी, चुनीलाल आगरी, इश्तियाक अहमद आफरीदी, राजवीर देवासी, पार्षद कपूराराम प्रजापत, मोहम्मद अकरम, मूकेश बैरवा, जीवनसिंह सांदू, बाबूलाल जांगिड , मालाराम राठौड , नितिन परिहार , महेश राठौड, खरताराम सालरिया , शौकीन शाह, मोहम्मद यासीन कुरेशी , रईस खान मदारी , सलीम सिलावट, कंचन माली, संतोष खारवाल, जानिदेवी खारवाल, कैलाश कंवर, जमना, कन्याबेन सैन आदि मौजूद थे।

रेवदर संवाददाता के अनुसार : ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रेवदर ने उपखंड मुख्यालय के बाहर सुबह 10.00 बजे से लेकर 1.00 बजे तक सभी कांग्रेस जनों ने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह जोलपुर एवं जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष भवानी सिंह भटाना के नेतृत्व में सत्याग्रह आंदोलन किया।

वरिष्ठ कांग्रेसी कृष्ण वीर सिंह रहुआ , जिला सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश पालीवाल, इकबाल खान समेत सैकडों कार्यकर्ता उपस्थित थे। देवेंद्र सिंह जौलपुर ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सांचौर में किसानों ने धरना दिया

सांचौर, (निसं)। राष्ट्रीय किसान नेता राकेश टिकैत के आव्हान के समर्थन में संयुक्त किसान मोर्चा जिला जालौर ने सेना में भर्ती के लिए अग्निपथ योजना के विरोध में सांचौर में धरना प्रदर्शन कर उपखंड अधिकारी सांचौर के मार्फत राष्टपति के नाम ज्ञापन सौंपा।

मोर्चा के जिला मंत्री मका राम चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार सेना जैसी महत्वपूर्ण भर्तियां में घालमेल कर अग्निपथ के नाम से मात्र 4 वर्ष के लिए नौजवानों की भर्ती का सब्जबाग दिखा रही है जो उनके साथ विश्वासघात है। जिला अध्यक्ष ईशरा राम बिश्नोई ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अलोकतांत्रिक तरीके से निर्णय लिए जा रहे हैं जो देश हित में नहीं है ।विरद सिंह चौहान ने कहा कि अग्निपथ योजना में भर्ती की अवधि मात्र 4 वर्ष के लिए होने से ना कोई पेंशन और ना ही जीवन यापन का कोई जरिया है। लंबे समय में सेना में भर्ती के लिए तैयारी करने वाले नौजवानों और युवाओं के साथ घोर अन्याय है। धरने में स्थानीय मांगों को लेकर भी उपखंड अधिकारी को ज्ञापन देकर समस्या समाधान की मांग की।

किसान यूनियन टिकेत के अध्यक्ष धीमाराम खिलेरी ने कहा कि सांचौर तहसील की जर्जर सडकों को ठीक करवाना, बिजली कटौती बंद कर पर्याप्त मात्रा में बिजली देना, आदान अनुदान की बकाया राशि का भुगतान शीघ्र करना, राजस्व रिकॉर्ड में हुई त्रुटियों का शुद्धिकरण करना, रास्तों के लिए दिए गए आवेदनों पर समय पर निस्तारण करना, नर्मदा नहर और वितरिकाओं की अवाप्त जमीनों को राजस्व रिकॉर्ड में इंद्राज करना, आदि मांग रखी।

ज्ञापन के पश्चात सभी किसान नर्मदा परियोजना कार्यालय पहुंचे और नारेबाजी की। तथा अतिरिक्त मुख्य अभियंता को समस्याओं के समाधान हेतु मांग पत्र दिया। जिसमें डिग्गी सिस्टम को ठीक करने ,टेल तक पानी पहुंचाने, रबि की सीजन शुरू होने से पहले सभी वितरिकाओं के अध्यक्षों की आवश्यक बैठक, करने कमांड एरिया में पानी से वंचित किसानों को सिंचाई से जोडने आदि मांगे रखी।

नर्मदा परियोजना के अतिरिक्त मुख्य अभियंता और किसान प्रतिनिधि मंडल के मध्य वार्ता हुई। नर्मदा अधिकारियों ने समय रहते समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

धरने में प्रेमा राम सारण लिखमाराम चौधरी जबर सिंह गुंदाऊ भागीरथ ढाका, शंकरा राम सरवाना, पूनम करावडी , भाखराराम खिलेरी, लादूराम सऊ, परबताराम मेघवाल, वरिंगाराम गोदारा, मगाराम घायल आदि सैकड़ों किसान मौजूद थे।

एस.डी.एम. ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा की

जालोर, (कासं)। अतिरिक्त जिला कलैक्टर राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलैक्टर राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल ने विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कोविड टीकाकरण, शुद्ध के लिए युद्ध अभियान, बिजली-पानी, कृषि सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय कुमार वासु ने सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों का निर्धारित समयावधि में निस्तारण कर आमजन को राहत दिलवाने की बात कही। उप वन संरक्षक यादवेन्द्र सिंह चूण्डावत, जलदाय अधीक्षण अभियंता ताराचंद कुलदीप, नर्मदा परियोजना अधीक्षण अभियंता के.एल.कांत, कृषि विभाग के उप निदेशक डॉ. आर. बी. सिंह, सीएमएचओ डॉ.जी.एस.देवल, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र के महाप्रबंधक संग्रामराम देवासी व आरसीएचओ डॉ.रमाशंकर भारती सहित कई जने उपस्थित रहे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया

पाली, (नि.सं.)। केंद्र सरकार की ओर से भारतीय सेना के गौरव एवं युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर लाई गई अग्निपथ योजना के खिलाफ पाली में कांग्रेसजनों ने महावीरसिंह राजपुरोहित सुकरलाई के नेतृत्व में एवं पी.सी.सी. की ओर से नियुक्त समन्वयक एडवोकेट नौरत गुर्जर की उपस्थिति में केंद्र की भाजपानीत मोदी सरकार के खिलाफ सत्याग्रह का आयोजन कर प्रदर्शन किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कांग्रेसजनों ने कलेक्टर कार्यालय के बाहर धरना देकर जोरदार नारेबाजी की एवं केंद्र सरकार को सद्बुद्धि देने के लिए रघुपति राघव राजा राम भजन गाया। इसके पश्चात धरना स्थल से अग्निपथ योजना को वापस लेने सहित केंद्र सरकार के खिलाफ स्लोगन लिखे तख्तियां हाथों में लिए हुए नारेबाजी करते हुए विरोध मार्च निकाला।

पाली में कांग्रेसजनों ने महावीरसिंह राजपुरोहित सुकरलाई के नेतृत्व एवं पी.सी.सी. की ओर से नियुक्त समन्वयक एडवोकेट नौरत गुर्जर की उपस्थिति में प्रदर्शन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

इस दौरान सेवादल प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन हटेला, रोहट प्रधान श्रीमती सुनीता कंवर राजपुरोहित, पूर्व जिला परिषद सदस्य जोगाराम सोलंकी,जिला आयोजना समिति सदस्य प्रकाश सांखला, गांधी दर्शन समिति जिला सह संयोजक जीवराज बोराणा, निवर्तमान ब्लॉक अध्यक्ष मेहबूब टी, पूर्व सभापति मांगीलाल गांधी,पूर्व नेता प्रतिपक्ष भँवर राव, उप प्रधान कानाराम पटेल, सेवादल जिलाअध्यक्ष प्रकाश चौधरी, एन एस यू आई जिलाध्यक्ष किशोर चौधरी, वरिष्ठ नेता मेवाराम ओड, अरुण जोशी, एस टी विभाग प्रदेश महासचिव राजूराम मीणा, एस सी विभाग जिलाध्यक्ष रतन उदेश,जिला युवा बोर्ड सदस्य एवं पार्षद आमीन अली रंगरे, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष लाल मोहम्मद सिंधी, पार्षद बाबू भाई गोरी, सन्तोखसिंह बाजवा, प्रकाश चौहान, ओमा चौधरी,तालिब अली, निर्मल तेजी, राजेंद्र मेघवाल, इंसाफ घोसी, सन्तोष दुबे, भरत राव, रघुनाथसिंह मंडली, पूर्व पार्षद विनोद मोदी, फकीर मोहम्मद सिंधी, गोविंद बंजारा, ताराचंद टाक,पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष गणपत पटेल, राजेन्द्रसिंह राजपुरोहित, छात्र नेता नरेन्द्रसिंह, अर्जुन सिसोदिया, प्रमोद चौधरी, डीएमएफटी सदस्य हेमाराम पटेल, गिरधारीसिंह धोलेरिया शासन, वागाराम विश्नोई, बाबूसिंह वायद, पंचायत समिति सदस्य लक्ष्मणराम पटेल, सोहनलाल गुणपाल, डूंगाराम सीरवी, पुनाराम देवासी, पूर्व उप प्रधान मुन्नालाल परिहार, सरपंच अमराराम बेनीवाल, जगमालराम मेघवाल खांडी, भगाराम पटेल चेन्डा, दिलदार खान झितड़ा, अशोक मेघवाल कलाली, राजेन्द्रसिंह राजपुरोहित खुंडावास, प्रकाश मेघवाल गढ़वाड़ा, सरपंच प्रतिनिधि प्रवीण पटेल राणा, पूर्व सरपंच मंगलाराम चेन्डा, भंवरलाल ढाबर, रतनाराम भींडर, इंद्रसिंह निम्बाडा, देवीसिंह राजपुरोहीत, कृष्णा सांसी, वजाराम गरवलिया, महावीर कटारिया, पुष्प सोनी, राजेन्द्र शर्मा, दिनेश दवे, मोहनसिंह हेमावास,मासूम अली मेव, लक्ष्मण कछवाहा, कमरुद्दीन पठान, शकील अहमद नागोरी, साबिर जोया, इमरान खिलजी, इक़बाल शेख, प्रकाश सोनी, धनराज लोहार, राजूराम सरगरा, कानाराम, मोहनलाल विश्नोई, सोहनलाल पालीवाल, भेराराम मेघवाल, ढलाराम बिंझा, गोविंद बॉस, अमृत बंजारा, हीरालाल मेघवाल, पपसा पटेल, केवल पटेल, रामेश्वर सिंह राजपुरोहित, डूंगरसिंह, शमीम खत्री, यासीन सबावत, अमराराम पटेल, साबिर सिरोहा,फारूक रंगीला, शरीफ फेमस, भंवरलाल बालवंसी, घनश्याम भाटी, जगदीश प्रजापत, गुलाब खान सोढ़ा, ओमाराम बिश्नोई, छोटू खान सिंधी, यूसुफ छिपा, रामलाल रेगर, धनराज आर्य, मांगीलाल पंवार, कानाराम काग, इब्राहिम शाह, फकीर मोहम्मद घोसी, प्रकाश कुमार, महेंद्र कुमार निम्ब्लीउडा, अनवर खान, रमाशंकर शर्मा सहित कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

डॉ. अम्बेडकर के विचारों को आत्मसात करें: पाराशर

जालोर, (कासं)। जन अभियोग निराकरण समिति के अध्यक्ष पुखराज पाराशर ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने संविधान के माध्यम से हर व्यक्ति को अधिकार प्रदान किये हैं। डॉ. अम्बेडकर ने शिक्षा की महत्वता को समझते हुए भारत के संविधान की रचना की जिस कारण देश के प्रत्येक नागरिक को उचित अधिकार मिल पाया। इसलिए राज्य के यशस्वी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्यभर के डॉ. अम्बेडकर छात्रावासों में उनकी मूर्ति लगाये जाने का अभूतपूर्व निर्णय किया है। जिससे विद्यार्थियों को उनके व्यक्तित्व की जानकारी के साथ प्रेरणा मिलेगी। समिति के अध्यक्ष पुखराज पाराशर सोमवार को जालोर के निकट राजकीय अम्बेडकर छात्रावास अनुसूचित जाति बागरा में डॉ. भीमराव अम्बेडकर मूर्ति अनावरण समिति की ओर से आयोजित मूर्ति अनावरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने भारत के संविधान तथा अम्बेडकर के सिद्धान्तों को आत्मसात् करने की बात कही। उन्होंने कहा कि चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना तथा राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुँचाते हुए बाबा साहेब के सपनों को साकार करने का आह्वान किया।

समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. भीमराव अम्बेडकर मूर्ति अनावरण समिति के प्रदेशाध्यक्ष घनश्याम मेघवाल ने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा बनाये गये संविधान की पालना हर भारतीय का कर्तव्य एवं दायित्व है। डॉ. अम्बेडकर के विचार हर व्यक्ति तक पहुँचे इसके लिए समिति द्वारा राज्यभर के डॉ. अम्बेडकर छात्रावासों में 504 डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमाएँ तथा सावित्री बाई फूले की 84 प्रतिमाएँ बालिका छात्रावासों में लगवाने का कार्य कर रही है। उन्होंने डॉ. अम्बेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने की बात कही। मूर्ति अनावरण के उपरान्त समिति के अध्यक्ष पुखराज पाराशर ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का सन्देश दिया।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुकृति उज्जैनिया, सवाराम पटेल, चैनाराम, राजेन्द्र, हिम्मतसिंह देवड़ा, प्रवीण कुमार सहित आम जन उपस्थित रहे।

गहलोत जोधपुर आएंगे

जोधपुर, (कासं)। प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तीन दिवसीय यात्रा पर मंगलवार को जोधपुर आएंगे। वे शाम चार बजे अपने गृह नगर पहुंचेंगे। वे जोधपुर में रीजनल कैंसर इंस्टीट्ययूट सहित कुछ विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकापर्ण करेंगे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ संवाद स्थापित करने के अलावा जनसुनवाई भी करेंगे। गहलोत जोधपुर प्रवास के दौरान मंगलवार, 28 जून को दोपहर 3 बजे जयपुर से जोधपुर पहुंचेंगे। शाम 4 से 6 बजे के बीच रीजनल कैंसर सेंटर एवं अन्य विकास कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण में भाग लेंगे। 29 जून को प्रात: 11 बजे स्वर्गीय कप्तान दुर्गाप्रसाद चौधरी पत्रकारिता पुरस्कार समारोह के लिए जाएंगे।

कार्यालय ग्राम पंचायत बाडमेर ग्रामीण
पंचायत समिति बाडमेर ग्रामीण

ई-निविदा सूचना 02/2022-23 **दिनांक 21.06.2022**

ग्राम पंचायत बाडमेर ग्रामीण के निर्माण कार्यो के लिए पंजीकृत फर्मो से ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकारी https://www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

NIB Code - ZBM2223A0383 UBN is: ZBM2223WSOB00403

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत बाडमेर ग्रामीण
सरपंच, ग्राम पंचायत बाडमेर ग्रामीण

एसआरजी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
321, एस.एम. लोढ़ा कॉम्प्लेक्स, शास्त्री सर्किल के पास, उदयपुर -313001(राजस्थान)
दूरभाष 0294-2561882 ईमेलः info@srghousing.com वेबसाइटः www.srghousing.com
CIN: L65922RJ1999PLC015440

परिशिष्ट – 4 {नियम 8 (1)} वास्तविक कब्जे की सूचना (स्थावर संपत्ति के लिए)

अधोहस्ताक्षरी, जो एसआरजीहाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड का प्राधिकृत अधिकारी है, ने वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवं सपठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के अंतर्गत निम्न ऋणी/सहऋणी/जमानतियों/बन्धककर्ता को एक मांग पत्र उसमें उल्लेखित रकम जो नीचे दर्शायी गयी है, उक्त सूचना पत्रकी प्राप्ति की तारीख से 60 दिवस के भीतर प्रतिदाय करने के लिए "मांग पत्र" जारी किया था । ऋणी/सहऋणी/जमानतियों/बन्धककर्ता द्वारा रकम का प्रतिदाय करने में असफल रहने पर ऋणी, सहऋणी, बन्धककर्ता, उनके जमानतदारोंएवं जनसाधारण को यहाँ सूचना दी जाती है की अधोहस्ताक्षरी ने उक्तअधिनियमधारा 13(4) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवं सपठित प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम 2002, के नियम 8 के अंतर्गत निम्न संपत्तियों का वास्तविक कब्ज़ा उल्लेखित दिनांक को ले लिया है। ऋणी सहऋणी, बन्धककर्ता व जमानतदारो को विशिष्ट रूप से एवं जनसाधारण को सामान्य रूप से इसके द्वारा सावधान किया जाता है की वह नीचे वर्णित संपत्तियों के सम्बन्ध में कोई व्यवहार नही करे। इन संपत्तियों के सबंध में किया गया कोई भी व्यवहार नीचे मांग पत्र में वर्णित रकम, और मांग पत्र की दिनांक से आगे के ब्याज, खर्चो, अन्य खर्चो आदि के लिए एसआरजी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड 321, एस.एम. लोढ़ा कॉम्प्लेक्स, शास्त्री सर्किल के पास, उदयपुर -313001(राजस्थान) के प्रभार के अधीन होगा । अधोहस्ताक्षरी उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के अंतर्गत सुरक्षित(सिक्योर्ड) प्रतिभूति के उन्मोचन के लिए उपलब्ध समय के प्रावधानोंकी ओर ऋणी, सहऋणी, बन्धककर्ता व उनके जमानतदारो का ध्यान आकृष्ट करता है।

क्रमांक	ऋण खाता संख्या/ ऋणी/ सहऋणी/ जमानती	1) मांग पत्र की दिनांक 2) कब्जे की दिनांक 3) मांग राशि मांग पत्र अनुसार	स्थावर संपत्ति का विवरण
1	HLR00000000002169 श्री नवीन सिंह राजपूत पुत्र श्री महेन्द्र सिंह राजपूत (ऋणी) श्री महेन्द्र सिंह राजपूत पुत्र श्री प्रीतम सिंह राजपूत (सह-ऋणी-1) श्रीमती माया देवी राजपूत पत्नी श्री महेन्द्र सिंह राजपूत (सह-ऋणी-2) सुश्री मनोरमा राजपूत पुत्री श्री महेन्द्र सिंह राजपूत (सह-ऋणी-3) श्री शिवदान सिंह चारण पुत्र श्री श्रेणीदान चारण (जमानती)	1) मांग पत्र की दिनांक -फरवरी 25, 2020 2) कब्जे की दिनांक-जून 25, 2022 3) मांग पत्र में अंकित राशि रु.6,24,750/- अक्षरे रूपये छः लाख चौबीस हजार सात सौ पचास मात्र, दिनांक फरवरी 20, 2020 एवं फरवरी 21, 2020 से भविष्य के ब्याज व खर्चे अतिरिक्त।	श्रीमती माया देवी राजपूत पत्नी श्री महेन्द्र सिंह राजपूत की संपत्ति जो ग्राम - स्वरूपगंज, तहसील-पिंडवाडा, जिला-सिरोही (राजस्थान) पर स्थित है जिसमे भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 437.5 वर्गफीट है। जिसकी चतुसीमा निम्न है - पूर्व - 20 फीटगली पश्चिम - आम रास्ता उत्तर -इसी पट्टे का 1/2 का भाग सीताराम पुत्र लक्ष्मीनारायण का मकान दक्षिण - अग्रवाल का प्लाट

स्थान - उदयपुर
प्रकाशन की दिनांक -28/06/2022

अधिकृत अधिकारी
एसआरजी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
उदयपुर(राजस्थान)

कांग्रेसजनों ने अग्निपथ योजना के विरोध में प्रदर्शन किया, भाजपा सरकार का कोसा

बाड़मेर जिले के सिवाना में गांधी चौक पर केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सत्याग्रह किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर में नगर कांग्रेस कमेटी की ओर से केन्द्र की भाजपा सरकार के विरोध में धरना प्रदर्शन किया गया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। नगर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में जालोर कलैक्ट्रेट के सामने केंद्र सरकार की युवा विरोधी योजना अग्निपथ के विरूद्ध धरना प्रदर्शन योजना के विरोध प्रदर्शन कर विरोध जताया।

धरने को संबोंधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार जब से केंद्र में आई है तब से युवा विरोधी, किसान विरोधी ओर गरीबो के विरोध में फैसले लेती रही है, करोडो युवाओ को नोटबन्दी कर बेरोजगार कर दिया गया, बिना सोच विचार कर गलत जीएसटी को व्यपारियो पर थोपा गया जिससे व्यापारियों को उक्त गलत जीएसटी को झेलना पडा और केंद्र द्वारा सैकडों बार गलत तरीके से लाई गई जीएसटी में परिवर्तन करना पडा, व्यपारियो को आर्थिक मार पडने लगी जिससे करोडो युवाओ को नॉकरी से भी निकाला गया। इसी प्रकार बिना सोच विचार कर लॉकडाउन लगाया गया, हजारो परिवार पलायन को मजबूर हुए, सैकडो लोगो की जान चली गई, करोडो युवा बेरोजगार हुए, ओर आज फिर एक बार केंद्र ने अग्निपथ योजना लाकर युवाओं के साथ कुठाराघात किया है।

वक्ताओं ने केंद्र की इस अग्निपथ योजना को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार को कोसा।

इस दौरान महिला आयोग की सदस्य व कार्यक्रम प्रभारी सुमित्रा जैन, प्रभारी भूराराम सीरवी,द पूर्व जिला प्रमुख मंजू मेघवाल, प्रतिपक्ष नेता कालू राम मेघवाल, सायला ब्लॉक अध्यक्ष अजीत सिंह देता, जालोर ब्लॉक अध्यक्ष जवाना राम माली ,पन्नेसिंह पोसाना, पार्षद एवं पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह सांखला, पार्षद बसंत सुथार, मनोनीत पार्षद सुरेश मेघवाल, सुष्मिता गर्ग, पार्षद अफरोजा, जुबेना बानू,हीराचंद भंडारी, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष शोभा सुंदेशा, युवा कांग्रेस विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष लक्ष्मी कांत दवे,वरिष्ठ कांग्रेसी नथू खान सूरज पाल सिंह, सुल्तान खान भाटी, गोपाल देवासी,जगदीश लोहार, जिला परिषद सदस्य रामा राम चौधरी,अयूब खान संगाना,वगता राम चौधरी,सवाई सिंह, पहाड़सिंह, दीपा राम सरपंच ओटवाला, छगन माली, मेदा राम भील,जोगा राम सरगरा, छगन आर्य, महेंद्र सोनगरा, समेला राम माली, मिश्री मल गहलोत, जयंती लाल परिहार बाबा खान, पारसाराम, रंजीत सिंह सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन बंशीलाल सोलंकी ने किया।

सिवाना संवाददाता के अनुसार : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई, अग्निपथ योजना के विरोध तथा योजना को वापस लेने की मांग को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा के निर्देशानुसार बाड़मेर जिले के सिवाना विधानसभा क्षेत्र मुख्यालय पर सोमवार को कॉर्डिनेटर डॉ.संजीव राजपुरोहित के नेतृत्व में सिवाना के गांधी चौक पर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को शांतिपूर्ण सत्याग्रह किया।

कांग्रेस नेता पंकज प्रतापसिंह, सिवाना प्रधान मुकनसिंह राजपुरोहित ने कहा कि केंद्र की सरकार द्वारा युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

विधानसभा क्षेत्र कॉर्डिनेटर डॉ. संजीव राजपुरोहित, ब्लॉक अध्यक्ष पुनमंचद रामदेव ने कहा कि अग्निपथ योजना युवाओं के हित में नहीं है। ब्लॉक महासचिव जाकिर हुसैन बेलिम ने कहा कि अग्निपथ योजना को लेकर पूरे देश में विरोध प्रदर्शन का दौर जारी है। सेवादल ब्लॉक अध्यक्ष छगनलाल मेघवाल, सेवादल विधानसभा अध्यक्ष खंगाराराम गहलोत, नगरपालिका अध्यक्ष रामनिवास आचार्य, लोकसभा महासचिव युवा कांग्रेस अरुण व्यास, बागसिंह राजपुरोहित, निजाम मोहम्मद, ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक मोटाराम मेघवाल, मालमसिंह मिठौडा, मेजरसिंह पिपलून, उत्तम सिंह राजपुरोहित एनएसयूआई जिला महासचिव, पहाडसिंह कुंडल, सिणधरी ब्लॉक भंवरलाल गर्ग, ऑल इंडिया कांग्रेस बिग्रेड के प्रदेशाध्यक्ष भगाराम मेघवाल,जबरसिंह राजपुरोहित सिनेर, रामसिंह गुडानाल, मोहनलाल गहलोत, सुरेश सांखला, खंगारराम गहलौत, पुरुषोत्तम सोनी समदडी धनराज चौधरी मोतीराम चौधरी, लालचंद मोकलसर, धुकाराम सुथार,करणाराम चौधरी, शैराराम प्रजापत, मदनपुरी गोस्वामी ईश्वरसिंह गोलियां, विरमाराम मेघवाल, रमेश सांखला, गोपालसिंह रातड़ी सहित कांग्रेस के अग्रिम संगठनों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

युवाओं के भविष्य के साथ धोखा अग्निपथ योजना : सालेह मोहम्मद

पोकरण, (निसं)। केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना के विरोध में कांग्रेस का प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में सत्याग्रह धरना प्रदर्शन किया गया। उपखण्ड मुख्यालय पर सोमवार को अंबेडकर सर्कल पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कैबिनेट मंत्री सालेह मोहम्मद के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन किया।

सालेह मोहम्मद ने कहा कि केंद्र सरकार ने सेना में अग्निपथ योजना लागू कर देश के युवाओं के भविष्य के साथ धोखा किया है। पिछले दो वर्ष में एक भी सेना भर्ती आयोजित नहीं कराई गई, जबकि इससे पहले प्रतिवर्ष थलसेना में ही साठ हजार सैनिकों की भर्ती होती थी। देश की सीमाओं को सुरक्षित रखने में सैनिकों का अहम रोल है, फिर भी केंद्र सरकार गलत नीतियां लागू कर सैनिकों के भविष्य के साथ खिलवाड कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार देश की सेना को कमजोर कर रही है, जिससे देश कमजोर होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के एक मंत्री ने अग्निपथ योजना के सैनिकों के बारे में कहा है कि रिटायरमेंट के बाद भाजपा कार्यालय में सुरक्षा गार्ड लगा देंगे।

इस प्रकार सैनिकों एवं देश के युवाओं के सपनों के साथ खेलना बन्द करें। उन्होंने कहा कि देश का विश्व पटल पर इसलिए ताकतवर देशों की सूची में नाम है क्योंकि भारत के पास परमाणु शक्ति है। इसी धरती पर परमाणु का परीक्षण हुआ था। देश की सेना को मजबूत किया जाना चाहिए, उसकी बजाय कमजोर करने पर आमादा हैं। उन्होंने कहा कि नेपाल जैसा छोटा देश आंख दिखा रहा है, चीन हमारी जमीन पर कब्जा कर रहा है, उधर पाकिस्तान आतंकवाद फैलाने में बाज नहीं आ रहा है। इन सब घटनाओं का मुहंतो? जवाब देना चाहिए। केंद्र सरकार केवल अग्निपथ योजना की झूठी प्रशंसा करने में मशगूल है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार अन्य पार्टियों के नेताओ को परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है, जो उनकी नहीं मानते हैं। उनके पीछे ईडी, सीबीआई की टीमें लगा देती है। मंत्री ने कहा कि देश एवं देश के युवाओं के हकों की लड़ाई केवल राहुल गांधी लड रहे हैं, गांधी से घण्टो पूछताछ की गई। लेकिन कुछ नहीं मिला। उन्होंने कहा कि राहुल एक अच्छे एवं सच्चे नेता हैं। गांधी परिवार ने देश को कुर्बानियां दी है। केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना के विरोध में पोकरण जैसलमेर विधानसभा क्षेत्र के कई कांग्रेसी कार्यकर्ता सत्याग्रह धरना प्रदर्शन में पहुंचे। वही अग्निपथ योजना विरोध कायक्रम के दौरान नवयुवको से ज्यादा अघेड उम्र के लोगो ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष आनंदीलाल गुचिया पूर्व जिला प्रमुख अब्दुला फकीर नगर पालिका पार्षद व प्रतिपक्ष नेता नारायण रंगा ने संबोधित किया।

अल्पसंख्यक मामलात मंत्री शाले मोहम्मद ने कहा कि केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का निर्वाचन क्षेत्र यही है, वे एक भी काम बताएं जो उन्होंने पूरा कर जनता को राहत दी है। उन्होंने कहा कि वे सीएम बनने के सपने देख रहे हैं, जबकि सूबे को कोई बड़ी योजना का लाभ तक नहीं दिला पाए। वे स्वयं मोदी से न मिल सकते हैं, तो राजस्थान के 25 सांसदों को एक साथ ले जाकर मोदी से मांग करें। इतना भी न कर सकते हैं तो कम से कम हमारे कार्यो में रोडा तो न अटकाएं।

मरूधरा बैंक की मोबाइल ए.टी.एम. वैन रवाना

जालोर में आयोजित राजस्थान मरूधरा ग्रामीण बैंक के ऋण वितरण समारोह में मोबाइल ए.टी.एम. वैन का लोकार्पण किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। राजस्थान मरूधरा ग्रामीण बैंक जालोर की ओर से मोबाइल एटीएम वैन लोकार्पण एवं ऋण वितरण शिविर का सोमवार को शहर में आयोजन किया गया।

जिसमें जन अभियोग निराकरण समिति के अध्यक्ष पुखराज पाराशर, ओबीसी वित्त एवं विकास कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष पवन गोदारा व जिला कलैक्टर निशान्त जैन ने जालोर क्लब से राजस्थान मरूधरा ग्रामीण बैंक की मोबाइल एटीएम वैन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान जिला कलक्टर निशांत जैन ने मोबाइल एटीएम वैन का अवलोकन कर पहला ट्रांजेक्शन भी किया। राजस्थान मरूधरा ग्रामीण बैंक को नाबार्ड के सहयोग से प्राप्त यह मोबाइल एटीएम वैन जालोर जिले के क्षेत्रवासियों को समर्पित की गई। यह मोबाइल एटीएम वैन जालोर जिले के दूरस्थ क्षेत्रों एवं ढ़ाणियों में आमजन को बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करेंगी। मोबाइल एटीएम वैन के माध्यम से वित्तीय साक्षरता एवं डिजिटल बैंकिंग के बारे में जागरूकता के लिए शिविर आयोजित कर बैंकिंग के बारे में जागरूक किया जायेगा तथा सरकारी योजनाआ ंकी जानकारी जन-जन तक पहुंचाई जायेगी।

कार्यक्रम के दौरान जन अभियोग निराकरण समिति के अध्यक्ष पुखराज पाराशर ने जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में सभी बैंकिंग उत्पाद पहुंचाने एवं सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए राजस्थान मरूधरा ग्रामीण बैंक की सराहना की। विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत ऋण स्वीकृति पत्र जारी किये गये।

इस अवसर पर नाबार्ड एजीएम डॉ. दिनेश प्रजापत, आरएमजीबी महाप्रबंधक के.एन.द्विवेदी, मुख्य विकास अधिकारी अभिमन्यु चारण, क्षेत्रीय प्रबंधक मदनलाल व मुख्य प्रबंधक हितेश राजपुरोहित सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बीसूका की द्वितीय स्तरीय बैठक सम्पन्न

जालोर, (कासं)। बीस सूत्री कार्यक्रम की द्वितीय स्तरीय बैठक अतिरिक्त जिला कलैक्टर राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में अतिरिक्त जिला कलैक्टर राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल ने माह मई, 2022 तक विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा कर निर्देश देते हुए कहा कि जब तक आयोजना (बीसूका) विभाग, राज0 जयपुर से वर्ष 2022-23 के लक्ष्यों की प्राप्ति नहीं होती है तब तक गत वर्ष (2021-22) के लक्ष्यों को ही इस वर्ष के लिए संभावित लक्ष्य मानते हुए कार्यक्रमों का क्रियान्वयन जारी रखा जावें। यदि गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष के लक्ष्यों मे किसी विभाग को संशोधन करवाना हो तो अपने विभागाध्यक्ष के माध्यम से आयोजना (बीसूका) विभाग, जयपुर को इस संबंध में अवगत करवाया जावें। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय कुमार वासु, उप वन संरक्षक यादवेन्द्र सिंह चुण्डावत, नगर परिषद आयुक्त महिपााल सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी व कार्मिक उपस्थित रहे।

तनोट माता के दर्शन किए

बाड़मेर में जांगिड़ जागृति मंच व महिला मंडल ने तनोट माता दर्शन यात्रा की। फोटो-राष्ट्रदूत

बाड़मेर, (निसं)। जाँगिड जागृति मंच एवं जाँगिड महिला मंडल बाड़मेर के संयुक्त तत्वावधान में विश्व विख्यात मातेश्वरी तनोटराय दर्शन यात्रा का आयोजन रविवार को किया गया।

जाँगिड जागृति मंच के सचिव अरविंद जाँगिड ने बताया कि रविवार सुबह 6.45 बजे स्थानीय जाँगिड पंचायत भवन से यात्रा को जाँगिड पंचायत के अध्यक्ष देवाराम ब्रह्मक्षत्रिय ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा से पहले भगवान विश्वकर्मा मंदिर में आरती व पूजन किया गया। यात्रा के दौरान देगराय मंदिर, मां घंटियाली मंदिर, तनोटराय मंदिर व वैशाखी ब्रहमसर का भ्रमण किया गया।

इस दौरान तनोटराय मंदिर में महिला मंडल द्वारा भजन कीर्तन भी किये गए। यात्रा संयोजक अरुण जाँगिड व अरविंद जाँगिड ने श्रद्धालुओं को भ्रमण के दौरान प्राचीन मंदिरों की कला, संस्कृति, ऐतिहासिक परिदृश्य आदि के बारे में जानकारी दी। यात्रा में 120 से अधिक समाज बंधु, बालक बालिकाएं व मातृ शक्ति मौजूद रही। यात्रा पुनः रात्रि 10.30 बजे जाँगिड पंचायत भवन, बाड़मेर पहुँची। यात्रा में जाँगिड जागृति मंच के अध्यक्ष लव जाँगिड,महिला मंडल अध्यक्ष मगी देवी, मंच सचिव अरविंद जाँगिड, कोषाध्यक्ष अरुण जाँगिड, पदम जाँगिड,ललित जाँगिड, प्रवीण जाँगिड आदि साथ रहे।

यात्रा के दौरान जैसलमेर में जाँगिड समाज, जैसलमेर व आईनाथ देगराय सेवा समिति द्वारा स्वागत किया गया।

सांख्यिकी दिवस पर होगा कार्यशाला का आयोजन कल

जालोर, (कासं)। प्रो. पी.सी. महालनोबिस के आर्थिक नियोजन एवं सांख्यिकीय विकास क्षेत्र में दिये गये योगदान के उपलक्ष्य में उनके जन्म दिवस 29 जून को 16वें सांख्यिकी दिवस के अवसर पर जिला कलक्टर निशांत जैन की अध्यक्षता में ''सतत् विकास के लिए डेटा'' थीम पर पंचायत समिति हॉल जालोर में कार्यशाला आयोजित की जायेगी। आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग जालोर के सहायक निदेशक डॉ. धनसिंह राजपुरोहित ने बताया कि सांख्यिकी दिवस पर 29 जून को ''सतत् विकास के लिए डेटा'' थीम पर प्रातः 8 बजे पंचायत समिति हॉल जालोर में छात्र-छात्राओं के लिए क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। प्रातः 10 बजे मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन किया जायेगा तथा प्रातः 10.15 बजे मुख्य अतिथि का उद्बोधन होगा। प्रातः 10.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक राज्य स्तर पर आयोजित कार्यशाला में वेबिनार के माध्यम से जुड़ाव होगा।

अवधेशानंद महाराज फालना पहुंचे

फालना, (निसं)। दंडी स्वामी अवधेशानंद महाराज सूरजकुंड धाम अल्प प्रवास में फालना शहर में आए। सोमवार को उन्होंने भाविको को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी ऊंची उडान भरने के लिए ही बने हैं। लेकिन कई बार हम जो कर रहे होते हैं। उसके लिए इतने आदी हो जाते हैं कि अपने ऊंची उडान भरने की क्षमता को भूल जाते जन्म जन्म से हम वासनाओं की डाल पर बैठते हैं और अज्ञान वर्ष यह भी हमें ज्ञात नहीं कि जो हम आज कर रहे हैं। उन्होने प्रवचन में बताया कि हमने जन्मो जन्म किया है और यह हम भूल ही गए कि हम उडान भर सकते हैं। अतृप्त वासनाओं की डाल पर बैठे - बैठे हम विस्मृत हो गए। दंडी स्वामी का चातुर्मास 12 जुलाई का प्रवेश तखतगढ में है। इस अवसर पर नंदू भाई मेवाडा, हितेश(हैप्पी) मेवाडा,अमित मेहता, लालचंद मेवाडा, सतपाल सिंह देवडा, रमेश मेवाडा, हिमांशु वैष्णव, घेवर सिंह, शंकर देशवाल आदि भक्तगण उपस्थित थे।

आग से सामान जलकर राख

रानी, (निसं)। नगर पालिका क्षेत्र रानी के छोटी रानी आईटीआई कॉलेज रोड पर उमा राम पुत्र पन्नालाल चौधरी के खेत की बाढ में अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग ने तुरंत ही विकराल रूप ले लिया स्थानीय निवासी एवं खेत मालिक ने अपने स्तर पर टैंकर से आग बुझाने की काफी मशक्कत की।

सूचना पर नगर पालिका रानी के अधिशासी अधिकारी दीनमोहम्मद ने नगरपालिका की जेसीबी को मौके पर भेजा परंतु आग के विकराल रूप को काबू पाना मुमकिन नहीं हुआ। तब नगर पालिका उपाध्यक्ष डालचंद मेवाडा ने अग्निशमन केंद्र फालना को दूरभाष पर सूचना दी। अग्निशमन वाहन न लगभग 1 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में सिलाई प्रशिक्षण अनुकरणीय : पाराशर

जालोर, (कासं)। जन अभियोग निराकरण समिति के अध्यक्ष पुखराज पाराशर ने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में सिलाई प्रशिक्षण के माध्यम से बालिकाओं एवं महिलाओं को प्रशिक्षण देना अनुकरणीय है। इस प्रकार के प्रशिक्षण से महिलाएं एवं बालिकाएं आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से सबल बनती हैं। समिति के अध्यक्ष पुखराज पाराशर जिला प्रशासन, पुलिस एवं मनस्वां संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सिलाई प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभागियों का प्रमाण पत्र वितरण समारोह में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जिले में स्कूटी सिखाओ, अंग्रेजी सिखाओ एवं सिलाई प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को आगे बढ़ने का मौका मिलता है। समारोह के प्रारंभ में जन अभियोग निराकरण समिति के अध्यक्ष पुखराज पाराशर, ओबीसी वित्त एवं विकास कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष पवन गोदारा, जिला कलैक्टर निशांत जैन व जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला का माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुकृति उज्जैनिया ने स्वागत उद्बोधन में सिलाई प्रशिक्षण के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

जिला कलैक्टर निशांत जैन ने कहा कि इस प्रकार के महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक सरोकार के कार्य में जिला प्रशासन द्वारा हर संभव सहयोग किया जायेगा। जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने कहा कि महिलाएं एवं बालिकाएं जीवन में प्रशिक्षण से मिले कौशल का उपयोग कर आर्थिक रूप से सम्पन्न बने। अतिथियों ने प्रशिक्षण लेने वाली बालिकाओं एवं महिलाओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए। वही सिलाई प्रशिक्षण, स्कूटी सिखाओ प्रशिक्षण एवं अंग्रेजी सिखाओ प्रशिक्षण में सहयोग करने वाले भाामशाहों रमेश जैन, नेमीचंद जैन, लक्ष्मण पटेल, लक्ष्मी मीणा व चिरंजीलाल दवे एवं प्रशिक्षक वशिष्ठ परमार व उर्मिला का अभिनंदन किया गया। संचालन अम्बिका प्रसाद तिवारी ने किया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक सुभाषचन्द्र मणि सहित प्रशिक्षणार्थी महिलाएं व बालिकाएं उपस्थित रही।

भाजपाइयों ने सांसद देवजी भाई पटेल को बदनाम करने के मामले को लेकर रोष जताया

स्वरूपगंज के भाजपा कार्यकर्ताओं ने सांसद देवजी पटेल को बदनाम करने करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर एस.डी.एम. पिंडवाड़ा को ज्ञापन सौंपा। फोटो-राष्ट्रदूत

रेवदर में भाजपा कार्यकर्ता जिला अध्यक्ष नारायण पुरोहित, रेवदर-आबूरोड विधायक जगसीराम कोली के नेतृत्व में मुख्यमन्त्री के नाम एसडीएम दूदाराम हुड्डा को ज्ञापन देने पहुंचे। फोटो-राष्ट्रदूत

स्वरूपगंज, (निसं)। जालोर - सिरोही सांसद देवजी भाई पटेल को असामाजिक तत्वों द्वारा बदनाम करने के मामले को लेकर सोमवार को उपखंड अधिकारी पिंडवाडा के माध्यम से राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

इस अवसर पर पिण्डवाडा आबु विधायक समाराम गरासिया, जिला परिषद सदस्य किरण राजपुरोहित , महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अंशु वशिष्ठ, मंडल अध्यक्ष लीला राम प्रजापत, नगर अध्यक्ष महावीर यति, मंडल अध्यक्ष रोहित रावल, पुर्व मंडल अध्यक्ष नरपत सिंह राणावत, अस टी मोर्चा जिलाध्यक्ष धनाराम मीणा , हिम्मत राजपुरोहित, रम्भा देवी,रेणु वर्मा , पंचदेवल सरपंच विपेश गरासिया , रणछोड रावल, पुर्व मंडल अध्यक्ष हिराराम चौधरी, शिवलाल घांसी झाडोली, पंचायत समिति सदस्य पोसाराम देवासी , अर्जुन पुरोहित एडवोकेट , प्रदीप भांड , रतन लाल लोटाणा सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रेवदर संवाददाता के अनुसार : सांसद देवजी पटेल के छवि को धूमिल करने के मामले को लेकर असामाजिक तत्वों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने को लेकर भाजपाइयों ने जिला अध्यक्ष नारायण पुरोहित, रेवदर-आबूरोड विधायक जगसीराम कोली के नेतृत्व में मुख्यमन्त्री के नाम एसडीएम दूदाराम हुड्डा को ज्ञापन सौंपा गया।

इससे पहले रेवदर के सीयाराम कुटिया में बैठक आयोजित हुई। जिसमें भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी एकत्रित हुए उसके बाद में आरोपियों की तुछ हरकत के विरुद्ध नारेबाजी लगाते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचे। सांसद पटेल के चरित्र को बदनाम करने की नाकाम कोशिश करने वालों को गिरफ्तार करके खुला सर्व समाज के सामने लाने की मांग की है।

तेज रफ्तार इनोवा कार ने बुलेट बाइक को टक्कर मारी; युवक की मौत, साथी घायल

भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही बाइक की टंकी में आग लग गई, जिसमें दोनों वाहन जल गए

जयपुर (कासं)। राजधानी की मोतीडूंगरी रोड पर सोमवार अलसुबह तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। टैक्सी इनोवा कार ने गणेश मंदिर चौराहे पर बुलेट बाइक पर सवार दो

- **मोतीडूंगरी चौराहे पर सोमवार अलसुबह 3 बजे हुआ हादसा, पुलिस मामले की जांच में जुटी**

युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि टक्कर के बाद बाइक की पेट्रोल टंकी में तुरंत आग लग गई। इसके बाद दोनों वाहन धूं-धूं कर जल गए। हादसे में बाइक सवार एक एमबीबीएस छात्र की मौत हो गई, जबकि उसका साथ अस्पताल में जिंदगी-मौत से संघर्ष कर रहा है। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर युवक का शव परिजनों के हवाले कर दिया। वहीं दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर मामले की जांच शुरू की है।

जयपुर में मोतीडूंगरी रोड पर गणेश मंदिर चौराहे पर हुए हादसे में क्षतिग्रस्त बाइक और कार।

पुलिस ने बताया यह हादसा सोमवार अलसुबह 3 बजकर 5 मिनट पर गणेश मंदिर चौराहे पर हुआ। तेज रफ्तार इनोवा कार तख़्तेशाही रोड की तरफ से आ रही थी, जबकि बुलेट बाइक पर सवार दो एमबीबीएस छात्र जेडीए सर्किल की तरफ से एसएमएस मेडिकल कॉलेज की तरफ जा रहे थे। इस दौरान गणेश मंदिर चौराहे पर तेज रफ्तार में इनोवा कार ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के पेट्रोल टैंक में आग लग गई, जिसने इनोवा को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बाइक सवार दोनों युवकों को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया, जहां सुबह करीब 8 बजे इलाज के दौरान विजय चौधरी (22) पुत्र बाबूलाल चौधरी निवासी साहिबरामपुरा, कालाडेरा की सिर में गंभीर चोट और झुलसने के कारण मौत हो गई। उसका साथी मृगांक राणा (21) पुत्र विकास निवासी भरतपुर का अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसके सिर में गंभीर चोट और पैर में फ्रैक्चर हुआ है।

पुलिस के मुताबिक बाइक को टक्कर मारने वाली इनोवा कार राजस्थान टूर एंड ट्रैवल्स कंपनी की है, जो कि रात को अपने स्टाफ को घर छोड़कर आ रही थी। घटना के वक्त कार में 3-4 लोग सवार थे, जो कि स्थानीय लोगों के आने पर मौके से फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक मृतक विजय चौधरी और घायल मृगांक एसएमएस मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे है, जो कि द्वितीय वर्ष के स्टूडेंट है।

बताया जा रहा है वह रात को अपने दोस्तों से मिलकर हॉस्टल लौट रहे थे। इस दौरान गणेश मंदिर चौराहे पर हादसा हो गया।

छह दिन बाद नए करोना संक्रमितों की संख्या सौ के नीचे आई

राज्य में सोमवार को 97 नए संक्रमित मिले, इससे पहले रविवार को 161 रोगी पाए गए थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में छह दिन बाद सोमवार को नए करोना संक्रमितों की संख्या सौ के नीचे आ गई है। इसके चलते राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 97 नए संक्रमित मिले हैं। हालांकि, एक्टिव केस बढ़कर 880 हो गए हैं।

प्रदेश में सोमवार को 13 जिलों में 97 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले रविवार को 161 रोगी पाए गए थे। इधर आज राजधानी जयपुर में भी थोड़ी गिरावट के बाद 41 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा अजमेर में 16, जोधपुर में 12, सिरोही में 8, उदयपुर में 7, बीकानेर में 6 तथा टोंक, नागौर, अलवर, बांसवाड़ा, दौसा, गंगानगर और हनुमानगढ़ में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच 20 जिलों बारां, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी,

- **राजधानी जयपुर में भी थोड़ी गिरावट के बाद 41 नए मरीज मिले हैं।**
- **प्रदेश में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 880 हो गए हैं।**

चित्तौड़गढ़, चूरू, धौलपुर, डूंगरपुर, जैसलमेर, जालोर, झालावाड़, झुंझुनूं, करौली, कोटा, पाली, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर और सीकर में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

प्रदेश में सोमवार को भी रिकवरी कम हुई है। इस दौरान 75 मरीज ठीक हुए हैं। वहीं एक्टिव केस बढ़कर 880 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 336 मामले जयपुर में है। राज्य में पिछले चौबीस घंटे में करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि, प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9563 लोगों मृत्यु हो चुकी है।

राजधानी जयपुर में सोमवार को सबसे ज्यादा 7 नए संक्रमित मालवीय नगर में पाए गए हैं। इसके अलावा वैशाली नगर में 4, बजाज नगर और मोती डूंगरी रोड पर 3-3, दुर्गापुरा, गांधी नगर, जगतपुरा, झोटवाडा, खातीपुरा, सांगानेर और सोडाला में 2-2 तथा आमेर, बापूनगर, सी-स्कीम, चांदपोल, सिविल लाइंस, जवाहर नगर, मानसरोवर, शास्त्री नगर और टोंक फाटक इलाके में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच जिले में 33 रोगी ठीक हुए हैं।

राज्य में 309 कोविड से मृतक राजकीय कार्मिकों के आश्रितों को 154.50 करोड़ की मदद

जयपुर, (का.सं.)। राजकीय सेवा से संम्बद्ध कोविड मृतक कार्मिकों के आश्रितों को सहायता राशि उपलब्ध करवाने के संबंध में सोमवार को सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के शासन सचिव डॉ. पृथ्वी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोविड से मृतक राजकीय कार्मिकों के आश्रितों को सहायता राशि दिलवाने के बकाया मामलों में सहानुभूतिपूर्वक विचार करें।

डॉ. पृथ्वी ने कहा कि ये सभी कार्मिक सीधे तौर पर कोविड प्रबंधन से जुड़े हुए थे और उन्होंने लोगों को बचाने के लिए अपनी जान की परवाह नहीं करते हुए राजकीय कर्त्तव्य का पालन किया। अब हमारा फर्ज बनता है कि हम उनके आश्रितों को सहायता राशि दिलवायें।

- **सभी विभाग इन मामलों में सहानुभूति पूर्वक विचार करें : डॉ. पृथ्वी**

उन्होंने कहा कि बकाया प्रकरणों में जहां दस्तावेजों की औपचारिकता बाकी है वहां संबंधित विभाग आगे बढ़कर दस्तावेजों को पूरा करवाये और मृतक के आश्रितों को राहत प्रदान करें। उन्होंने आगामी 10 दिवस में बकाया प्रकरणों का निस्तारण करने के निर्देश प्रदान किए।

राज्य में कोविड से मृतक 309 कार्मिकों के आश्रितों को 154.50 करोड़ रुपये की सहायता राशि अब तक दी जा चुकी है।

राज्य में राजकीय सेवा से सम्बद्ध 309 कोविड से मृतक कार्मिकों के आश्रितों को 154.50 करोड़ रुपये की सहायता राशि दिलवायी जा चुकी है। राजकीय सेवा से सम्बद्ध कोविड से मृतक के आश्रितों को 50-50 लाख रुपये की सहायता राशि सरकार की ओर से प्रदान की जा रही है।

पूनिया ने प्रधानमंत्री आवास योजना में बने मकानों का निरीक्षण किया

जयपुर। विधायक जनसंवाद कार्यक्रम के तहत भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने लगातार दूसरे दिन आमेर विधानसभा क्षेत्र में गांवों-ढाणियों में पहुंचकर जनसुनवाई कर आमजन की समस्याओं को सुनकर त्वरित निदान किया। जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान ही सतीश पूनिया ने आमेर के चिताणु कलां गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना से बन रहे श्रीदेवी एवं ममता देवी के मकानों का निरीक्षण कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार-अभिनंदन व्यक्त किया। पूनियां ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना केवल मकान बनाने का अभियान नहीं है, यह गरीबों को घर प्रदान कर उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए हौसला प्रदान करने का ऐतिहासिक अभियान है। उन्होंने कहा कि मेरे आमेर परिवार के चिताणु कलां की बहन ममता देवी एवं श्रीदेवी को भी प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से बहुत ही सुंदर आवास मिले, इसके लिए आमेर विधानसभा क्षेत्र के लाभार्थियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मैं कृतज्ञ आभार प्रकट करता हूं।

मोदी सरकार के हर फैसले पर कांग्रेस का विरोध करना पुरानी आदत है : राठौड़

जयपुर। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने अग्निपथ योजना के विरोध में कांग्रेस द्वारा प्रदेशभर में किये जा रहे विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि युवाओं को कांग्रेस की क्रोनोलॉजी समझनी चाहिए कि पहले नोटबंदी, जीएसटी, तीन तलाक, नागरिकता संशोधन कानून, जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाना और अब अग्निपथ योजना का विरोध यानी मोदी सरकार द्वारा देशहित में लिये गये हर ऐतिहासिक निर्णयों का बिना सोचे-समझे व राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति हेतु विरोध करना कांग्रेस की पुरानी आदत है।

राठौड़ ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा भारतीय सेना को मजबूत करने और युवाओं को सेना में अधिकाधिक अवसर देने के लिए लाई गई अग्निपथ योजना के विरोध में आज कांग्रेस पार्टी संघवाद की भावना के विपरीत प्रदेशभर में धरना-प्रदर्शन की नौटंकी करके राजनीतिक रोटियां सेंकने में लगी है जो अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय है। इससे पहले विगत सप्ताह ही केन्द्रीय सूची के विषय सेना के संबंध में केन्द्र सरकार लिये गये निर्णय के विरोध में राज्य मंत्रिपरिषद अग्निपथ योजना को वापस लेने के संबंध में प्रस्ताव पारित करने का कुकृत्य भी कर चुकी है।

राठौड़ ने कहा कि सड़कों पर प्रदर्शन करने से पूर्व राज्य सरकार को यह बताना चाहिये कि 2 वर्ष पहले सदन में राजस्थान पुलिस (संशोधन) विधेयक, 2020 पारित करके राजस्थान पुलिस अधिनियम 2007 में संशोधन कर ग्राम रक्षकों के साथ भेदभाव एवं अन्याय क्यों किया था? जिसके माध्यम से कांग्रेस सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस की मदद के लिए नियुक्त होने वाले ग्राम रक्षकों की पदावधि को 3 वर्ष से घटाकर 2 वर्ष किया था और साथ ही उनका मानदेय भी पूर्णतया समाप्त कर दिया था जबकि केन्द्र सरकार तो अग्निवीरों को वेतन सहित अन्य सभी सुविधाएं प्रदान कर रही है। राठौड़ ने कहा कि कभी राजभवन तो कभी गांधी की मूर्ति के सामने सर्वाधिक बार कांग्रेस पार्टी अपनी ही सरकार में विरोध-प्रदर्शन का अनूठा रिकॉर्ड बना रही है।

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अपार संभावनाएं : मुख्य सचिव

मुख्य सचिव उषा शर्मा ने सोमवार को सचिवालय स्थित अपने कक्ष में अक्षय ऊर्जा निगम के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में रेन्यूएबल एनर्जी कॉरपोरेशन लिमिटेड के चेयरमैन टी. रविकांत, एमडी अनिल ढाका, संयुक्त सचिव अतुल प्रकाश, विशेषाधिकारी नवीन शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जयपुर, (का.सं.)। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने कहा कि प्रदेश में सोलर पावर के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। राजस्थान सौर ऊर्जा के उत्पादन में सिरमौर है। उन्होंने कहा कि रेगिस्तानी जिलों में क्षेत्र विस्तार कर किसानों को सौर ऊर्जा के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। शर्मा ने सोमवार को सचिवालय स्थित अपने कक्ष में अक्षय ऊर्जा निगम के अधिकारियों के साथ अहम बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा कि पश्चिमी राजस्थान के जिलों में जहां किसी भी वजह से जमीन काम नहीं आ रही वहां के कृषकों को सोलर के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निजी कंपनियों के साथ ज्वाइंट वेंचर कर सोलर के क्षेत्र में कार्य करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश में विगत वर्षों में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन आया है। उन्होंने इस मौके को पूर्णतया भुनाते हुए अधिक से अधिक सौर ऊर्जा के उत्पादन पर जोर दिया जाना चाहिए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में वर्तमान में रिन्यूएबल एनर्जी से 18 गीगाबाइट ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है। निगम का लक्ष्य 2030 तक 90 गीगाबाइट ऊर्जा उत्पादन करना है। इस दौरान पवन, हाइब्रिड, बायोमास, स्मॉल हाइड्रो सहित कई वैकल्पिक माध्यमों से प्राप्त ऊर्जा के बारे में विस्तार से बताया गया। शर्मा ने सौर ऊर्जा के साथ शहरों के लिए रूफटॉफ एनर्जी के इस्तेमाल पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि डिस्कॉम व निगम समन्वय से रूफटॉफ एनर्जी के बारे में प्रचार प्रसार करे और एक नीति बनाकर आमजन को रूफटॉफ एनर्जी उपलब्ध कराए। उन्होंने इस दौरान मुख्यमंत्री बजट घोषणाओं की समीक्षा करते हुए उन्हें जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने रेन्यूएबल एनर्जी के उत्पादन और इस्तेमाल को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

अगर हम एजबेस्टन में जीते तो यह भारत की सर्वश्रेष्ठ जीत में से एक होगी : पुजारा

लेस्टर, 27 जून। भारत लगभग एक साल से इतिहास रचने के शिखर पर है। भारत ने पिछले साल सितंबर में पांच मैचों की सीरीज़ में 2-1 की बढ़ त के साथ इंग्लैंड छोड़ दिया था। अब आख़िरकार यह सीरीज़ एक जुलाई से दोबारा एजबेस्टन में शुरू हो रही है और अगर यह आख़िरी मैच भारत के पक्ष में गया तो चेतेश्वर पुजारा को लगता है कि यह भारत की सर्वश्रेष्ठ जीत में से एक होगी।

लेस्टरशायर के ख़िलाफ़ अभ्यास मैच से इतर पुजारा ने बीसीसीआई वेबसाइट पर कहा किमुझे लगता है कि सबसे अच्छी बात यह है कि हमारे पास खिलाड़ियों का अच्छा ठुप है। हमारे पास अच्छे तेज़ गेंदबाज़ हैं। पिछले चार टेस्ट मैचों में जिस तरह से खिलाड़ियों ने अच्छा किया है, मुझे पूरा विश्वास है कि ऐसा ही प्रदर्शन करने के लिए खिलाड़ी उत्सुक होंगे और अगर हम यह मैच जीतते हैं और इंग्लैंड की सरजमीं पर सीरीज़ जीतते हैं तो मुझे लगता है कि यह भारत की सर्वश्रेष्ठ जीत में से एक होगी।"

जब यह सीरीज़ कोविड की वजह से रूकी थी तो भारत इसमें आगे था। केएल राहुल और जसप्रीत बुमराह ने लॉर्ड्स के मैदान पर आख़िरी दिन शानदार जीत दिलाई थी। ओवल में रोहित शर्मा ने दिखाया कि वनडे की आक्रामकता के इतर टेस्ट में उनके पास डिफ़ेंस की मास्टरक्लास है। बुमराह, मोहम्मद शमी के साथ उस दौरान शानदार दिखे तो मोहम्मद सिराज ने दबाव में कमाल का प्रदर्शन किया। लेकिन अब चीज़ें जुदा हैं। ब्रेंडन

मैकुलम टीम के कोच बन चुके हैं और कप्तानी बेन स्टोक्स के पास है। इंग्लैंड ने टेस्ट क्रिकेट खेलने की एक आक्रामक शैली को अपनाया है जिसने पहले ही उन्हें इतिहास बनाने में मदद की है।

नए मैनेजमेंट के नेतृत्व में मात्र दूसरे ही मैच में उन्होंने विश्व चैंपियन न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ 50 ओवर में 299 रन बनाकर जीत हासिल की थी। भारतीय खिलाड़ी भी अच्छी लय में हैं लेकिन ज़्यादातर खिलाड़ी टी20 क्रिकेट सीज़न खेलने के बाद आ रहे हैं, जबकि उनकी विरोधी टीम के खिलाड़ी पहले से ही टेस्ट क्रिकेट के रंग में रंग चुके हैं। पुजारा ने कहा कि मुझे लगता है कि यह हमारे लिए अच्छी चुनौती है। हां हम सीरीज़ में 2-1 से आगे हैं, लेकिन उसी जगह यह इस सीरीज़ का सबसे अहम टेस्ट है। और जैसा कि आपने बताया कि यह बहुत लंबे समय बाद हुआ तो हमें बस दोबारा से एक साथ जुड़ना होगा। हमें बस अपनी ताक़त को समझना होगा। अच्छी बात यह है कि हम यहां पहले ही पहुंच गए हैं। खिलाड़ियों ने यहां पर बहुत तैयारी की है। और हां, अगर हम अपनी ताक़त के साथ खेले, समझे कि एक टीम के तौर पर हमें क्या चाहिए और उन चार टेस्ट में हमें कैसे सफलता मिली तो हम उन चीज़ों को दोहरा सकते हैं। लेकिन इंग्लैंड की टीम में भी कुछ बदलाव हुए हैं। तो हमें उनकी ताक़त को समझने की ज़रूरत है और उसके बाद अपनी रणनीति बनानी होगी। मुझे उम्मीद है कि सहायक स्टाफ़ और प्रबंधन रणनीति के बारे में बाद में बात करेंगे, लेकिन हमें इस अहम टेस्ट के लिए अच्छे से रणनीति बनानी होंगी। 2007 में टीम इंडिया के कोच राहुल द्रविड़ ने भारत को इंग्लैंड में इंग्लैंड के ख़िलाफ़ सीरीज़ जिताई थी, लेकिन उसके बाद से ऐसा नहीं हो सका है। 15 साल हो गए हैं और भारत के लिए पुजारा ने टीम से ड्रॉप होने के बाद दोबारा वापसी की है। श्रीलंका के ख़िलाफ़ घरेलू सीरीज़ से उन्हें बाहर कर दिया गया था। 34 वर्षीय बल्लेबाज़ के पास सीमिंग परिस्थितियों में खेलने का अच्छा अनुभव है, जिसका उन्होंने अप्रैल और मई में अच्छा उपयोग किया। काउंटी चैंपियनशिप डिवीजन टू में ससेक्स के लिए खेलते हुए उन्होंने आठ पारियों में 720 रन जड़ दिए थे। पुजारा से जब उनके गेम प्लान के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि हम अलग अलग फ़ेज में अच्छी बल्लेबाज़ी करें। आपको पूरे समय अच्छी बल्लेबाज़ी करनी होगी लेकिन आपको गेम के फ़ेज को समझना जरूरी है। ड्यूक गेंद को देखते हुए आपको यह पक्का करना होगा कि जब यह नई हो तो आप कई विकेट नहीं गंवाए। जबकि एक बल्लेबाज़ के तौर पर आप को पुरानी गेंद की तुलना में अधिक सतर्क रहने की ज़रूरत है। कई बार ऐसा समय आएगा जब गेंदबाज़ स्फुर्ती से भरे होंगे और वे अच्छे स्पेल करेंगे। आपको उसे समझने की ज़रूरत है। ऐसे भी समय आएंगे जब आप चौथे गेयर में होंगे, जब आप समझेंगे कि गेंद अच्छा नहीं कर रही है और गेंदबाज़ थके हुए हैं।

इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराया, सीरीज़ 3-0 से अपने नाम की

लीड्स, 27 जून। जो रूट (86), ओली पोप (82) और जॉनी बेयरस्टो (71) के अर्धशतकों की बदौलत इंग्लैंड ने न्यूज़ीलैंड को तीसरे टेस्ट में सात विकेट से हराकर सीरीज़ 3-0 से अपने नाम की।

इस सीरीज़ से पहले इंग्लैंड टेस्ट क्रिकेट में लगातार खराब प्रदर्शन के कारण सवालों से घिरी हुई थी, लेकिन कोच ब्रेंडन मैकुलम और कप्तान बेन स्टोक्स की अगुवाई में टीम ने 'मेकस्टोक्स एरा' की शुरुआत जीत के साथ करके सभी आलोचकों को शांत कर दिया है। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप विजेता न्यूज़ीलैंड ने इंग्लैंड के सामने 296 रन का लक्ष्य रखा था और पांचवे दिन सोमवार को इंग्लैंड को 113 रन और बनाने थे। इंग्लैंड ने तीन विकेट पर 296 रन बनाकर न्यूज़ीलैंड को 3-0 से सफाया कर दिया।

इंग्लिश टीम ने 183/2 से शुरू करते हुए पोप का विकेट जल्दी गंवा दिया। 108 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 82 रन बनाने वाले पोप को टिम साउदी ने बोल्ड किया, लेकिन इसके बाद क्रीज़ पर आये बेयरस्टो की धुंआधार बल्लेबाज़ी की मदद से इंग्लैंड ने आसानी से जीत दर्ज की। अपनी पिछली दो पारियों में शतक (136, 162) लगाने वाले बेयरस्टो ने 43 गेंदें खेलकर नौ चौकों और तीन छक्कों की बदौलत नाबाद 71 रन बनाये। उनके साथ रूट भी 125 गेंदों पर 11 चौके और एक छक्का लगाकर 86 रन पर नाबाद रहे। बेयरस्टो ने माइकल ब्रेसवेल की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का मारकर मैच समाप्त किया। न्यूज़ीलैंड की ओर से माइकल ब्रेसवेल और टिम साउदी ने एक-एक विकेट लिया।

इंग्लैंड की वनडे और टी20 की कप्तानी छोड़ सकते हैं मॉर्गन

लंदन, 27 जून। इयोन मॉर्गन साढ़े सात साल के कार्यभार के बाद मंगलवार को इंग्लैंड के सीमित ओवरों की कप्तानी छोड़ सकते हैं। मॉर्गन को 2014 में नियुक्त किया गया था। उन्होंने सीमित ओवरों के क्रिकेट में इंग्लैंड के दृष्टिकोण को बदलने में नेतृत्व किया।

मॉर्गन ने वनडे टीम में बदलाव किया और इंग्लैंड को 2019 में पहला विश्व कप ख़िताब जिताया, लेकिन उनकी फ़ॉर्म और फ़िटनेस ने उन्हें अपने भविष्य पर विचार करने मजबूर कर दिया है। दाहिने पैर की मांसपेशियों में नियमित चोट के कारण वह इस साल लगातार मैच नहीं खेल पाए हैं। नीदरलैंड्स के ख़िलाफ़ तीसरे वनडे में चोट की वजह से मॉर्गन नहीं खेल पाए जबकि सीरीज़ के पहले दो मैचों में वह शून्य पर आउट हुए थे। द गार्डियन ने बताया कि मॉर्गन अपने भविष्य पर विचार कर रहे हैं और वह मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने के लिए तैयार हैं। मॉर्गन की अनुपस्थिति में टीम की कमान संभालने वाले जॉस बटलर को उनकी जगह कप्तान बनाया जा सकता है।

इससे पहले मोईन अली ने बीबीसी के टेस्ट मैच स्पेशल पर कहा था कि वह महसूस कर रहे हैं कि वह अब अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेल सकते हैं। हालांकि वह अभी भी टीम को पहले रखते हैं, जो दिखाता है कि वह कितने निःस्वार्थ हैं। उन्होंने असाधारण काम किया है और वह हमारे लिए अब तक के सर्वश्रेष्ठ हैं। उन्होंने अद्भुत काम किया है और वह जानते हैं कि जीतने के लिए क्या करना पड़ता है। इस समय उनके बिना टीम की कल्पना भी करना अजीब है।

मैंने हैरी टेक्टर को एक बैट दिया है, ताकि वह और छक्के लगाएं : पांड्या

डबलिन, 27 जून (वार्ता) आयरलैंड के खिलाफ टी20 श्रंखला में भारतीय टीम की अगुवाई कर रहे हार्दिक पांड्या ने आयरिश बल्लेबाज हैरी टेक्टर की तारीफ करते हुए कहा कि वह उन्हें आईपीएल में देखना चाहते हैं। 22 वर्षीय टेक्टर ने भारत के खिलाफ रविवार को खेले गये वर्षाबाधित पहले टी20 में 33 गेंद पर नाबाद 64 रन बनाकर आयरलैंड को 12 ओवर में 108 रन तक पहुंचाया, हालांकि भारत ने यह लक्ष्य 9.2 ओवर में ही हासिल कर लिया।

पांड्या ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में टेक्टर की जमकर तारीफ़ की और कहा कि वह उन्हें भविष्य में आईपीएल में देखना चाहते हैं। पांड्या ने कहा कि उन्होंने कई शानदार शॉट खेले। वह सिर्फ 22 साल के हैं। मैंने उन्हें एक बल्ला भेंट किया है, ताकि वह कुछ और छक्के लगाएं और शायद एक आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट भी हासिल करें। उनके साथ मेरी शुभकामनाएं हैं। इससे पहले टेक्टर आईसीसी अंडर-19 विश्व कप में भी अपने शानदार प्रदर्शन से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच चुके हैं। न्यूज़ीलैंड में हुए इस आयोजन में टेक्टर आयरलैंड के दूसरे सर्वाधिक रन-स्कोरर रहे थे, और उन्होंने नामीबिया के खिलाफ 101 रन की शतकीय पारी भी खेली थी। पांड्या ने कहा कि टेक्टर को सही मार्गदर्शन की जरूरत है।

कप्तान हार्दिक पांड्या ने जीत के साथ शुरुआत की:-कप्तान हार्दिक पांड्या (एक विकेट और 24 रन) के ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत भारत ने रविवार को पहले टी20 मैच में आयरलैंड को सात विकेट से शिकस्त दी। बारिश के कारण मैच देर से शुरू हुआ और आयरलैंड ने भारत के सामने 12 ओवर में 109 रन का लक्ष्य रखा, जिसे भारत ने 9.2 ओवर में ही प्राप्त कर लिया।

भारत के लिए पहली बार पारी की शुरुआत कर रहे दीपक हुड्डा ने सर्वाधिक 47 रन बनाए।। हुड्डा ने 29 गेंदों की अपनी पारी में छह चौके और दो छक्के लगाए। सलामी बल्लेबाज ईशान किशन ने 11 गेंदों पर तीन चौके और दो छक्के लगाकर 26 रन की पारी खेली।

करीब एक हजार साल पहले एक सम्प्रदाय हुआ करता था शिंगोन, जिसमें बौद्ध धर्म, प्राचीन शिंटो, ताओवाद व अन्य धर्मों के मिले-जुले नियमों का पालन होता था। शिंगोन मत ने एक भयावह और डरावनी प्रक्रिया विकसित की थी, जिसके तहत जीवित शरीर की ममी बना दी जाती थी। इसका लक्ष्य धार्मिक अनुशासन और समर्पण का प्रदर्शन करना था। इस प्रैक्टिस को सोकूशिनबुत्सू कहा जाता था और जापान के एक भिक्षुक कुकाई ने इसे शुरु किया था। इसमें कई वर्ष्नौं की क्रूर प्रक्रिया से शरीर को सुखाया जाता था, जिसका अंतिम नतीजा मौत होती थी, जिसके बाद शरीर प्रिज़र्व हो जाता था। अपने ही शरीर को ममी बनाने की प्रक्रिया बहुत दर्दनाक और क्रूर होती थी। पहले हजार दिन तक तो भिक्षुक सिर्फ नट्स, बीज, फल और बैरीज़ खाते थे और बहुत कड़ा शारीरिक श्रम करते थे जिससे शरीर की सारी वसा खत्म हो जाए। दूसरा चरण भी एक हजार दिन का होता था, इस अवधि में वे सिर्फ पेड़ की छाल व जड़ें ही खाते थे। इस अवधि के बाद उरुशी वृक्ष के सत से बनी विर्ष्नैली चाय पीते थे जिससे उल्टी आती थी और शरीर का पानी निकलने लगता था। यह चाय प्रिज़र्वेटिव की तरह भी काम करती थी तथा उन कीटों और बैक्टीरिया को नष्ट करती थी जिनकी वजह से मृत्यु के बाद शरीर सड़ने लगता है। छः साल की यातना के बाद अंतिम चरण में भिक्षुक खुद को पत्थर के एक मकबरे में बंदकर लेते थे जो उनके शरीर से थोड़ा सा ही बड़ा होता था। यहाँ पर वो पद्मासन में ध्यान मुद्रा में बैठ जाते थे तथा मृत्यु आने तक ऐसे ही बैठे रहते थे। एक छोटी नली से मकबरे में ऑक्सीजन दी जाती थी। मकबरे के अंदर से भिक्षुक रोज घंटी बजाता था ताकि बाहरी दुनिया को पता लगे कि वह जिंदा है। जब घंटी बजनी बंद हो जाती थी तो मान लिया जाता था कि वह मर गया है, इसके बाद नली हटा ली जाती थी और मकबरा सील कर दिया जाता था। एक हजार दिन बाद मकबरा खोला जाता था, तब तक भिक्षुक खुद को ममी बना चुका होता था। अगर शव संरक्षित स्थिति में मिलता था तो उस भिक्षुक को बुद्ध का दर्जा मिल जाता था। उसके शव को मकबरे से निकालकर मंदिर में स्थापित किया जाता था जहां उसकी पूजा होती थी। यह परम्परा उन्नीसवीं सदी तक चलती रही, बाद में जापान की सरकार ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया। माना जाता है कि, सैकड़ों भिक्षुकों ने इस प्रक्रिया को अपनाया लेकिन केवल 28 ही अपने शव को ममी में बदल पाए। इनमें से कुछ जापान के मंदिरों में स्थापित हैं।

राष्ट्रपति बाइडन प्रधानमंत्री मोदी से हाथ मिलाने को बेताब दिखे

जी-7 समिट में फोटो सैशन से पहले राष्ट्रपति बाइडन दौड़कर प्रधानमंत्री मोदी के पास आये और उन्हें अपना अहसास कराने के लिए प्र.मंत्री मोदी के कंधे पर हाथ रखा

नई दिल्ली, 27 जून। प्रधानमंत्री मोदी जर्मनी में जी-7 की शिखर बैठकों में हिस्सा ले रहे हैं, जी-7 के तमाम नेतओं के बीच बैठकों एवं मुलाकातों का दौर चल रहा है।

इस दौरान ग्रुप फोटो सैशन के बाद का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें देखा जा सकता है कि ग्रुप फोटो से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन पीछे की तरफ से खुद चलकर या थोडा सा दौड़कर प्रधानमंत्री मोदी के पास आते हैं और उनका अभिवादन करते हैं। वीडियो को देखकर ऐसा लग रहा है कि, प्र.मंत्री मोदी को पुकारने के बाद राष्ट्रपति बाइडन ने अपना एहसास दिलाने के लिए प्र.मंत्री मोदी के कंधे पर दौड़कर हाथ रखा।

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भी उनसे गर्मजोशी से मुलाकात की। गौरतलब है कि, जिस अमेरिकी राष्ट्रपति से मुलाकात करने के लिए दुनियाभर के मुल्कों के राष्ट्राध्यक्ष महीनों का इंतजार करते हैं, वे प्रधानमंत्री मोदी से हाथ मिलाने खुद दौड़े आएं।

वीडियो में दिख रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी जब कैनेडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से बात कर रहे थे, इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो

- **इस घटना का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें साफ तौर पर राष्ट्रपति बाइडन की बेताबी देखी जा सकती है।**
- **मोदी-बाइडन मुलाकात के इस वीडियो की जमकर चर्चा हो रही है। लोगों का मानना है कि, यह भारत के बढ़ते वैश्विक कद का प्रतीक है।**
- **प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्विटर पर कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति जो बाइडन, राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से मुलाकात की।" प्रधानमंत्री मोदी ने समूह फोटो के साथ एक कैप्शन भी ट्वीट किया, जिसमें लिखा था, "विश्व नेताओं के साथ जी -7 शिखर सम्मेलन में।"**

बाइडन उनसे मिलने के लिए खुद चलकर आए। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के कंधे पर पीछे से हाथ रखकर अपनी मौजूदगी का अहसास कराया, जिसके बाद दोनों नेताओं ने हाथ मिलाकर गर्मजोशी से एक दूसरे का अभिवादन किया। मोदी-बाइडन मुलाकात के इस वीडियो की जमकर चर्चा हो रही है। लोगों का मानना है कि, यह भारत के बढ़ते वैश्विक कद का प्रतीक है।

भारत ने रूस-यूक्रेन संकट, कोविड महामारी और दूसरे मसलों में जैसी कूटनीति की है, उसका अमेरिका भी कायल है। यही कारण है कि जो बाइडन प्रधानमंत्री मोदी को इतना महत्व देते नजर आ रहे हैं। यूक्रेन पर रूस के हमले के दौरान जब पूरी दुनिया अलग-अलग ध्रुवों की तरफ खुलकर आ रही थी, उस दौरान भारत ने संतुलन को बनाए रखा। भारत ने अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद रूस से भारी मात्रा में तेल आयात किया और अमेरिका को भी इससे कोई परेशानी नहीं हुई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां जी-7 शिखर सम्मेलन स्थल पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के अलावा फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से भी मुलाकात की। समूह फोटो खिंचवाने से पहले इन नेताओं के बीच बातचीत हुई।

जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने दक्षिणी जर्मनी में शिखर सम्मेलन में उनका स्वागत किया। समूह फोटो के लिए कनाडा के अपने समकक्ष ट्रूडो के बगल में खड़े प्रधानमंत्री मोदी को भी कनाडा के प्रधानमंत्री के साथ बातचीत करते देखा गया। दोनों नेताओं का आज शाम को द्विपक्षीय बैठक करने का कार्यक्रम है।

मोदी और मैक्रों आपस में गले मिले और समूह फोटो के बाद बातचीत की। जैसे ही जी-7 के नेता शिखर सम्मेलन स्थल के अंदर गए, दोनों नेताओं ने अपनी चर्चा जारी रखी और एक साथ अंदर चले गए।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्विटर पर कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति जो बाइडन, राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से मुलाकात की।" प्रधानमंत्री मोदी ने समूह फोटो के साथ एक कैप्शन भी ट्वीट किया, जिसमें लिखा था, "विश्व नेताओं के साथ जी -7 शिखर सम्मेलन में।"

बेनीवाल की हुंकार रैली में झलकी आगामी विधानसभा चुनाव की आहट

हनुमान बेनीवाल ने जोधपुर के रावण का चबूतरा स्थल से अग्निपथ के विरोध में हुंकार रैली की

जोधपुर, 27 जून (कासं)। नागौर सांसद एवं राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आर.एल.पी.) के संयोजक हनुमान बेनिवाल ने आज जोधपुर के रावण का चबूतरा स्थल से केंद्र की अग्निपथ योजना का एक तरफ हुंकार रैली के रूप में विरोध किया तो दूसरी तरफ उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री को भी कई मुद्दों पर घेरा। इस हुंकार रैली में आगामी विधान सभा चुनाव की आहट नजर आई। इससे लगा कि, रालोपा कोई बड़ी शक्ति बनकर उभर सकती है। जोधपुर में सैकड़ों की तादाद में जुटे युवाओं को वे संबोधित कर रहे थे।

अग्निपथ स्कीम के विरोध में सोमवार को राजस्थान में कांग्रेस ने सत्याग्रह विरोध-प्रदर्शन किया तो जोधपुर में नागौर सांसद व राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी आरएलपी संयोजक हनुमान बेनीवाल ने युवा हुंकार रैली का आयोजन किया। यहां के चबूतरा मैदान

- **दूसरी तरफ उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री को भी कई मुद्दों पर घेरा। हुंकार रैली में आगामी विधानसभा चुनाव की आहट नजर आई। बेनीवाल ने जोधपुर में सैंकड़ों की तादाद में अग्निवीरों को संबोधित किया, लगा कि रालोपा बड़ी शक्ति बन कर उभर सकती है।**

में कई जिलों से बड़ी तादाद में युवा शामिल हुए। उन्होंने युवा हुंकार महारैली में राज्य व केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि, अग्निपथ योजना युवाओं के हित में नहीं है। टीओडी की इस स्कीम यानी टूर ऑन ड्यूटी ने सेना को पर्यटन बना दिया है। सेना को ठेके पर दे दिया। सेना टूर के लिए नहीं है। अकेला हनुमान बेनीवाल भाजपा के पक्ष में तीन रैली करके गया और वैभव हार गया। यह मोदी लहर नहीं थी। भाजपा वैंटिलेटर पर थी और जनता ने उसे बाहर निकाल दिया था। जब जीत कर दिल्ली पहुंचा और देखा कि वहां किसानों के हित की बात नहीं हो रही, तो भाजपा से मैंने किनारा कर लिया। जब मैंने पार्टी छोड़ी, तब लोगों ने कहा कि पार्टी छोड़कर सड़क पर क्यों जा रहे हो। तब मैंने कहा- मेरे पिताजी 1977 में विधायक थे। मुझे जनता ने सांसद बनाया है, पार्टी ने नहीं।

बेनीवाल बोले- मोदीजी जब चाहे गोल कर देते हैं। राहुल-सोनिया के पीछे ईडी को लगा दिया। वे परेशान होकर इटली चले जाएंगे। यूक्रेन ने अपनी इज्जत आबरु बचाने के लिए रूस से टक्कर ली। रूस कब्जा छुड़ाने के लिए यूक्रेन पर हमला कर रहा है। लेकिन हमारा देश पाकिस्तान से कब्जा हटाने के लिए कोई हमला नहीं करता।

बेनीवाल ने कहा- गहलोत के भाई के घर ईडी की रेड हुई तो दिल्ली छोड़कर आ गए। वे कहते हैं कि केंद्र ईडी का दुरुपयोग कर रहा है। कांग्रेस ने भी ईडी का दुरुपयोग किया था। जिसको मौका मिलता है, वह चौका मारता है। मैं भी मारूंगा, लेकिन किसान हित के लिए। महंगाई के खिलाफ। रैली में बेनीवाल का भाषण शुरू होते ही लाइट चली गई। युवा हल्ला मचाने लगे। बोतलें उछालने लगे। कुछ देर के लिए लगा कि व्यवस्था बिगड़ रही है। फिर बेनीवाल ने डपटकर युवाओं को शांत कराया।

पिता की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि चूँकि उन्होंने अपनी पहली प्रार्थना वापस ली है, इसलिए जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय को उनकी दूसरी प्रार्थना पर विचार करना चाहिए। क्योंकि उनके बेटे को आतंकवादी करार दिया गया था, इसलिए पुलिस ऐसे व्यक्ति के शरीर को नहीं सौंपती है और खुद ही दफनाती है।

'राजस्थान की राजनीति में पायलट ने ज़हर पिया है, महादेव ने ज़हर पिया था, उनका सावन में अभिषेक होता है'

कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम के इस बयान को लेकर अटकलों का बाजार गर्म हो गया है

जयपुर, 27 जून (का.प्र.)। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और मंत्री शांति धारीवाल की ओर से किए गए हमले के बाद प्रियंका गांधी के नजदीकी कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णम ने कहा है कि, पायलट ने सियासी जहर पीया है और जहर पीने वाले का सावन में अभिषेक होगा। उनके इस बयान के मुख्यमंत्री गहलोत सहित अन्य नेताओं द्वारा दिए गए बयान से जोड़कर कई मायने निकाले जा रहे हैं। कुछ लोग तो यह भी कह हरे हैं कि आने वाले एक-

- **आचार्य प्रमोद कृष्णम प्रियंका गांधी के नज़दीकी माने जाते हैं।**

दो महीने में राजस्थान में राजनीतिक परिस्थितियां बिल्कुल बदल सकती हैं।

प्रियंका गांधी के नजदीकी और सचिन समर्थक आचार्य प्रमोद कृष्णम ने इशारों में पायलट को बड़ी जिम्मेदारी दिए जाने का दावा किया है। आचार्य प्रमोद ने कहा कि, राजस्थान की राजनीति में सचिन पायलट ने जहर पीया है। महादेव ने जहर पीया था, उनका सावन में अभिषेक होता है। सावन आ रहा है, तो सियासी जहर पीने वाले का भी अभिषेक होगा।

आचार्य प्रमोद कृष्णम के साथ ही पायलट समर्थक कांग्रेस विधायक इंद्राज गुर्जर ने इशारों में सीएम पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया- जमीन पर बैठा हुआ आदमी कभी नहीं गिरता, फ़िक्र उनको है, जो हवा में है। इसे गहलोत के बयान के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है।

अग्निपथ भर्ती में 94 हजार आवेदन

नई दिल्ली, 27 जून (वार्ता)। सेनाओं में जवानों की भर्ती की नयी योजना अग्निपथ के देशव्यापी विरोध के बीच वायु सेना में अग्निवीरों की भर्ती के लिए तीन दिन में करीब 57 हजार युवाओं ने आवेदन किया है।

वायु सेना ने 24 जून को भर्ती प्रक्रिया के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू किया था। वायु सेना के अनुसार 27 जून तक यानी चार दिन में कुल 94 हजार युवा भर्ती के लिए पंजीकरण कर चुके थे। इसमें सोमवार का आंकड़ा नहीं जोड़ा गया है। वायु सेना का कहना है कि युवाओं में भर्ती के लिए जिस तरह का उत्साह देखने को मिल रहा है उससे लगता है कि आवेदन करने वालों की संख्या बहुत अधिक होगी। वायु सेना ने कहा है कि वह इस भर्ती के दौरान 3000 अग्निवीरों की भर्ती करेगी।

- **भर्ती के आवेदन की प्रक्रिया शुरु हुये अभी मात्र चार दिन ही हुये हैं।**

पात्रा चॉल जमीन घोटाले में संजय राउत को ई.डी. ने समन जारी किया

संजय राउत ने कहा कि, बदले की भावना से मुझ पर कीचड़ उछालने के लिए देवेंद्र फडणवीस ने ऐसा करवाया है

मुंबई, 27 जून (वार्ता)। महाराष्ट्र में शिवसेना के प्रवक्ता एवं सांसद संजय राउत को प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) ने पूछताछ के लिए समन जारी किया है। उन्हें मंगलवार को अपराह्न 11 बजे एजेंसी के कार्यालय में बुलाया गया है।

राज्य में राजनैतिक उथल-पुथल के बीच राउत ने सोमवार को स्वयं ट्विटर पर कहा, मुझे अभी-अभी जानकारी मिली है कि मुझे ई.डी. ने बुलाया है।

उन्होंने लिखा, अच्छा है! महाराष्ट्र में बड़ी-बड़ी घटनाएं हो रही हैं। हम बालासाहेब के शिवसैनिक हैं और एक बड़ी लड़ाई लड़ रहे हैं। यह मुझे रोकने की एक साजिश है। यदि मेरा सर धड़ से अलग भी कर दिया जाए तो भी मैं गुवाहाटी का रास्ता (बागी विधायकों का) नहीं पकडुंगा। मुझे गिरफ्तार कर लें! जय हिंद।

- **संजय राउत को मंगलवार को सुबह 11 बजे ई.डी के कार्यालय में बुलाया गया है।**

उल्लेखनीय है कि अपराधिक कमायी के शोधन मामलों की जांच करने वाली एजेंसी ई.डी. ने धन शोधन निवारक अधिनियम, 2002 के तहत जांच के सिलसिले में राउत की पत्नी वर्षा राउत और उनके दो सहयोगियों की अप्रैल में 11.15 करोड़ रुपये की संपत्ति को अस्थायी तौर पर कुर्क कर लिया था। संजय राउत ने प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) की ओर से जारी समन के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता व पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस को जिम्मेदार ठहराया है।

राउत को ई.डी. ने पूछताछ के लिए समन जारी किया है। उन्हें मंगलवार को अपराह्न 11 बजे एजेंसी के कार्यालय में बुलाया गया है। राज्य में राजनैतिक उथल-पुथल के बीच राउत ने सोमवार को ट्विटर पर कहा, मुझे अभी-अभी जानकारी मिली है कि मुझे ई.डी. ने बुलाया है।

उल्लेखनीय है कि अपराधिक कमायी के शोधन मामलों की जांच करने वाली एजेंसी ई.डी. ने धन शोधन निवारक अधिनियम, 2002 के तहत जांच के सिलसिले में राउत की पत्नी वर्षा राउत और उनके दो सहयोगियों की अप्रैल में 11.15 करोड़ रुपये की संपत्ति को अस्थायी तौर पर कुर्क कर लिया था। राउत ने कहा कि ईडी बेवजह परेशान कर रही है।

चर्च...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संबंध में करीब 57 केस दर्ज किए गए। बैंच ने कहा कि "आप जो बता रहे हैं, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं और यदि यह सच है तो हम इस केस की सुनवाई ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद प्रथम दिन से ही करेंगे।" याचिका में यह भी मांग की गई कि शीर्ष अदालत ने वर्ष 2018 में जो निर्देश जारी किए थे, उन्हें लागू किया जाए। उसने अपने निर्देश में कहा था कि घृणास्पद अपराधों के विरूद्ध एफ.आई.आर. दर्ज करने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाए।

'अम्बानी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि वह दखलंदाज व अनाधिकार प्रदेश करने वाला है हालांकि उनका दावा है कि वह सोशल एक्टिविस्ट हैं। यह याचिका राजनीति से प्रेरित, सारहीन और मिथ्या है। केन्द्र की तरफ से अपील करते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अम्बानी को सुरक्षा दिए जाने का त्रिपुरा से कोई लेन देन नहीं है और त्रिपुरा हाई कोर्ट को यह याचिका स्वीकार करने का न्यायाधिकार नहीं है।

विपक्ष के राष्ट्रपति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सर्वसम्मत उम्मीदवार के रूप में अपना पर्चा भरा, उस समय विपक्ष के अन्य नेताओं के साथ, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी, जम्मू-कश्मीर की नैशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला, आर.एल.डी. के जयन्त चौधरी, सी.पी.आई. (एम.) के सीताराम येचुरी, डी.एम.के. के ए. राजा, सी.पी.आई. के डी. राजा तथा तेलंगाना के मंत्री एवं टी.आर.एस. के नेता के.टी. रामाराव संसद भवन में मौजूद थे।

बाद में मीडिया को संबोधित करते हुए, राहुल गांधी ने कहा कि इस सर्वोच्च संवैधानिक पद के लिये सिन्हा की उम्मीदवारी के समर्थन में सारा विपक्ष एकजुट है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय जनता दल की मीसा भारती, रिवॉल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी के एन के प्रेमचन्द्र तथा इंडियन मुस्लिम लीग के मोहम्मद बशीर भी मौजूद थे।

लेकिन दो प्रमुख दलों-आम आदमी पार्टी तथा झारखंड मुक्ति मोर्चा-ये नामांकन के समय अपने प्रतिनिधि नहीं भेजे। शिव सेना के प्रतिनिधि भी मौजूद नहीं थे क्योंकि वह इस समय अपने अंदरूनी संकटों से जूझ रही है।

दो गैर भाजपा पार्टियाँ-मायावती की बसपा तथा ओडिशा की बीजेडी ने इस चुनाव के लिये आदिवासी प्रत्याशी मुर्मू का समर्थन कर दिया है। यदि वे निर्वाचित हो जाती है तो दौपद्री मुर्मू भारत की प्रथम आदिवासी राष्ट्रपति होंगी।

सिन्हा ने नामांकन प्रपत्रों के 4 सैट राज्यसभा के महासचिव पी सी मोडी को सौंप दिया, जो राष्ट्रपति चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर हैं।

पूर्व नौकरशाह तथा उसके बाद, अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में केन्द्रीय मंत्री रहे सिन्हा को अनेक विपक्षी नेताओं की मीटिंग में 21 जून को राष्ट्रपति चुनाव के लिये विपक्ष का संयुक्त प्रत्याशी बनाने का निर्णय लिया गया था।

अंतिम क्षणों में सिन्हा को और मजबूत करते हुये, के चन्द्रशेखर राव के नेतृत्व वाली तेलंगाना राष्ट्र समिति (टी.आर.एस. ने आज सुबह उन्हें अपना समर्थन देने की घोषणा कर दी, जबकि पहले उसे उनके चयन के तरीके तथा अपनी प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के साथ मंच साझा पर ऐतराज था।

नम्बरों का गणित सिन्हा के पूरी तरह से खिलाफ है और नैशनल डैमोक्रेटिक एलायंस की दौपद्री मुर्मू के जीतने की संभावना सर्वाधिक है। लेकिन आज विपक्ष ने जो ताकत दिखा उसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि विपक्ष भाजपा के खिलाफ एकजुटता दिखाने का प्रयास कर रहा है।

सिन्हा ने कहा कि "रबर स्टाम्प" राष्ट्रपति नहीं चलेगा और अगर मूर्मू बयाज वे चुने जाते हैं तो वे तो वे "ज्यादा संवैधानिक" प्रमुख बने थे। उन्होंने कहा कि मुर्मू से निजी लड़ाई नहीं है यह लड़ाई तो भारत के संविधान को बचाने की है।

उन्होंने कहा कि वे अपने पुराने भाजपा मित्रों से भी समर्थन के लिए संपर्क करेंगे। उन्होंने कहा, कि पुरानी भाजपा में वे आंतरिक लोकतंत्र का अंग थे। वर्तमान भाजपा में इसका अभाव है।

सत्तारूढ़ पार्टी के पास इलैक्टोरल कोलाज के 49 प्रतिशत वोट है और राष्ट्रपति को जीतने के लिए 50 प्रतिशत वोट चाहिए। नामांकन भरने की अंतिम तिथि 29 जून है और चुनाव 18 जुलाई को होगा।

'उन्होंने पहले...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अहमद, पूर्व विधायक कमल बैरवा, अजीज कुरैशी, दिनेश चौरासिया, मणिकांत गर्ग, सादिक चौहान, सुनील बंसल, अहसान बाबा, नईमुद्दीन अपोलो, रामदेव गुर्जर, राहुल सैनी, विकास लोदी, मुजीद, कजोड़ बैरवा, मणीन्द्र बैरवा, मो. अनवार, युसुफ इंजीनियर, युसुफ यूनिवर्सल, ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष रामसिंह मुकुल, हंसराज गाता, दीनदयाल कुक्कड महावीर तोगड़ा, सलीमुद्दीन खान और फौजूराम मीणा सहित कांग्रेसजन मौजूद रहे।

शिंदे सेना को रिलीफ मिली सुप्रीम कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि वे शिन्दे के नेतृत्व वाले शिवसेना के विद्रोही गुट द्वारा उनके खिलाफ पेश किये गये अविश्वास प्रस्ताव पर अपना विस्तृत शपथ-पत्र पेश करें।

जब स्पीकर ने, विद्रोही गुट द्वारा उन्हें हटाये जाने के प्रस्ताव की प्रामाणिकता तथा वैधता पर सवाल खड़े किये, तो सर्वोच्च न्यायालय ने एक दिशा निर्देश जारी किया। शिन्दे गुट ने संविधान ने अनुच्छेद 179 तथा महाराष्ट्र विधानसभा नियमों के नियम 11 के तहत उन्हें हटाये जाने के लिये 22 जून को एक नोटिस भेजा था।

जब डिप्टी स्पीकर के वरिष्ठ वकील राजीव धवन बैंच को बताया कि डिप्टी स्पीकर को हटाये जाने के प्रस्ताव की प्रामाणिकता इसलिये स्वीकार्य नहीं है, क्योंकि यह ई-मेल द्वारा भेजा गया था, तो अदालत ने डिप्टी स्पीकर कार्यालय का सारा रिकॉर्ड माँग लिया।

यह पूछे जाने पर विद्रोही गुट ने बम्बई उच्च न्यायालय में याचिकायें दायर क्यों नहीं की तो शिन्दे के वरिष्ठ वकील नीरज किशन कौल ने अदालत से कहा कि अगर विद्रोही विधायक मुम्बई में कदम भी रखते, तो उन्हें अपनी जान का खतरा हो सकता था। उन्होंने कहा, "अल्पमत में आ चुका शिवसेना विधायक दल राज्य-तन्त्र को समाप्त करते हुये, हमारे घरों पर हमले कर रहा है। वे कह रहे है। कि असम में हमारी लाशें ही वापस आयेंगी। मुम्बई का माहौल ऐसा नहीं रहा कि हम वहाँ अपने अधिकारों के न्यायिक कार्यवाही कर सकें।"

महाराष्ट्र सरकार के वकील द्वारा 39 विद्रोही विधायकों के बारे दिये गये बयान को रिकॉर्ड पर ले लिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि इस सम्बन्ध में यथेष्ट कदम उठाये जा चुके हैं तथा राज्य सरकार और सुनिश्चित कर देगी कि इन विधायकों की जान, स्वतन्त्रता एवं सम्पत्ति को नुकसान नहीं पहुँच।

कौल ने जोर देते हुये कहा कि डिप्टी स्पीकर ऐसी स्थिति में विधायकों की डिसक्वालिफिकेशन की कार्यवाही करने के लिये समक्ष नहीं हैं, जब उन्हें खुद को हटाये जाने की याचिका विचाराधीन है। उन्होंने कहा 39 विधायक सेना के अल्पमत वाले गुट के खिलाफ एकजुट हैं।

कौल ने धवन के बयान को अदालत द्वारा रिकॉर्ड किये जाने की जरूरत बताई, लेकिन अभिषेक मनु सिंघवी ने यह कहते हुये आपत्ति जताई कि इसकी कोई आवश्यकता नहीं है।

ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना की ओर से प्रस्तुत वरिष्ठ वकील देवदत्त कामत ने कौल की बार-बार दोहराई जा रही इस माँग के बीच कहा "मैं यह कहने की अनुमति चाहता हूँ कि ऐसा कोई आदेश नहीं है जिसमें कार्यवाहियों पर "स्टे" दिया गया हो। ऐसा कोई ऑर्डर पारित नहीं किया जा सकता डिसक्वालिफिकेशन के सम्बन्ध में दसवीं अनुसूची के पैरा 6 पर जरा नजर डालिये।"

उन्होंने इस पर आपत्ति जताई कि यह याचिका विचारणीय नहीं है। कामत ने कहा, व सर्वोच्च न्यायालय ने कर्नाटक विधायक केस में, उच्च न्यायालय न जाकर, सीधे सर्वोच्च न्यायालय जाने से सम्बन्धित वादियों के प्रयास का समर्थक नहीं किया था। इसके अलावा, केवल अविश्वास प्रस्ताव के भूत के कारण, विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने का प्रश्न ही नहीं है। विधानसभा वो नियम इसकी अनुमति नहीं देते। मुख्यमंत्री में अविश्वास व्यक्त करने के लिये, कोई कारण नहीं दिया गया है।

लेकिन जहाँ तक स्पीकर का प्रश्न है, अनुच्छेद 179 के तहत, उन्हें हटाये जाने के कारण दिये जाना जरूरी है। सदस्यों के केवल यह कहने से काम नहीं चल सकता कि उन्हे विश्वास नहीं है। यह आरोप लगाये जाने ही हो सकता है।"

उन्होंने दलील दी कि सर्वोच्च न्यायालय उन मामलों में दखल नहीं दे सकता, जो स्पीकर के समक्ष विचाराधीन हैं। उन्होंने कहा कि इस समय डिप्टी स्पीकर ही स्पीकर की भूमिका निभा रहे हैं क्योंकि स्पीकर का पद खाली है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908